CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिन्दी मराठी शिक्षक

ओंकार-ग्रन्थालय,
भदैनी, काशी
वाराणसी-1

-ग्रन्थालय
दी, वाराणसी-५
1/75

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizaqtion by eGangotri

त1/75 देवराज विद्यावाचस्पति
२८-८-१९३५

हिन्दी-मराठी-शिक्षक

आम्नाय-ग्रन्थालय,
... करौली

(हिन्दी की सहायता से मराठी सिखाने वाली पुस्तक)

लेखक—

शङ्कर रघुनाथ मल्कापुरकर
शिव नारायण मिश्र

प्रकाशक—

वैद्य शिवनारायण मिश्र, भिषग्रत्न
प्रकाश पुस्तकालय
कानपुर

प्रथम संस्करण]   [मूल्य सवा रुपया

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

वैद्य शिवनारायण मिश्र भिषग्रत्न द्वारा
प्रकाश आयुर्वेदीय प्रिंटिंग प्रेस
कानपुर में
मुद्रित
४—१९३३—१

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

दो शब्द

सन् ३१ के शुरू में सत्याग्रह आन्दोलन में बन्दी रूप में मेरा तबादला कानपुर से झांसी जेल को हो गया था। वहां मेरे साथियों में झांसी के नेता और बाद को मेरे मित्र श्रीयुत आत्माराम गोविन्द खेर भी थे। मैंने उनसे मराठी पढ़ने की इच्छा प्रकट की। खेर साहब ने इस सम्बन्ध में मेरा परिचय झांसीनिवासी श्रीयुत शंकर रघुनाथ मल्कापुरकर से करा दिया। इनके बड़े भाई प्रसिद्ध मनमाड़ बमकांड में लम्बी सजा भुगत रहे हैं। शंकरराव जी भी उस कांड में पकड़े गये थे मगर बाद को छोड़ दिये गये थे। इस समय ये भी झांसी जेल में हम लोगों के साथ ही सजा काट रहे थे। मैंने जोश-मूर्ति नवयुवक शंकरराव से मराठी पढ़ने की इजाज़त जेलर से प्राप्त करली। लगभग तीन महीने में मैंने मराठी के दो व्याकरण और कितनी ही पुस्तकें पढ़ डालीं। पढ़ाने के समय शंकरराव जी अपने शिष्य, मेरे लिए जो नोट्स लिखते जाते थे यह पुस्तक उन्हीं का बढ़ा और सुधरा हुआ रूप है। जेल से छूटने के कुछ महीनों के बाद कुछ दिनों के लिए मजबूर होकर मुझे अपने गांव पड़री (जिला-उन्नाव) में रहना पड़ा। वहीं मैंने इस पुस्तक को शुरू से अन्त तक घटा बढ़ाकर फिर से

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

लिख डाला। लिखते समय मैंने इसका बराबर ध्यान रखा है कि पुस्तक जहां तक सम्भव हो सर्वांगपूर्ण हो, ऐसे ढंग से लिखी जाय कि प्रत्येक हिन्दी पढ़ा-लिखा व्यक्ति इसके द्वारा सरल से सरल ढंग से मराठी भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सके। पुस्तक में, जहां तक संभव हुआ है, उच्चारण बतलाने का ध्यान रखा गया है, मगर कुछ उच्चारण ऐसे हैं जिन्हें पाठक किसी मराठी-भाषा-भाषी से ही एक दो दिन में सीख सकते हैं।

अन्त में मैं फिर श्रीयुत शंकर राव जी के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता अर्पण करता हूं।

रामनवमी १९९०]

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१- संबोधनकारकशब्दः । पृ: १६
२- मात्रिती-स्थान १४६ ।
३- रा: पृ: २,
४- संबंधवाचकशब्द- पृ- ६६
५- जाएगी=जावेगा १३२।

विषय-सूची

विषय | पृष्ठ

प्रथम प्रकरण ।

स्वर वर्ण	१
व्यंजन वर्ण	२
उच्चारण	२
बाराखड्या=बाराखड़ी	४
मात्रायें	५

द्वितीय प्रकरण ।

(व्याकरण)

संधि विचार	७
शब्द विचार	८
नाम (संज्ञा) विचार	१२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

लिंग विचार १५
वचन विचार १७
विभक्ति विचार २१
विभक्तियों के अर्थ का बोध कराने वाले अव्यय ... २३
सर्वनाम विचार २६
विशेषण विचार ३७
क्रियापद विचार ३९
काळविचार (कालविचार) ४४
पुरुष, लिंग और वचन से वर्तमान काल में क्रियापद के रूप ४६
अस धातु-करण रूप, स्वार्थ.
कर्तरिप्रयोग, वर्तमानकाल ४८
भूतकाल ५०
भविष्यकाल ५१
नस धातु-करणरूप-स्वार्थ.
कर्तरिप्रयोग, वर्तमानकाल ५२
भूतकाल ५४
भविष्यकाल ५५
हो धातु-करणरूप-स्वार्थ.
कर्तरिप्रयोग, वर्तमानकाल ५६
भूतकाल ५७
भविष्यकाल ५८
कर धातु-करणरूप-मूलरूप भेद, स्वार्थ.
कर्तरिप्रयोग, वतमानकाल ५९
कर्मणिप्रयोग, भूतकाल ५९

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कर्तरिप्रयोग ६०

रीतिभूतकाल ६०

भविष्यकाल ६१

आज्ञार्थ. कर्तरिप्रयोग ६१

विध्यर्थ. कर्मणिप्रयोग ६२

कर्तरिप्रयोग ६२

संकेतार्थ. कर्तरिप्रयोग ६२

कर्मणिप्रयोग, संशयार्थ
कर्मणिप्रयोग, कर्तरिप्रयोग } ... ६३

कर धातु-करण रूप-प्रयोजक भेद.

स्वार्थ. कर्तरिप्रयोग, कर्मणिप्रयोग, कर्तरिप्रयोग ६४

आज्ञार्थ. कर्तरिप्रयोग ६५

विध्यर्थ. कर्मणिप्रयोग, कर्तरिप्रयोग ... ६६

संकेतार्थ. कर्तरिप्रयोग, कर्मणिप्रयोग ... ६६

संशयार्थ. कर्तरिप्रयोग, कर्मणिप्रयोग ... ६७

कर धातु-करणरूप-शक्यभेद.

स्वार्थ. कर्तरिप्रयोग ६८

आज्ञार्थ. संकेतार्थ, संशयार्थ... ... ६९

रीतिभूतकाल, अर्थ.

आज्ञार्थ, विध्यर्थ ७२

संकेतार्थ ७३

सिद्धक्रियापद ७४

कर्मकर्तरिप्रयोग ७५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धातुसाधित, मूलरूप भेद.

संज्ञायें और विशेषण ७५

अव्यय ७६

प्रयोजक संज्ञायें.

संज्ञायें और विशेषण ७६

अव्यय ७७

वाक्यभेद.

संज्ञायें और विशेषण ७७

अव्यय ७८

धातुओं के भूतकाल के

कुछ अनियमित रूप ७८

संयुक्तक्रियापद, क्रियाविशेषण अव्यय ... ७९

धातुसाधित क्रियाविशेषण ८०

अनुकरणवाचक क्रियाविशेषण ... ८१

स्थलवाचक, कालवाचक ८२

संख्यावाचक, क्रमवाचक, निश्चयार्थक अव्यय ८३

उभयान्वयी अव्यय ८३

शब्दयोगी अव्यय ८४

केवलप्रयोगी, संबंधिनी अव्यय ... ८६

साधित शब्दविचार.

शब्दसाधित ८६

धातुसाधित ८८

सामासिक शब्दविचार

द्वन्द्व ८९

तत्पुरुष ९०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बहुव्रीहि, द्विगु ९१
मध्यमपदलोपी, अव्ययीभाव ... ९२

कारक विचार.

कर्ता, कर्म, करण कारक ९३
सम्प्रदान कारक ९४
अपादान कारक ९५
सम्बन्ध कारक ९६
अधिकरण कारक ९७

त्रितीय प्रकरण

शब्द संज्ञा.

कुटुम्ब-परिवार ९९
घर-गृहस्थी १०२
कपड़े-लत्ते १०४
बर्तन-भांड़े १०५
फलफूल और शाकभाजी १०७
शरीर सम्बन्धी १०८
पशु-पत्ती ११०
कीट-पतंग ११२
पेड़-पौधे ११३
खाद्य-पदार्थ ११४
मसाले और दवादारू ११७
खेतीबारी गांवगंवकरी ११९
जातबिरादरी या पेशेवाले १२२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

समय और त्योहार १२३
प्रकृति और संसार १२५
धातु, सिक्के और गहने १२७
रोग १२८

चतुर्थ प्रकरण।

क्रिया १३०
क्रिया-विशेषण १३२
अव्यय १३३
विशेषण १३४
कर्ता, कर्म और सम्बन्ध १३८

पञ्चम प्रकरण।

प्रकीर्ण-शब्दावली १४१

षष्ठ-प्रकरण।

संख्याविवेचन १५८

सप्तम प्रकरण।

वाक्य और वाक्यांश १६२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अष्टम प्रकरण ।

मराठी-कहावतें १८५

नवम प्रकरण ।

मराठी कविता के कुछ नियम १९०
संज्ञायें १९२
सर्वनाम १९३
क्रियापद १९३
अव्यय १९४
प्राचीन मराठी के कुछ उदाहरण.
आर्या छन्द १९५
तुकारामजी चे अभंग.
प्राचीन मराठी १९६
रामदासस्वामीचे भुजंगप्रयात छंद.
प्राचीन मराठी १९७
नव्य मराठी, आई.
अंजनी गीत १९९
बहिर्जी नाईक.
भुजंगप्रयात छंद २०१
कृष्णाची वन-क्रीड़ा.
भुजंगप्रयात छंद २०४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिन्दी
मराठी-शिक्षक

प्रथम-प्रकरण

स्वर वर्ण

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ॠ
ऌ	ॡ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः

ये सब स्वर हैं। परन्तु मराठी में कहीं कहीं स्वर अं और अः को छोड़ कर बाकी चौदह ही स्वर माने जाते हैं।

ऋ ॠ और ऌ ॡ का प्रयोग विशुद्ध मराठी में नहीं होता।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

व्यंजन वर्ण

क ख ग घ ङ. च छ ज झ ञ.
ट ठ ड ढ ण. त थ द ध न.
प फ ब भ म. य र ल व श
ष स ह ळ क्ष त्र ज्ञ.

ये व्यंजन वर्ण हैं। इन में हिन्दी अक्षरों की अपेक्षा एक अक्षर (ळ) अधिक है। (त्र) इस अक्षर को मराठी लिपि में नहीं लिखते मगर संस्कृत शब्दों के प्रयोग में कहीं कहीं लाते हैं।

नीचे कुछ अक्षर जो कोष्टक में हैं जैसे—

(झ)=झ, (ण)=ण, (ल)=ल (क्ष)=क्ष, इन्हें तथा ऊपर लिखे हुए अ आ इत्यादि अक्षरों को इसी रूप में लिखना चाहिए।

मराठी में क् से लेकर ळ् तक ३४ व्यंजन माने जाते हैं। क्ष, त्र और ज्ञ ये संयुक्त अक्षर हैं।

उच्चारण

(ळ) इस अक्षर का उच्चारण ल और ड़ इन दो अक्षरों के बीच का जो उच्चारण होता है, वह है। इसका शुद्ध उच्चारण किसी मराठी-भाषा-भाषी से सीख लेना चाहिए।

(प) इस अक्षर का उच्चारण मराठी में कभी भी (ल) जैसा न करना चाहिए।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

च, झ, ज, ड, इन अक्षरों का उच्चारण मराठी में अक्सर च, झ़, ज़, ड़ जैसा होता है।

संयुक्त अक्षरों का रूप और उच्चारण हिन्दी की ही तरह होता है।

अनुस्वार का उच्चारण

अनुस्वार का उच्चारण कई प्रकार से होता है। संस्कृत के हिसाब से अनुस्वार के आगे पांचों वर्गों के अक्षरों में से जो आता है वैसा ही उच्चारण होता है; जैसे—गंगा, प्रपंच, पांडव, बंधन, बिंब इत्यादि का उच्चारण 'गङ्गा' 'पाण्डव' 'बन्धन' 'प्रपञ्च' 'बिम्ब' आदि होगा।

अनुस्वार के आगे अगर र, व, श, ष, स, ह, ये अक्षर हों तो अनुस्वार का उच्चारण व की तरह होता है; जैसे—संसार, संहार, संशय इत्यादि का उच्चारण 'संव्सार' 'संव्हार' 'संव्शय' की तरह होता है।

अनुस्वार के आगे अगर य और ल आवे तो उच्चारण 'य' अथवा 'ल' जैसा ही होगा। जैसे—संयुक्त का उच्चारण 'संय्युक्त' तथा संलग्न का उच्चारण 'संल्लग्न' होगा।

जिस मराठी शब्द का अन्त्य स्वर दीर्घ होता है, उसके ऊपर यदि अनुस्वार हो तो उसका उच्चारण अर्धचन्द्र जैसा होता है; जैसे कां, तूं, तें, जों, तळें, का उच्चारण 'काँ, तूँ, तेँ, जोँ तळेँ' होगा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बाराखड्या=बाराखड़ी

क का कि की कु कू कृ कॄ
क्लृ क्लॄ के कै को कौ कं कः

इसी तरह सब अक्षरों की बाराखड़ी होती हैं। बाराखड़ी में ऋ ॠ ऌ ॡ इन स्वरों को व्यंजन से मिला कर दिखाने की रीति नहीं है : अतः इन्हें छोड़ कर इस का नाम बाराखड़ी पड़ा है।

मात्रायें

मराठी में मात्रायें हिन्दी की ही तरह होती हैं; जैसे—

(अकार)

(मराठी)—	अट	बघ	अढळ	निवळ	चपळ
(हिन्दी)—	शर्त	देख	नढलनेवाला	खालिस	चपल

(आकार=ा)

मुलगा	कुत्रा	आमचा*	कोल्हा	चुलता†	चिमणा
लड़का	कुत्ता	हमारा	लोमड़ा	चाचा	चिड़िया (नर)

उच्चारण—*आमचा, †चुलता।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(इकार = ि)

दिवस	तिखट	विडा⁂	किडा§	चिमणी.
दिन	चरपरा, तीखा	पान का बीड़ा	कीड़ा	चिड़िया

(ईकार = ी)

माती	लोणी	मिळवणी	गोडी¶	पेटी	कोणी.
मिट्टी	नेनू (मक्खन)	मिलाई	मिठास	संदूक	किसने

(उकार = ु)

तरु	पुन्हा	तुझ्या£	पुष्कळ	मुसळ	तुकडा*.
पेड़	फिर	तेरे	ज्यादा	मूसल	टुकड़ा

(ऊकार = ू)

वाळू	भाऊ	मऊ	दयाळू	कृपाळू	मूल.
बालू	भाई	मुलायम	दयालु	कृपालु	बच्चा

(ऋकार = ृ)

कृषि	कृतज्ञ	मृत	मृगया.
खेती	कृतज्ञ	मरा	शिकार

(एकार = े)

रेडा+	शेळी	मुलगे	मेहुणी	आले.
भैंसा	बकरी	लड़के	साली	आये

उच्चारण—⁂विड़ा, §किड़ा, ¶गोड़ी, £तुझ़्या, *तुकड़ा, +रेड़ा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(ऐकार = ै)

म्हैस	धैर्य	ऐकणारा	बैसला	सैंपाक.
भैंस	धीरज	सुनने वाला	बैठा	रसोई

(ओकार = ो)

कोळसा	गोष्ट	थोरपणा	होता	खोड.*
कोयला	बात	बड़प्पन	था	तना

(औकार = ौ)

औत	कौतुक	चौघांत§	गौरवर्ण	कौरव.
हल	कौतुक	चारों ओर	गोरा	कौरव

(अनुस्वार = ं)

जातांना¶	आतां	रुंदी	सुमारें	अंधार.
जाते हुए	अब	चौड़ाई	करीबन	अँधेरा

(विसर्ग = :)

दुःख	दुःशासन	दुःसह	निःशेष.
दुःख	दुःशासन	दुःसह	निःशेष

विशुद्ध मराठी में विसर्ग का प्रयोग नहीं होता। तथापि छिः, थुः, अंहः आदि केवलप्रयोगी अर्थात् उद्गारवाची अव्ययों के उच्चारणों में तथा संस्कृत से आये शब्दों में विसर्ग लगता है।

उच्चारण—*खोड़, §चौघाँत, ¶जाताँना, आताँ, रुँदी, इत्यादि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्वितीय प्रकरण

व्याकरण

संधिविचार

दो वर्ण जहां एक में मिलते हैं वहां उस वर्ण की संधि कहते हैं। जैसे—वस्त्रान्न इस शब्द में वस्त्र का अन्तिम वर्ण अ और अन्न शब्द का पहिला वर्ण अ मिलकर आ हुआ। इस में आ यह संधि हुई; जैसे—

राम + आश्रय = रामाश्रय

गंगा + अर्पण = गंगार्पण

राजा + आज्ञा = राजाज्ञा

हरि + इच्छा = हरीच्छा

भानु + उदय = भानूदय

जहां दो स्वर साधित होते हैं (मिलते हैं) उसे 'स्वरसंधि' कहते हैं। जहां दो व्यंजन मिलते हैं उसे 'व्यंजनसंधि' कहते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संधि संस्कृत शब्दों में ही होती है; खालिस मराठी शब्दों में नहीं होती। तथापि मराठी भाषा में संधि हुए संस्कृत शब्द बहुत आते हैं इस लिये संधि के कुछ नियम नीचे दिये जाते हैं।

(१) एक जातीय स्वर अगर पीछे और आगे हों तो उनकी संधि उन्हीं के दीर्घस्वर में होती है। अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ, ये एक जातीय स्वर हैं।

(२) एक जातीय स्वर न हों तो उनकी संधि इस तरह होती है; जैसे—

अ+इ=ए	मुख+इंदु=मुखेंदु.
अ+ई=ए	सुर+ईश्वर=सुरेश्वर.
आ+ई=ए	महा+ईश्वर=महेश्वर.
अ+उ=ओ	शीत+उष्ण=शीतोष्ण.
आ+उ=ओ	गंगा+उदक=गंगोदक.
अ+ए=ऐ	एक+एक=एकैक.
आ+ओ=औ	गंगा+ओघ=गंगौघ.
अ+ओ=औ	भव+औषध=भवौषध. इत्यादि

शब्दविचार

एक या अधिक अक्षरों से यदि कुछ अर्थ उत्पन्न हो तो उसे शब्द कहते हैं।

शब्द दो प्रकार के होते हैं—एक सिद्ध और दूसरे साधित।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सिद्ध

जो शब्द दूसरे शब्दों से न निकला हो वह सिद्ध शब्द कहलाता है; जैसे—

लांकुड*	धोंडा	तोंड
लकड़ी	पत्थर	मुख

साधित

जो शब्द दूसरे शब्दों से निकलते हैं या सधते हैं उन्हें साधित कहते हैं; जैसे—

लांकडी†	धोंडफोड्या
लकड़ी का	पत्थर-फोड़

साधित शब्दों का 'सामासिक' नाम से एक और भेद होता है। दो अथवा अधिक शब्दों का समास होकर कोई विशेष अर्थ प्रकट करे ऐसे शब्द को 'सामासिक' कहते हैं; जैसे—

आईबाप	वहीणभाऊ	विटीदांडू	साखरभात
मां-बाप	बहेन-भाई	अटई-डंडा	शक्कर-भात

इसके सिवा शब्द के दो भेद और होते हैं; एक सविभक्तिक दूसरा अविभक्तिक या अव्यय।

सविभक्तिक

जिस शब्द में विभक्ति लगती है उसे सविभक्तिक शब्द कहते हैं; जैसे—

उच्चारण—*लाँकुड, †लाँकड़ी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रामा	घर	मीं	तूं	जाणें	येणें
राम	घर	मैं	तू	जाना	आना

अविभक्तिक अथवा अव्यय

जिसमें विभक्ति नहीं लगती उसे अविभक्तिक अथवा अव्यय कहते हैं; जैसे—

आणि	जर*	खालीं	वर
और	अगर	नीचे	ऊपर

मराठी भाषा में शब्द आठ जाति के होते हैं। उनमें सविभक्तिक चार—१. नाम अर्थात् संज्ञा, २. सर्वनाम, ३. विशेषण, ४. क्रियापद अर्थात् क्रिया, और अविभक्तिक (अव्यय) चार—१. क्रिया-विशेषण, २. उभयान्वयी, ३. शब्दयोगी और ४. केवलप्रयोगी; ये आठ जातियाँ हैं।

नाम (संज्ञा)

नाम अर्थात् संज्ञा उसे कहते हैं जिससे पदार्थ का नाम मालूम होता है; जैसे—

माणूस	लेखणी	राग
मनुष्य	कलम	गुस्सा

सर्वनाम

संज्ञा का उच्चारण बारंबार न हो इसलिए नाम की जगह जो शब्द आता है उसे सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

उच्चारण—*ज़र।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मी	तूं	हा	जो*	असा	कोण
मैं	**तू**	**यह**	**जो**	**ऐसा**	**कौन**

विशेषण

जो शब्द संज्ञा का गुण बतलावे उसे विशेषण कहते हैं; जैसे—

बरा	वाईट	काळा	गोरा	§लांगडा	शहाणा
अच्छा	**बुरा**	**काला**	**गोरा**	**लँगड़ा**	**होशियार**

क्रियापद

जिस शब्द से किसी भी क्रिया अथवा स्थिति का ज्ञान हो उसे क्रियापद कहते हैं; जैसे—

निजणें*	करणें	बोलणें	चालणें+	असणें
सोना	**करना**	**बोलना**	**चलना**	**होना**

क्रियाविशेषण

जिस शब्द से क्रिया के गुण अथवा प्रकार का ज्ञान होता है उसे क्रियाविशेषण कहते हैं; जैसे—

हळू	झटकन‡	लौकर	फडफड£
धीरे	**झपाटे से**	**जल्दी**	**फटाफट**

उभयान्वयी

जिस शब्द से दो शब्द या दो वाक्य मिलाये जावें वह उभयान्वयी शब्द कहलाता है; जैसे—

उच्चारण—*ज़ो, §लाँगड़ा, *निज़णें, +चालणें, ‡झ़टकन, £फड़फड़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आणि	व	जर‡	तर	परंतु
और	अथवा	अगर	तो	परन्तु

शब्दयोगी

जिस शब्द का दूसरे किसी भी शब्द से योग होकर उसके कारण दूसरे शब्द का जो सामान्यरूप होता है वह शब्दयोगी कहलाता है; जैसे—

वर	खालीं	कडे*	मध्यें	पुढें+	मागें	समोर
ऊपर	नीचे	तरफ	बीचमें	आगे	पीछे	सामने

इस में "शुद्धशब्दयोगी" नाम का एक और उपभेद होता है। उसके योग से सामान्यरूप नहीं होता।

केवलप्रयोगी

जिस शब्द से मन के उद्गार का ज्ञान होता है वह शब्द केवलप्रयोगी कहलाता है; जैसे—

अहाहा, छिः, वाहवा, अंः, अबब (अरेरेरे), इत्यादि

नाम (संज्ञा) विचार

संज्ञा माने पदार्थ का नाम; जैसे—मनुष्य (मनुष्य), पोथी (पुस्तक), लेखणी (कलम), राग (क्रोध), मन (मन), इत्यादि।

उच्चारण—‡ज़र, *कड़े, +पुढ़ें।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नाम (संज्ञा) के तीन भेद होते हैं; जैसे—
सामान्यसंज्ञा (जातिवाचक) विशेषणसंज्ञा (व्यक्तिवाचक) और भाववाचकसंज्ञा.

सामान्यसंज्ञा

जिस शब्द से जाति का ज्ञान हो, उसे सामान्यसंज्ञा कहते हैं; जैसे—

झाड*	जनावर ÷	घर	मनुष्य,
पेड़	**जानवर**	**मकान**	**आदमी**

विशेषणसंज्ञा

जिस शब्द से व्यक्तित्व का ज्ञान हो, उसे विशेषणसंज्ञा कहते हैं; जैसे—

गोविन्दा	रामा	काशी
गोविन्द	**राम**	**काशी**

भाववाचकसंज्ञा

जिस शब्द से पदार्थ का भाव अथवा धर्म जाना जावे उसे भाववाचकसंज्ञा कहते हैं; जैसे—

मनुष्यपण	देवपण	नीचपण	गुलामगिरी	भलाई
मनुष्यत्व	**देवत्व**	**नीचत्व**	**गुलामी**	**भलाई**

उच्चारण—*झाड़, ÷ ज़नावर.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

लिंगविचार

लिंग तीन प्रकार के होते हैं—१. पुल्लिंग, २. स्त्रीलिंग, और ३. नपुंसकलिंग ।

पुल्लिंग

जिस नाम से पुरुषजाति का बोध हो, या जिस संज्ञा के पहिले (तो) यह सर्वनाम लग सके उस संज्ञा को पुल्लिंग समझना चाहिए; जैसे—

तो पुरुष	घोडा*	बैल	आंबा	पेरू	खांब.
वह पुरुष	घोड़ा	बैल	आम	अमरूद	खंभा

'तो' यह सर्वनाम जिस तरह पुरुष के पहले लगा है उसी तरह उपरोक्त अन्य संज्ञाओं के पहले भी लग सकता है ।

स्त्रीलिंग

जिस नाम से स्त्रीजाति का ज्ञान हो अथवा जिस संज्ञा के पहले 'ती' यह सर्वनाम लग सके उस संज्ञा को स्त्रीलिंग समझना चाहिए; जैसे—

ती बायको	गाय	घोडी	चिंच	दऊत	लेखणी.
वह औरत	गाय	घोड़ी	इमली	दावात	कलम

स्त्रीलिंग वाचक प्रत्येक शब्द के पहले (ती) यह सर्वनाम 'ती बायको' की तरह लग सकता है ।

उच्चारण—*घोड़ा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नपुंसकलिंग

जिस नाम से पुरुष अथवा स्त्री जाति का ज्ञान न हो अथवा जिस संज्ञा के पहले (तें) यह सर्वनाम लग सके उसे नपुंसकलिंग समझना चाहिए; जैसे—

तें मूल	पाखरूं	घर	पान	लोणी	केळें.
वह बच्चा	चिड़िया	घर	पत्ता	नेनूं (मक्खन)	केला

नपुंसकलिंग वाचक प्रत्येक शब्द के पहले (तें) यह सर्वनाम ऊपर के 'तें मूल' की तरह लगाना चाहिये।

हिन्दी में नपुंसकलिंग नहीं होता। इसलिए हिन्दी-भाषा-भाषियों को मराठी लिंग के समझने में कुछ कठिनाई अवश्य होगी। केवल अभ्यास से ही इनका परिचय हो सकता है।

मराठी में लिंगों का भेद बहुत कुछ संस्कृत के लिंग-भेद की तरह होता है। यदि संज्ञाओं के पहिले तो, ती, तें ये सर्वनाम मौजूद हों तो लिंगों का पहचानना सरल है। जिन नामों के आगे 'तो' यह सर्वनाम हो उन्हें पुल्लिंग, जिनके आगे 'ती' उन्हें स्त्रीलिंग और जिनके आगे 'तें' यह सर्वनाम लगा हो उन्हें नपुंसकलिंग समझना चाहिये; जैसे—

तो आंबा (पुल्लिंग)	ती लेखणी (स्त्रीलिंग)	तें घर (नपुंसकलिंग)
वह आम	वह कलम	वह घर

कुछ प्राणिवाचक पुल्लिंग शब्द ऐसे हैं जिनमें (ईण) प्रत्यय लगने से वे स्त्रीलिंग होजाते हैं; जैसे—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सुतार	सुतारीण
बढ़ई	**बढ़इन**
सोनार	सोनारीण
सुनार	**सुनारिन**
वाघ	वाघीण
शेर	**शेरनी**
सिंह	सिंहीण
सिंह	**सिंहिनी**

कुछ शब्द या संज्ञायें पुल्लिंग आकारान्त हैं, उनके अंतिम आ के स्थान पर (ई) प्रत्यय लगाने से स्त्रीलिंग और (एं) प्रत्यय लगाने से नपुंसकलिंग का ज्ञान होता है; जैसे—

पु०	स्त्री०	नपुं०
मुलगा	मुलगी	मुलगें
लड़का	**लड़की**	**बच्चा**
कुत्रा	कुत्री	कुत्रें
कुत्ता	**कुतिया**	**कुत्ता**
कोल्हा	कोल्ही	कोल्हें
लोमड़ा	**लोमड़ी**	**लोमड़ा**
बकरा	बकरी	बकरें
बकरा	**बकरी**	**बकरे**

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नपुंसक लिंग वाले शब्द से स्त्री या पुरुष का ज्ञान नहीं होपाता, इसलिये ऐसे शब्द से पुल्लिंग या स्त्रीलिंग कुछ भी समझ सकते हैं। जैसे 'मुलगें' इसके अर्थ बच्चा या बच्ची दोनों हो सकते हैं। ऐसे ही औरों को भी समझना चाहिए।

वचन विचार

वचन दो होते हैं—एकवचन और अनेकवचन अथवा बहुवचन।

एकवचन

जिस संज्ञा से एक संख्या का बोध होता है उसे एकवचन कहते हैं; जैसे—

मुलगा	पागोटं	केळं
लड़का	पगड़ी	केला

बहुवचन

जिस संज्ञा की संख्या एक से अधिक हो उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे—

मुलगे	पागोटीं	पायऱ्या
लड़के	पगड़ियां	सीढ़ियां
खुर्च्या	नारिंगें	वाटा
कुर्सियां	नारंगियाँ	रास्ते

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कुछ शब्द ऐसे हैं जिनका रूप एकवचन और बहुवचन दोनों में एकसा ही रहता है, और कुछ ऐसे हैं जिनमें थोड़ासा फेरफार होता है; जैसे—

पुल्लिंग में

एकवचन		बहुवचन	
खांब	खंभा	खांब	खंभे
वाघ	शेर	वाघ	कई शेर
सुतार	बढ़ई	सुतार	बढ़ई लोग
झाड*	पेड़	झाडें	पेड़
करडूं†	बकरी का बच्चा	करडें	बकरीके बच्चे
तेली	तेली	तेली	तेली लोग
काका	चाचा	काका	(तिरस्कार में काकें) चाचालोग
मामा	मामा	मामा	(„ „ मामें) मामा लोग
न्हावी	नाई	न्हावी	नाई लोग
कोळी	मकड़ी	कोळी	मकड़ियां
पेरू	अमरूद	पेरू	अमरूद
जागा§	जगह	जागा	जगहें
कवि*	कविता करने वाला	कवि	कविता करने वाले

उच्चारण—*झाड़ †करड़ू §ज़ागा ।

*कवि, रवि, रुचि, भानु, गुरु आदि ह्रस्व इकारान्त या ह्रस्व उकारान्त जब मराठी में लिखे या बोले जाते हैं तब एकवचन और बहुवचन में समान रूप से लिखे जाते हैं तथा उनका उच्चारण कवी, रवी, रुची, भानू, गुरू, आदि दीर्घ होता है तथा दीर्घ ही लिखे भी जाते हैं ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्त्रीलिंग में

एकवचन		बहुवचन	
बायको	स्त्री	बायका	स्त्रियां
जाऊ	देवरानी या जेठानी	जावा	देवरानियां या जेठानियां
आत	बुवा	आता	बुवायें
सून	बहू	सुना	बहुवें
फट्ऽ	संधि	फटी	संधें
पागा	मुहल्ला	पागा	मुहल्ले
चुलती+	चाची	चुलत्या	चाचियां
सासू	सास	सास्वा	सासें
नदी	नदी	नद्या	नदियां
शेळी	बकरी	शेळ्या	बकरियां
भिंत	दीवाल	भिंती	दीवालें
परात	बड़ी थाली	पराती, पराता	बड़ी थालियां
पाटी	तख्ती	पाट्या	तख्तियां
लेखणी	कलम	लेखण्या	कलमें
पुस्तक	किताब	पुस्तकें	किताबें
मांजर*	बिल्ली	मांजरी	बिल्लियां
काठी	लकड़ी	काठ्या	लकड़ियां

उच्चारण—ऽफ़ट, +चुलती, *मांज़र

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नपुंसकलिंग में

एकवचन		बहुवचन	
देऊळ	मंदिर	देऊळें	मंदिरें
मिरें	कालीमिर्च	मिऱ्यें	कालीमिर्चें
कुलूप	ताला	कुलुपें	ताले
दार	दरवाज़ा	दारें	दरवाज़े
वासरूं	बछड़ा	वासरें	बछड़े
पाखरूं	चिड़िया	पाखरें	चिड़ियां
घर	घर	घरें	कई घर
पोर	बच्चा	पोरें	बच्चे
तळें	तालाब	तळीं	कई तालाब
घड्याळ	घड़ी	घड्याळें	घड़ियां

जिस नाम (संज्ञा) का उपांत्य अर्थात् अन्तिम वर्ण के पहिले का स्वर, दीर्घ ईकार अथवा दीर्घ ऊकार होता है; अनेक वचन में उस उपांत्य दीर्घ स्वर का ह्रस्व होजाता है; अथवा कहीं कहीं उस उपान्त्य के स्थान पर 'अ' यह आदेश होजाता है; जैसे—

एकवचन	बहुवचन
कोशिंबीर	कोशिंबिरी,
रायता	रायते
वटीक	वटिकी, वटकी
दासी	दासियां

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कुंभारीण	कुंभारिणी, कुंभारणी
कुम्हारिन	कुम्हारिनें

यदि उपान्त्य स्वर केवल दीर्घ 'ई' अथवा 'ऊ' हुआ तो विकल्प से 'ई' के स्थान पर 'य' और 'ऊ' के स्थान पर 'व' का आदेश होता है; जैसे—

एकवचन	बहुवचन
ताईत	ताइती, तायती
तावीज़	तावीज़ें
कऊल	कउलें, कवलें
खपरा	खपरे

विभक्ति विचार

विभक्तियां आठ होती हैं और जब किसी भी नाम का दूसरे नाम से अथवा क्रिया से संबंध दिखाना होता है तो उस नाम (संज्ञा) में नीचे लिखी आठ विभक्तियों में से किसी भी एक विभक्ति का प्रत्यय लगाते हैं :—

विभक्ति. एकवचन का प्रत्यय. बहुवचन का प्रत्यय.

प्रथमा. (प्रथमा विभक्ति के एकवचन और बहुवचन में अधिकतर नाम के मूल का रूप वैसाही रहता है)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्वितीया.	स, ला. को।	स, ला, न. को।
तृतीया.	नें. से, या के द्वारा।	नीं. से, या के द्वारा।
चतुर्थी.	स, ला. को, के लिए।	स, ला, ना. को, के लिए।
पंचमी.	ऊन, हून. से।	ऊन, हून. से।
षष्ठी.	चा (पु०), ची (स्त्री), चें (नपुं). का–के, की,	चा(पु०),ची(स्त्री),चें(नपुं.) का–के, की,
सप्तमी.	आंत. में, पर।	आंत. में, पर।
संबोधन.	×	नो. (ओ)

(संज्ञा के अन्तिम स्वर के अनुसार सम्बोधन के रूप जुदा जुदा होते हैं। बहुवचन में इसका रूप 'नो' होता है।)

संज्ञा के आगे प्रत्यय लगा कर विभक्ति के रूप नीचे लिखे अनुसार होते हैं :—

विभक्ति.	एकवचन	बहुवचन
प्रथमा—	बाघ. शेर	बाघ. शेर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्वितीया—वाघास-ला.	वाघांस-ला-ना.
शेर को	शेरों को
तृतीया—वाघानें.	वाघांनीं.
शेर से	शेरों से
चतुर्थी—वाघास-ला.	वाघांस-ला-ना.
शेर को।	शेरों को।
पंचमी—वाघाऊन-हून.	वाघांऊन-हून.
शेर से	शेरों से
षष्ठी—वाघाचा(पु), ची (स्त्री), चें(नपुं)	वाघांचा—ची—चें.
शेरका—के, शेरकी,	शेरोंका—के-की.
सप्तमी—वाघांत.	वाघांत.
शेर में, शेर पर।	शेरों में, शेरों पर।
संबोधन—वाघा	वाघांनों.
हे शेर!	हे शेरो!

कुछ शब्द ऐसे हैं जिनके आगे विभक्ति लगने से उनका अंत्याक्षर बदल जाता है; जैसे—

घोडा=घोड्यास-ला (घोड़े को)

रवि=रवीस-ला (सूर्य को)

विभक्तियों के अर्थ का बोध कराने वाले अव्यय।

विभक्तियों के अर्थ बताने वाले कुछ अव्यय, जो मराठी भाषा में ज्यादा आते हैं, नीचे दिये जाते हैं। इनको ध्यान में अवश्य रखना चाहिये।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

विभक्ति. अव्यय.

द्वितीया—प्रत, लागीं.
को।

उदाहरण

पुरुषाप्रत, पुरुषालागीं.
पुरुष को, पुरुष को।

तृतीया—द्वारें, मुळें, कडून.
द्वारा, कारण, तरफसे।

उदाहरण

त्याच्याद्वारें, पुरुषामुळें. पुरुषाकडून.
उसके द्वारा, पुरुष के कारण पुरुष की तरफसे।

चतुर्थी—कारणें, करितां, साठीं, स्तव.
कारण से, लिए, लिए, वास्ते।

उदाहरण

पुरुषाकारणें, पुरुषाकरितां, पुरुषासाठीं, पुरुषास्तव.
पुरुषकेकारण, पुरुषकेलिये, पुरुषकेलिये, पुरुषकेलिये।

पंचमी—पेक्षां, पासून, कडून, वरून.
अपेक्षा वनिस्वत पास से पर से।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

उदाहरण

पुरुषां पेक्षां,	पुरुषापासून,	पुरुषाकडून,	पुरुषावरून.
पुरुषके बनिस्बत,	पुरुषके पाससे,	पुरुषके पाससे,	पुरुष परसे,

षष्ठी—संबंधीं.

उदाहरण

पुरुषासंबंधीं.

पुरुष के संबंध में या पुरुष के संबंध का।

सप्तमी—मध्यें, ठायीं, विषयीं.

उदाहरण

पुरुषामध्यें,	पुरुषाच्याठायीं,	पुरुषाविषयीं.
पुरुष में,	पुरुष के स्थान में,	पुरुष के विषय में।

	एकवचन.	बहुवचन.
संबोधन—	ए, अरे, अगा, अगे.	अहो.
	ए, अरे, अरे, अरी.	अरेहो।

उदाहरण

अरे पुरुषा,	ए मुला,	अगा देवा,	अगे लक्ष्मी.	अहो मुलांनों.
अरे पुरुष,	ए बच्चे,	हे देवता,	अरी लक्ष्मी।	अरे बच्चो।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सर्वनामविचार

संज्ञा (नाम) का उच्चारण बारम्बार न हो इस लिए जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के बदले होता है उसे सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

मी	तूं	तो	हा	जो.
मैं	तू	वह	यह	जो.

उदाहरण

हरीचा एक कुत्रा आहे. हरीला कुत्रा फार आवडतो. हरी कुत्र्याला बरोबर घेऊन नदीचा वाळवंटावर जातो. तेथें हरी कुत्र्यावरोबर खेळतो. हरी आणि हरीचा कुत्रा हे मित्र आहेत.

(हरी का एक कुत्ता है। हरी को कुत्ता बहुत पसन्द है। हरी कुत्ता को साथ लेकर नदी के रेतीले मैदान में जाता है। वहां हरी कुत्ते के साथ खेलता है। हरी और हरी का कुत्ता ये मित्र हैं।)

ऊपर के वाक्यों में हरी और कुत्ता बारंबार आये हैं जो कानों को अच्छे नहीं मालूम होते अतः, इन वाक्यों को नीचे लिखे अनुसार लिखना और बोलना चाहिए;—

हरीचा एक कुत्रा आहे. तो त्याला फार आवडतो. तो त्याला बरोबर घेऊन नदीच्या वाळवंटावर जातो. तेथें तो त्याबरोबर खेळतो. ते दोघे मित्र आहेत.

(हरी का एक कुत्ता है। वह उसको बहुत पसन्द है। वह उसको साथ लेकर नदी के रेतीले मैदान में जाता है। वहां वह उसके साथ खेलता है। वे दोनों मित्र हैं।)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इसमें हरी और कुत्रा इनके लिए अलग अलग 'तो' और दोनों के लिए 'ते' सर्व नाम आये हैं।

सर्वनाम के पांच भेद होते हैं :— १—पुरुष, २—दर्शक, ३—सम्बन्धी, ४—प्रश्नार्थक और ५—सामान्य.

(१) पुरुष सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग तीनों पुरुषों में होता है उन्हें पुरुष सर्वनाम कहते हैं।

पुरुष सर्वनाम के तीन पुरुष होते हैं :— १—प्रथम पुरुष (या उत्तम पुरुष), २—द्वितीय पुरुष (या मध्यम पुरुष), ३—तृतीय पुरुष (या अन्य पुरुष)।

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम पुरुष.	मी मैं	आह्मी. हम
द्वितीय पुरुष.	तूं तू	तुह्मी. तुम
तृतीय पुरुष.	तो (पु.), ती(स्त्री),तें(नपुं) वह वह वह	ते(पु.),त्या (स्त्री.),तीं(नपुं.) वे वे वे

(२) दर्शक सर्वनाम

जो सर्वनाम पास या दूर के पदार्थ का बोध करावे उसे दर्शक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तो घोडा,	हा घोडा,	इतका,	एवढा,
वह घोड़ा	यह घोड़ा	इतना	इतना
असा,	तितका,	तेवढा,	तसा.
ऐसा	उतना	उतना	वैसा

मराठी में हा (यह) और तो (वह) इन सर्वनामों का स्त्रीलिंग में 'ही' 'ती' और नपुंसक लिंग में 'हें' 'तें' रूप होते हैं।

हे, ते, (ये, वे) इन सर्वनामों का स्त्रीलिंग के बहुवचन में ह्या, (ये), त्या (वे), और नपुंसक लिंग में हीं, तीं, (ये, वे) ऐसे रूप होते हैं।

(३) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम से सम्बन्ध जाना जाता है उसे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

जो,	जितका,	जेवढा,	जसा.
जो–जिसने,	जितना,	जितना,	जैसा.

इनका सम्बन्ध;

तो,	तितका,	तेवढा,	तसा.
वह,	उतना,	उतना,	वैसा.

इन दर्शक सर्वनामों से होता है; जैसे—

जसा तो आंबा आहे तसा मी घेईन.

जैसा वह आम है वैसा मैं लूंगा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(४) प्रश्नार्थक सर्वनाम

जिस सर्वनाम से प्रश्न जाना जाता है उसे प्रश्नार्थक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

कोण,	कोणतीं,	काय,	कसें,	केवढें.
कौन ?	कौनसी ?	क्या	कैसे ?	कितना ?

(५) सामान्य सर्वनाम

जिस सर्वनाम का अर्थ सामान्य रूप से होता है उसे सामान्य सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

कोणी,	अमका,	सर्व,	अवघा,	मलता,	कितीपक.
किसीने,	अमुक,	सब,	सब,	दूसराही,	कितनेही.

सर्वनामों में भी संज्ञाओं की तरह विभक्तियां लगती हैं और विभक्तियों के योग से सर्वनामों के रूप बदल जाते हैं। इन रूपों के समझने में पाठकों को कठिनता पड़ती है इसलिए नीचे कुछ सर्वनाम विभक्ति लगाकर दिखाये जाते हैं :—

(१) प्रथमपुरुष सर्वनाम 'मी' (तीनों लिंगों में)

विभक्ति.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	मी	आम्ही.
	मैं	हम
द्वितीया.	मला, मजला, मातें.	आम्हांस, आम्हांला, आम्हांतें.
	मुझको, मेरेलिए, मुझे.	हमको, हमारेलिए, हमें.
तृतीया.	मशीं, मजशीं.	आम्हांशीं.
	मुझसे	हमसे.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

चतुर्थी.	मला, मजला, मातें.	आम्हांस, आम्हांला, आम्हांतें.
	मुझको, मुझे, मेरे लिए.	हमको, हमें, हमारे लिए.
पञ्चमी.	मजहून.	आम्हांहून.
	मुझ से.	हम से.
षष्ठी.	माझा(पु),माझी(स्त्री),माझें(नपुं.)	आमचा(पु.),आमची.(स्त्री)आमचें(नपुं)
	मेरा, मेरी, मेरा.	हमारा, हमारी, हमारा
सप्तमी.	माझ्यांत.	आमच्यांत.
	मुझ में.	हम में.

संबोधन. (सर्वनाम के साथ संबोधन नहीं होता, तथापि कहीं कहीं अरे तूं (अरे तू), अरे ह्या (अरे यह), अरे त्या (अरे वह; स्त्री) आदि प्रयोग करते हैं ।)

(२) द्वितीयपुरुष सर्वनाम 'तूं' (तीनों लिंगों में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	तूं	तुम्हीं
	तू	तुम
द्वितोया.	तूस, तुला, तुजला, तूतें.	तुम्हांस, तुम्हांला, तुम्हांतें.
	तुझ को, तेरे लिए.	तुमको, तुम्हारे लिए.
तृतीया.	तुशीं, तुजशीं.	तुम्हांशीं.
	तुझ से.	तुमसे.
चतुर्थी.	तुला, तुजला.	तुम्हांस, तुम्हांला, तुम्हांतें.
	तुझको, तेरे लिए.	तुमको, तुम्हारे लिए.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पञ्चमी.	तुजहून.	तुम्हांहून.
	तुझ से.	तुम से.
षष्ठी.	तुझा(पु),तुझी(स्त्री),तुझें(नपुं).	तुमचा(पु),तुमची(स्त्री),तुमचें(नपुं).
	तेरा, तेरी, तेरा.	तुम्हारा, तुम्हारी, तुम्हारा.
सप्तमी.	तुझ्यांत.	तुम्हांत.
	तुझ में.	तुम में.

(३) दर्शक सर्वनाम 'तो' (पुल्लिंग में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	तो.	ते.
	वह	वे
द्वितीया.	तो,त्यास,त्याला,त्याजला,त्यातें.	ते,त्यांस,त्यांला,त्यांजला,त्यांतें,त्यांना.
	उसको.	उनको.
तृतीया.	त्याशीं, त्याजशीं.	त्यांशीं, त्यांजशीं.
	उसने	उन्होंने
चतुर्थी.	त्यास, त्याला, त्याजला, त्यातें.	त्यांस, त्यांला, त्यांजला, त्यांतें, त्यांना.
	उसको.	उनको.
पञ्चमी.	त्याहून, त्याजहून.	त्यांहून, त्यांजहून.
	उससे.	उनसे.
षष्ठी.	त्याचा.	त्यांचा.
	उसका.	उनका.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सप्तमी.	त्यांत, त्यांच्यांत.	त्यांत, त्यांच्यांत.
	उसने.	उनने.

(४) दर्शक सर्वनाम 'ती' (स्त्रीलिंग में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	ती.	त्या.
	वह (स्त्री)	वे (स्त्रियां)
द्वितीया.	ती, तिला, तिजला, तीस, तीतें.	त्या, त्यांला, त्यांजला, त्यांस, त्यांतें, त्यांना.
	उसको.	उनको.
तृतीया.	तिशीं, तिजशीं.	त्यांशीं, त्यांजशीं.
	उसने.	उन्होंने.
चतुर्थी.	तीस, तिजला, तिला, तीतें.	त्यांस, त्यांला, त्यांजला, त्यांतें, त्यांना.
	उसको, उसके लिए.	उनको, उनके लिए.
पञ्चमी.	तिहून, तीहून, तिजहून.	त्यांहून, त्यांजहून.
	उससे.	उनसे.
षष्ठी.	तिचा, तिची.	त्यांचा, त्यांची.
	उसका, उसकी.	उनका, उनकी.
सप्तमी.	तींत, तिच्यांत.	त्यांत, त्यांच्यांत.
	उसमें	उनमें

(५) दर्शक सर्वनाम 'तें' (नपुंसक लिंग में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	तें.	तीं.
	वह.	वे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

	एकवचन.	बहुवचन.
द्वितीया.	तें, त्यास, त्याला, त्याजला. त्यातें.	तीं, त्यांस, त्यांला, त्यांजला, त्यांतें, त्यांना.
	उसको.	उनको.

आगे के रूप 'तो' के रूपों की तरह होते हैं।

(६) दर्शक सर्वनाम 'हा' (पुल्लिंग में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	हा.	हे.
	यह.	ये.
द्वितीया.	हा, ह्यास, ह्याला, ह्याजला, ह्यातें, यास, याला, याजला, यातें.	हे, ह्यांस, ह्यांला, ह्यांजला, ह्यांतें, ह्यांना, यांस, यांला, यांजला, यांतें, यांना.
	इसको.	इनको.
तृतीया.	ह्यानें, ह्याशीं, ह्याजशीं, यानें, याशीं, याजशीं.	ह्यानीं, ह्यांशीं, ह्यांहीं, ह्यांजशीं, यांनीं, यांहीं, यांशीं, यांजशीं.
	इसने	इन्होंने
चतुर्थी.	ह्यास, ह्याला, ह्याजला, ह्यातें, यास, याला, याजला, यातें.	ह्यांस, ह्यांला, ह्यांजला, ह्यांतें, ह्यांना, यांस, यांला, यांजला, यांतें, यांना.
	इसको, इसकेलिए.	इनको, इनके लिए.
पञ्चमी.	ह्याहून, ह्याजहून, याहून, याजहून.	ह्यांहून, ह्यांजहून, यांहून, यांजहून.
	इस से.	इन से.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

षष्ठी.	ह्याचा, याचा.	ह्यांचा, यांचा.
	इसका.	इनका

(७) दर्शक सर्वनाम 'ही' (स्त्रीलिंग में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	ही.	ह्या, या.
	यह (स्त्री)	ये (स्त्रियां)
द्वितीया.	ही, हीस, हिला, हिजला, हीतें, ईस, इला, इजला, ईतें.	ह्या, ह्यांस, ह्यांला, ह्यांजला, ह्यांतें, ह्यांना, या, यांस, यांला, यांजला, यांतें, यांना.
	इसको.	इनको.
तृतीया.	हिनें, हिशीं, हिजशीं, इनें, इशीं, इजशीं.	ह्यांनीं, ह्यांहीं, ह्यांजशीं, ह्यांशीं, यांनीं, यांहीं, यांजशीं, यांशीं.
	इसने.	इन्हों ने.
चतुर्थी.	हीस, हिला, हिजला, हीतें, ईस, इला, इजला, ईतें.	ह्यांस, ह्यांला, ह्यांजला, ह्यांतें, ह्यांना, यांस, यांला, यांजला, यांतें, यांना.
	इसको, इसकेलिए.	इनको, इनके लिए.
पञ्चमी.	हिहून, हीहून, हिजहून, इहून, ईहून, इजहून.	ह्यांहून, ह्यांजहून, यांहून, यांजहून,
	इस से	इन से
षष्ठी.	हिचा, इचा.	ह्यांचा, यांचा.
	इसका.	इनका.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(८) दर्शक सर्वनाम 'हें' (नपुंसकलिंग में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	हें.	हीं.
	यह.	ये.
द्वितीया.	हें.	
	इसको	

(बाक़ी रूप पुल्लिंग के 'हा' की तरह होते हैं)

(९) सम्बन्धी सर्वनाम 'जो' (पुल्लिंग में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	जो.	जे.
	जो.	जो.
द्वितीया.	जो, ज्यास, ज्याला, ज्याजला, ज्यातें.	जे, ज्यांस, ज्यांला, ज्यांजला, ज्यांतें, ज्यांना.
	जिसको.	जिनको.

(इसी तरह 'जो' के सम्पूर्ण रूप 'हा' सर्वनाम की तरह करना चाहिए.)

(१०) सम्बन्धी सर्वनाम 'जी' (स्त्रीलिंग में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	जी.	ज्या.
	जो (स्त्री).	जो (स्त्रियां.)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्वितीया.	{ जी, जीस, जिला, जिजला, जीतें.	{ ज्या, ज्यांस, ज्यांला, ज्यांजला, ज्यांतें, ज्यांना.
	जिसको.	जिनको.

(इसी तरह बाकी सब रूप 'ही' की तरह होते हैं)

(११) सम्बन्धी सर्वनाम 'जें' (नपुंसकलिंग में)

(इस के रूप 'हें' और 'जो' सर्वनामों की तरह होते हैं)

(१२) प्रश्नार्थक सर्वनाम 'कोण' (तीनों लिंगों में)

	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथमा.	कोण.	कोण.
	कौन.	कौन.
द्वितीया.	{ कोण, कोणास, कोणाला, कोणातें.	{ कोण, कोणांस, कोणांला, कोणांतें.
	किसको.	किनको.
तृतीया.	कोणीं, कोणाशीं.	कोणीं, कोणांशीं.
	किसने.	किन्होंने.

(इसी तरह अन्य रूप भी होते हैं। 'कोण' इसका प्रथमा और द्वितीया में 'कोणी' भी होता है)

मराठी में 'आपण' एक सर्वनाम है, जिसका अर्थ होता है 'मी' अर्थात् मैं। इसे बोलने वाला स्वयं अपने लिए उपयोग करता है; जैसे—'आपण (मी) उद्यां येणार नाहीं.' अर्थात् 'अपन (मैं स्वयं) सुबह आने वाला नहीं' अथवा मैं सुबह न आऊंगा। इसी तरह इसका उपयोग बोलने वाला दूसरे के भी लिए

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

करता है; जैसे—'तूं आपल्या (तुझ्या) घरीं जा.' अर्थात् 'तू अपने घर जा।'

विशेषण विचार।

विशेषण.

जो शब्द संज्ञा का गुण अथवा संख्या बतलाता है, उसे विशेषण कहते हैं; जैसे—

बरा,	वाइट,	काळा,	शाहणा,	गोरा,	मूर्ख.
अच्छा,	बुरा,	काला,	होशियार,	गौरवर्ण,	मूर्ख.
कडक,	फार,	वाटोळा,	चांगला,	तिखट,	सरळ.
तेज़,	अधिक,	गोल,	अच्छा,	कड़ुवा,	सीधा.

विशेष्य.

जिस संज्ञा का गुण विशेषण बतलाता है, वह संज्ञा उस विशेषण की विशेष्य होती है; जैसे—

विठू शाहणा आहे,	कुशी हट्टी नाहीं,	पांढरें स्वच्छ धोतर आण.
विठू होशियार है,	कुशी हठीली नहीं है,	सफेद साफ धोती ला.

इनमें विठू, कुशी और धोतर ये विशेष्य हैं; शाहणा, हट्टी, पांढरें, विशेषण हैं। मराठी में विशेष्य के लिंग और वचन के अनुसार विशेषण के भी रूप बदल जाते हैं; जैसे—

शाहणा मुलगा,	शाहणी मुलगी,	शाहण्या मुलीं,
होशियार लड़का,	होशियार लड़की,	होशियार लड़कियां,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शाहणें मुलों,	शाहणीं मुलें.
होशियार लड़के,	होशियार बच्चे.

यदि विशेषण का रूप सविभक्तिक हुआ तो उसके विशेष्य को वह विभक्ति न लग कर केवल उसका सामान्य रूप होता है; जैसे—

शाहण्या मुलास.	शाहण्या अथवा शाहणे मुलीचा.
होशियार लड़के को.	होशियार लड़की का.

संख्या विशेषण.

संख्या बतलाने वाले शब्दों को संख्या विशेषण कहते हैं; जैसे—

एक	दोन	पांच	सहा	नऊ	दहा	शंभर.
एक	दो	पांच	छै	नौ	दश	सौ.

संख्या विशेषण के तीन भेद होते हैं। १—क्रमवाचक संख्या विशेषण, २—संख्यांशवाचक, और ३—आवृत्तिवाचक.

क्रमवाचक संख्याविशेषण.

क्रमवाचक संख्या विशेषण वे हैं जो संख्यार्थं बतलाते हैं; जैसे—

दहावा	शंभरावा	अकरावा	विसावा	पन्नासावा	नव्वदावा.
दसवां	सवां	ग्यारहवां	बीसवां	पचासवां	नव्वेवां.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संख्यांशवाचक विशेषण.

संख्यांश वाचक विशेषण वे हैं जो संख्या के अंश बतलाते हैं; जैसे—

अर्धा	पाव	पाऊण	दीड	अडीच	साडेसात.
आधा	पाव	पौन	डेढ़	अढ़ाई	साढ़ेसात.

आवृत्तिवाचक संख्याविशेषण.

आवृत्तिवाचक संख्याविशेषण वे हैं जो आवृत्ति (कितने गुना, परत, तह) बतलावें; जैसे—

दुप्पट	तिप्पट	चौपट	दसपट	शतगुणित.
दुहरा	तिहरा	चौपर्त	दसपर्त	सौगुना.

क्रियापद विचार।

क्रियापद.

जिस शब्द के योग से किसी भी क्रिया अथवा स्थिति का ज्ञान होता है उसे क्रियापद जानना चाहिये; जैसे—

करणें,	बोलणें,	असणें,	निजणें.
करना,	बोलना,	होना,	सोना.

क्रियापद के आठ भेद होते हैं। उनमें उनके अर्थ पर से पांच; १—सकर्मक, २—अकर्मक, ३—उभयविध, ४—भावकर्तृक, ५—सहाय, और उनके रूप पर से तीन; १—शक्य, २—प्रयोजक, ३—गौण, अथवा सिद्ध.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(१) सकर्मक क्रिया.

जिस क्रियापद का व्यापार अथवा सम्बन्ध कर्ता से निकल कर दूसरे पदार्थ पर पड़ता है, उसे सकर्मक क्रियापद कहते हैं; जैसे—

रामा पोथी वाचतो=(रामा पोथी बांचता है) इस में बांचना इस क्रिया का सम्बन्ध राम से निकल कर पोथी पर पड़ा, इस लिये वाचतो यह सकर्मक क्रियापद है। इसी तरह—

करितो,	मारितो,	लिहितो,	खातो,	जोडितो,	फोडितो.
करता है,	मारता है,	लिखता है,	खाता है,	जोड़ता है,	फोड़ता है.

इत्यादि सकर्मक क्रियापद हैं।

किसी क्रिया का सम्बन्ध कर्म से निकल कर जिस दूसरे पदार्थ पर घटित होता है वह उस क्रियापद का कर्म है, और जिससे वह संबंध निकलता है उसे कर्ता कहते हैं; जैसे—रामा पोथी वांचतो (रामा पोथी बांचता है) इस में रामा से बांचने की क्रिया निकल कर पोथी पर घटित हुई, इस लिये रामा यह वाचतो इस क्रिया का कर्ता हुआ और पोथी यह कर्म हुआ.

(२) अकर्मक क्रिया.

जिस क्रिया को इस तरह का कर्म नहीं होता अर्थात् जिस क्रिया का संबंध कर्ता पर ही होता है उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे राम निजतो (राम सोता है) इस में सोने का संबंध राम से ही है, इसलिये निजतो यह अकर्मक क्रिया है। इसी तरह धांवतो (दौड़ता है), उठतो (उठता है), असतो (रहता है) इत्यादि में केवल स्थिति का ही बोध होता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सकर्मक और अकर्मक क्रियापद के पहिचानने की सरल रीति यह है कि जिस के भविष्यकाल, तृतीय पुरुष, अथवा एक वचन में 'ईल' प्रत्यय लगता है वह सकर्मक और जिस में 'एल' प्रत्यय लगता है वह अकर्मक क्रियापद है। जैसे—

करील,	मारील,	लिहील,	वाचील.
करेगा,	**मारेगा,**	**लिखेगा,**	**बांचेगा.**

इत्यादि सकर्मक क्रियापद हैं; और—

असेल,	निजेल,	फुटेल,	हंसेल.
होगा,	**सोवेगा,**	**फूटेगा,**	**हंसेगा.**

इत्यादि अकर्मक क्रियापद हैं।

धातु.

क्रियापद के मूल रूप को धातु कहते हैं।

(३) उभयविध.

कितने ही धातु अकर्मक और सकर्मक दोनों ही होते हैं, उनको उभयविध धातु कहते हैं; जैसे—मोडणें (तोड़ना). इसका सकर्मक उदाहरणः—त्याणें आपलें घर मोडिलें (उसने अपना घर नष्ट किया), और अकर्मक उदाहरणः—त्याचें घर मोडलें (उस का घर नष्ट हुआ), इसी तरह उघडणें (खोलना), झांकणें (ढांकना) इत्यादि।

(४) भावकर्तृक.

अकर्मक क्रियापद होकर जहां क्रिया का भाव अर्थात् मूल अर्थ ही कर्ता होता है और जिसका प्रयोग केवल तृतीय

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पुरुष, एकवचन में होता है, वहां वह भावकर्तृक क्रियापद समझना चाहिये; जैसे—

कळमळतें,	सांजावलें,	फावलें.
दर्द होता है,	शाम हुई-होगई,	फला, होसका, बना.

(५) सहाय.

जो क्रियापद धातु के रूप से जोड़ देने पर उसका काल और अर्थ बदल देता है उसे सहाय क्रियापद कहते हैं; जैसे—

अस,	नस,	हो,	जा,	ये,	दे.
होना,	न होना,	हो,	जाओ,	आओ,	दे.

लाग,	बस,	पाहिजे,	नको,	नये,	नलगे.
तक,	बस,	चाहिये,	नहीं चाहिये,	नहीं चाहिये,	ज़रूरत नहीं.

(१) शक्य क्रियापद.

जिस क्रियापद के रूप में शक्ति का अर्थ होता है वह शक्य क्रियापद है; जैसे—हें काम माझ्यानें करवतें=(यह काम मुझ से करते बनता है), इसमें काम करने की मुझ में शक्ति है ऐसा अर्थ होता है। इसी तरह—

देववतें,	घेववतें,	जाववतें.
देते बनता है,	लेते बनता है,	जाते बनता है.

(२) प्रयोजक क्रियापद.

मूल का कर्ता एक होकर जब मूल धातु को प्रत्यय लग कर दूसरे से कोई क्रिया घटित कराने का अर्थ उत्पन्न होता है, उस क्रियापद को प्रयोजक क्रियापद कहते हैं; जैसे—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रामा गोपाळाकडून तें काम करवितो. (गोपाल से राम वह काम करवाता है), इसमें करवितो यह प्रयोजक क्रियापद है। इसी तरह—

नेसवितो,	लिहवितो,	मारवितो.
पहनवाता है,	लिखवाता है,	पिटवाता है.

इसके मूल धातु में 'विवणें' अथवा 'इवणें' ये प्रत्यय लगते हैं। अगर मूल धातु एकाक्षरी हुआ तो 'विवणें' प्रत्यय लगता है; जैसे—

खाविवणें,	गोविवणें,	नेविवणें,	घेविवणें.
खिलवाना,	गुहवाना,	लिवालेजाना,	लिवाना.

और अनेकाक्षरी धातु हुआ तो 'इवणें' प्रत्यय लगता है; जैसे—

करिवणें,	बोलिवणें,	बदलिवणें.
करवाना,	बुलवाना,	बदलवाना.

(३) गौण अथवा सिद्ध क्रियापद.

सहाय धातु में से जिनके रूप मूल से सिद्ध होते हैं और जो केवल निश्चित काल में और निश्चित पुरुष में साधित होते हैं उनको 'गौण' अथवा सिद्ध क्रियापद कहते हैं; जैसे—

पाहिजे,	नको,	नलगे.	नये.
चाहिये,	नहीं चाहिये,	जरूरत नहीं,	नहीं.

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

काळविचार (कालविचार)

क्रियापद के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वह अमुक काल में घटित हुई है उसे काळ कहते हैं। मुख्य काल तीन हैं; १—वर्तमान, २—भूत, ३—भविष्य। इन में से प्रत्येक के कई भेद भी होते हैं।

वर्तमानकाल

जो इस समय चल रहा है उसे वर्तमानकाळ कहते हैं; जैसे—

मी करितों, तो जातो, मी येते, त्यामुली उड्या मारितात.

मैं करता हूँ, वह जाता है, मैं आती हूँ, वह लड़की दौड़ रही है.

भूतकाल

जो गुज़र गया अर्थात् व्यतीत हो गया उसे भूतकाळ कहते हैं; जैसे—

म्यां केलें, तो गेला, तिणें पाहिलें, त्या मुलींनीं चित्रें काढिलीं.

मैंने किया, वह गया, उस (स्त्री) ने देखा, उन लड़कियों ने चित्र बनाये।

भविष्यकाल

आगे आने वाले को भविष्यकाळ कहते हैं; जैसे—

मी करीन, तो जाईल, ती पाहील, त्या मुली खेळतील.

मैं करूंगा, वह जायगा, वह (स्त्री) देखेगी, वे लड़कियां खेलेंगी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

वर्तमानकाल के भेद.

वर्तमानकाळ के तीन भेद होते हैं। १—वर्तमान २—अपूर्ण वर्तमान, ३—रीतिवर्तमान

उदाहरण.

१—वर्तमान—मी करितों (मैं करता हूँ)

२—अपूर्ण वर्तमान—मी करीत आहें, मी करितों आहें (मैं कर रहा हूँ)

३—रीति वर्तमान—मी करीत असतों (मैं करता रहता हूँ)

भूतकाल के भेद.

भूतकाल के सात भेद होते हैं—भूत, वर्तमानभूत, भूतभूत, अपूर्णभूत, रीतिभूत, पूर्णभूत, और भविष्यभूत.

उदाहरण.

१—भूत—मी अथवा म्यां केलें (मैंने किया)

२—वर्तमानभूत—मी अथवा म्यां केलें आहे (मैंने किया है)

३—भूतभूत—मी अथवा म्यां केलें होतें (मैंने किया था)

४—अपूर्णभूत—मी करीतहोतों (मैं कर रहा था)

५—रीतिभूत—मी करीं अथवा करीत असें (मैं किया करता था)

६—पूर्णभूत—मी करिता झालों (मैं करता हुआ, या, मैं कर चुका)

७—भविष्यभूत—मी करणार होतों (मैं करने वाला था)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भविष्यकाल के भेद.

भविष्यकाल के पांच भेद होते हैं—भविष्य, अपूर्णभविष्य, वर्तमानभविष्य, भूतभविष्य, और भविष्यभविष्य.

उदाहरण.

१—भविष्य—मी करीन (मैं करूंगा)
२—अपूर्णभविष्य—मी करीत असेन (मैं करता हूँगा)
३—वर्तमानभविष्य—मी करणार आहें (मैं करने वाला हूँ)
४—भूतभविष्य—मी केलें असेन (मैंने किया होगा)
५—भविष्यभविष्य—मी करणार असेन (मैं करने वाला हूँगा)

पुरुष, लिंग और वचन से

वर्तमानकाल में क्रियापद के रूप.

पुल्लिंग ।

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी करितों.	आम्हीं करितों.
	मैं करता हूँ.	हम करते हैं.
द्वितीय.	तूं करितोस.	तुम्हीं करितां.
	तू करता है.	तुम करते हो.
तृतीय.	तो करितो.	ते करितात.
	वह करता है.	वे करते हैं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्त्रीलिंग में।

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी करित्यें.	आम्हीं करितों.
	मैं करती हूँ.	हम करती हैं.
द्वितीय.	तूं करित्येस-तीस*.	तुम्हीं करितां.
	तू करती है.	तुम करती हो.
तृतीय.	ती करित्यें-ती*.	त्याकरितात.
	वह करती है.	वे करती हैं.

नपुंसकलिंग।

पुरुष.	एकवचन,	बहुवचन.
प्रथम.	मी करितें.	आम्हीं करितों.
	मैं करता-ती हूँ.	हम करते-ती हैं.
द्वितीय.	तूं करितेस.	तुम्हीं करितां.
	तू करता-तो है.	तुम करते-ती हो.
तृतीय.	तें करितें.	तीं करितात.
	वह करता-ती है.	वे करते-ती हैं.

नपुंसकलिंग के प्रथम और द्वितीय पुरुष के रूपों के प्रयोग करने का मौका नहीं पड़ता—

---

* इस दूसरे रूप 'करितीस' और 'करिती' का प्रयोग केवल देशस्थ महाराष्ट्रों में ही होता है। महाराष्ट्र में देशस्थ और कोकणस्थ ये दो भेद होते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अस, नस और हो इन सहाय धातुओं के योग से क्रियापद का काळ और रूप बदल जाता है; इसलिए अन्य कालों के रूप लिखने के पहले इन सहाय धातुओं के रूप यहां लिखे जाते हैं।

अस धातु-करण रूप, स्थार्थ.

कर्तरिप्रयोग

वर्तमानकाळ.

प्रकार १ ला.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी आहें. मैं हूँ.	आम्ही आहों. हम हैं.
द्वितीय.	तूं आहेस. तू है.	तुम्ही आहां-आहांत. तुम हो.
तृतीय.	तो—ती—तें आहे. वह(पु) वह(स्त्री) वह(न) है.	ते—त्या—तीं आहेत. वे(पु) वे(स्त्री) वे(न) हैं.

पुल्लिंग.

प्रकार २ रा.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी असतों. मैं रहता हूँ, होता हूँ.	आम्ही असतों. हम रहते हैं, होते हैं.
द्वितीय.	तूं असतोस. तू रहता है, होता है.	तुम्ही असतां. तुम रहते हो, होते हो.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तृतीय.	तो असतो.	ते असतात.
	वह रहता है, होता है.	वे रहते हैं, होते हैं.

स्त्रीलिंग.

प्रकार २ रा.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी असत्यें.	आम्हीं असतों.
	मैं रहती हूँ, होती हूँ.	हम रहती हैं, होती हैं.
द्वितीय.	तूं असत्येस-तीस.*	तुम्हीं असतां
	तू रहती है, होती है.	तुम रहती हो, होती हो.
तृतीय.	ती असत्ये-ती.*	त्या असतात.
	वह रहती है-होती है	वे रहती हैं-होती हैं.

नपुंसकलिंग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी असतें.	आम्हीं असतों.
	मैं रहता-ती हूँ.	हम रहते-ती हैं.
द्वितीय.	तूं असतेस.	तुम्हीं असतां.
	तू रहता-तो है.	तुम रहते-ती हो.
तृतीय.	तें असतें.	तीं असतात.
	वह रहता-ती है.	वे रहते-ती हैं.

* पृष्ठ ४७ की टिप्पणी देखिए.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भूतकाळ.

प्रकार १ ला.

पुल्लिंग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी होतों.	आम्हीं होतों.
	मैं था.	हम थे.
द्वितीय.	तूं होतास.	तुम्हीं होतेत-होतां.
	तू था.	तुम थे.
तृतीय.	तो होता.	ते होते.
	वह था.	वे थे.

इसी तरह अन्य लिंगों के रूप समझना चाहिए.

पुल्लिंग.

प्रकार २ रा.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी असलों.	आम्ही असलों.
	मैं हूँगा.	हम होंगे.
द्वितीय.	तूं असलास.	तुम्हीं असलेत-असलां.
	तू होगा.	तुम होगे.
तृतीय.	तो असला.	ते असले.
	वह होगा.	वे होंगे.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्त्रीलिंग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी असल्यें.	आम्हीं असलों.
	मैं हूँगी.	हम होंगी.
द्वितीय.	तूं असलीस.	तुम्हीं असलां.
	तू होगी.	तुम होगी.
तृतीय.	ती असलीस.	त्या असल्या.
	वह होगी.	वे होंगी.

नपुंसकलिंग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी असलें.	आम्हीं असलों.
	मैं हूँगा-हूँगी.	हम होंगे-होंगी.
द्वितीय.	तूं असलेंस.	तुम्हीं असलींत.
	तू होगी-होगा।	तुम होगी-होगे.
तृतीय.	तें असलें.	तीं असलीं.
	वह होगा-होगी.	वे होंगे-होंगी.

ये दूसरे प्रकारके रूप संशयार्थ अथवा संकेतार्थ में आते हैं।

भविष्यकाल (तीनों लिंगों में)

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी असेन.	आम्हीं असूं.
	मैं हूँगा-हूँगी.	हम होंगे-होंगी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्वितीय.	तूं असशील.	तुम्हीं असाल.
	तू होगा-होगी.	तुम होगे-होगी.
तृतीय.	तो, ती, तें, असेल.	ते, त्या, तीं, असतील.
	(पु) (स्त्री) (न) वह होगा-होगी.	(पु) (स्त्री) (न) वे होंगे-होंगी.

नस धातु-करणरूप-स्वार्थ.

कर्तरिप्रयोग.

वर्तमानकाळ.

(तीनों लिंगों में)

प्रकार १ ला.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी नाहीं.	आम्हीं नाहीं.
	मैं नहीं हूँ.	हम नहीं हैं.
द्वितीय.	तूं नाहींस.	तुम्हीं नाहींत.
	तू नहीं है.	तुम नहीं हो.
तृतीय.	तो, ती, तें, नाहीं.	ते, त्या, तीं, नाहींत.
	वह नहीं है.	वे नहीं हैं.

प्रकार २ रा.

(तीनों लिंगों में)

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी नव्हे.	आम्हीं नव्हों.
	मैं नहीं हूँ.	हम नहीं हैं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्वितीय.	तूं न्व्हेस-न्व्हस.	तुम्हीं न्व्हा-न्व्हेत-न्व्हत.
	तू नहीं है.	तुम नहीं हो.
तृतीय.	तो, ती, तें न्व्हे.	ते, त्या, तीं, न्व्हे-न्व्हत.
	(पु) (स्त्री) (न) वह नहीं है.	(पु) (स्त्री) (न) वे नहीं हैं.

प्रकार ३ रा.

पुल्लिंग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी नसतों.	आम्ही नसतों.
	मैं नहीं होता हूँ, रहता हूँ.	हम नहीं होते हैं, रहते हैं.
द्वितीय.	तूं नसतोस.	तुम्हीं नसतां.
	तू नहीं होता है, रहता है.	तुम नहीं होते हो, रहते हो.
तृतीय.	तो नसतो.	ते नसतात.
	वह नहीं होता है, रहता है.	वे नहीं होते हैं, रहते हैं.

स्त्रीलिंग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी नसत्यें.	आम्ही नसतों.
	मैं नहीं होती हूँ, रहती हूँ.	हम नहीं होती हैं, रहती हैं.
द्वितीय.	तूं नसत्येस-तीस.*	तुम्ही नसतां.
	तू नहीं होती है.	तुम नहीं होती हो.

---

* ४७ वें पृष्ठ की टिप्पणी देखिए.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तृतीय.	ती नसत्ये-ती.*	त्या नसतात.
	वह नहीं होती है.	वे नहीं होती हैं.

नपुंसकलिंग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी नसतें.	आम्हीं नसतों.
	मैं नहीं होता-होती, रहता-रहती हूँ.	हम नहीं होते-होती, रहते-रहती हैं.
द्वितीय.	तूं नसतेस.	तुम्हीं नसतां.
	तू नहीं होता-होती, रहता-ती है.	तुम नहीं होते-होती, रहते-रहती हो.
तृतीय.	तें नसतें.	तीं नसतात.
	वह नहीं होता-होती, रहता-रहती है.	वे नहीं होते-होती, रहते-रहती हैं.

भूतकाल

प्रकार १ ला.

पुल्लिंग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी नव्हतों.	आम्हीं नव्हतों.
	मैं नहीं था.	हम नहीं थे.

---

* ४७ वें पृष्ठ की टिप्पणी देखिए.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्वितीय.	तूं नव्हतास.	तुम्हीं नव्हतेत-नव्हतां.
	तू नहीं था.	तुम नहीं थे.
तृतीय.	तो नव्हता.	ते नव्हते.
	वह नहीं था.	वे नहीं थे.

प्रकार २ रा.

पुल्लिंग में.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी नसलों.	आम्हीं नसलों.
	मैं न हुआ.	हम न हुए.
द्वितीय.	तूं नसलास.	तुम्हीं नसलेत-नसलां.
	तू न हुआ.	तुम न हुए.
तृतीय.	तो नसला.	ते नसले.
	वह न हुआ.	वे न हुए.

भविष्यकाल.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी नसेन.	आम्हीं नसूं.
	मैं न हूँगा.	हम न होंगे.
द्वितीय.	तूं नसशील.	तुम्हीं नसाल.
	तू न होगा.	तुम न होगे.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तृतीय.	तो—ती—तें नसल. (पु)(स्त्री)(न) वह न होगा-होगी.	ते—त्या—तीं नसतील. (पु)(स्त्री)(न) वे न होंगे-होंगी.

हो धातु-करणरूप-स्वार्थ.

कर्तरिप्रयोग.

वर्तमानकाळ.

पुल्लिंग.

(हो इस धातु के कुछ रूप (अस) धातु के भूतकाल के रूप की तरह होते हैं.)

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी होतों. मैं होता हूँ.	आम्हीं होतों. हम होते हैं.
द्वितीय.	तूं होतास. तू होता है.	तुम्हीं होतां. तुम होते हो.
तृतीय.	तो होतो. वह होता है.	ते होतात. वे होते हैं.

स्त्रीलिंग.

प्रथम.	मी होत्यें. मैं होती हूँ.	आम्हीं होतों. हम होती हैं.
द्वितीय.	तूं होत्येस-होतीस. तू होती है.	तुम्हीं होतां. तुम होती हो.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

.CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तृतीय.	ती होत्ये-ती.	त्या होतात.
	वह होती है.	वे होती हैं.

नपुंसकलिंग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी होतें.	प्रथमा और द्वितीया का बहुवचन पुल्लिंग की तरह होता है.
	मैं होता-ती हूँ.	
द्वितीय.	तूं होतेंस.	
	तू होता-ती है.	
तृतीय.	तें होतें.	तीं होतात.
	वह होता-ती है.	वे होते-ती हैं.

भूतकाल.

पुल्लिग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी झालों.	आम्हीं झालों.
	मैं हुआ.	हम हुए.
द्वितीय.	तूं झालास.	तुम्हीं झालेत-झालां.
	तू हुआ.	तुम हुए.
तृतीय.	तो झाला.	ते झाले.
	वह हुआ.	वे हुए.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्त्रीलिंग.

प्रथम.	मी झाल्यें.	आम्हीं झालों.
	मैं हुई.	हम हुईं.
द्वितीय.	तूं झालीस.	तुम्ही झालांत-झालां.
	तू हुई.	तुम हुईं
तृतीय.	ती झाली.	त्या झाल्या.
	वह हुई.	वे हुईं.

स्त्रीलिंग में—

१ असत्यें, (होती हूँ, होती), २ असल्यें, (हुई),
३ नसत्यें, (न होती), ४ नसल्यें, (न हुई),
५ करत्यें, (करती हूँ), ६ गेल्यें, (गई),

इत्यादि रूप होते हैं तथा नपुंसकलिंग में—

असतें, (होता-ती है), असलें, (हुआ-ई),
नसतें, (न होता-ती), नसलें, (न हुआ-ई),
करतें, (करता-ती है), गेलें, (गया, गई),

इत्यादि रूप लिखने चाहिये.

भविष्यकाल.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी होईन.	आम्हीं होऊं.
	मैं हूँगा.	हम होंगे.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्वितीय.	तूं होशील.	तुम्हीं व्हाल.
	तू होगा.	तुम होगे.
तृतीय.	तो—ती—तें होईल.	ते—त्या—तीं—होताल.
	(पु)(स्त्री)(नपुं)	(पु)(स्त्री)(नपुं)
	वह होगा-गी.	वे होंगे-गी.

पाठकों को किसी भी क्रियापद के रूप के रूप, भेद, अर्थ, प्रयोग, काल इत्यादि के समझने में सुभीता हो इस लिए नीचे एक 'कर' धातु को लेकर उसके रूप लिखे जाते हैं; जैसे—

कर धातु—करणरूप—मूलरूप भेद.

स्वार्थ.

कर्तरिप्रयोग.

वर्तमानकाल.

मी करितों. ... ... वर्तमान.
मैं करता हूँ.

मी करीत आहें, अथवा करितों आहें. ... ... अपूर्णवर्तमान.
मैं कर रहा हूँ.

मी करीत असतों. ... ... रीतिवर्तमान.
मैं करता रहता हूँ.

भूतकाल.

कर्मणिप्रयोग.

म्यां केला-ली-लें. इत्यादि ... ... भूत.
मैंने किया.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म्यां केला-ली-लें, आहे. ... ... वर्तमानभूत.
मैंने किया है.

म्यां केला-ली-लें, होतें. ... ... भूतभूत.
मैंने किया था.

कर्तरिप्रयोग.

मी करीत होतों. ... ... अपूर्णभूत.
मैं करता था.

मी करी अथवा करीत असें. ... ... रीतिभूत.
मैं करता हूँगा.

रीतिभूतकाल के रूप कुछ विलक्षण से होते हैं इसलिए वे यहां पर लिखे जाते हैं। इसी प्रकार अन्य धातुओं या कालों के रूप समझना चाहिए।

रीतिभूतकाल.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी करीं. मैं किया करता था.	आम्हीं करूं. हम किया करते थे.
द्वितीय.	तूं करीस. तू किया करता था.	तुम्हीं करा. तुम किया करते थे.
तृतीय.	तो—ती—तें करी. (पु)(स्त्री)(नपुं) वह किया करता था, करती थी.	ते—त्या—तीं, करीत. (पु)(स्त्री)(नपुं) वे किया करते थे; करती थीं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मी करिता झालों. ... ... भविष्य.
मैं करता हुआ.

मी करणार होतों. ... ... भविष्यभूत.
मैं करने वाला था.

भविष्यकाल.

मी करीन. ... ... भविष्य.
मैं करूंगा.

मी करीत असेन. ... ... अपूर्णभविष्य.
मैं करता हूँगा.

मी करणार आहें. ... ... वर्तमानभविष्य.
मैं करने वाला हूँ.

मी करणार असेन. ... ... भविष्यभविष्य.
मैं करने वाला हूँगा.

अज्ञार्थ.

कर्तरिप्रयोग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी करूं.	आम्ही करूं.
	मैं करूं.	**हम करें.**
द्वितीय.	तूं कर.	तुम्ही करा.
	तू कर.	**तुम करो.**

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तृतीय.	तो—ती—तें करूं-करो. (पु)(स्त्री)(नपुं) वह करे.	ते—त्या—तीं करूत-करोत. (पु)(स्त्री)(नपुं) वे करें.

विध्यर्थ.

कर्मणिप्रयोग.

म्यां करावा-करावी-करावें ... ... वर्तमान.
मुझे करना चाहिए.

म्यां करीत असावा, करीत असावी. ... अपूर्णवर्तमान.
मुझे करते रहना चाहिए.

म्यां करावा होता, करावी होती,
अथवा
म्यां करावयाचा होता, करावयाची होती, इत्यादि
मुझे करना था, अथवा मुझे करने को था. } भूत.

म्यां केला असावा, केली असावी. इत्यादि ... वर्तमानभूत.
मैंने किया होगा.

कर्तरिप्रयोग.

मी करणार असावा ... ... भविष्य.
मैं करने वाला हूँगा.

संकेतार्थ.

कर्तरिप्रयोग.

मी करितों, तूं करितास, तो करिता इ०. ... ... भूत.
मैं करता, तू करता, वह करता.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मी करीत असतों, तूं करीत असतास, इ०. ... अपूर्णभूत.
मैं करता होता, तू करता होता.

कर्मणिप्रयोग.

म्यां केला असता, केली असती, इ० ... ... भूतभूत.
मैंने किया होता.

संशयार्थ.

मी करीत असलों ... ... वर्तमान.
(शायद) मैं करता हूँगा.

कर्मणिप्रयोग.

म्यां केला असला, केली असली, इ०. ... ... भूत.
(शायद) मैंने किया होगा.

कर्तरिप्रयोग.

मी करणार असलों. ... ... भविष्य.
(शायद) मैं करने वाला हूँगा.

मी करीत असेन. ... ...अपूर्णभविष्य.
(शायद) मैं करता हूँगा.

मी केलें असेन. ... ... भूतभविष्य.
(शायद) मैंने किया होगा.

मी करणार असेन. ... ... भविष्यभविष्य.
(शायद) मैं करने वाला हूँगा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कर धातु-करण रूप-प्रयोजक भेद.

स्वार्थ.

कर्तरिप्रयोग.

मी करवितों. ... ... वर्तमान.
मैं कराता हूँ.

मी करवीत आहें. ... ... अपूर्णवर्तमान.
मैं करवा रहा हूँ.

मी करवीत असतों. ... ... रीतिवर्तमान.
मैं करवाता रहता हूँ.

कर्मणिप्रयोग.

म्यां करविला-ली-लें, इ०. ... ... भूत.
मैंने करवाया.

म्यां करविला-ली-लें आहे. ... ... वर्तमानभूत
मैंने करवाया है.

म्यां करविला-ली-लें होतें. ... ... भूतभूत.
मैंने करवाया था.

कर्तरिप्रयोग.

मी करवीत होतों. ... ... अपूर्णभूत.
मैं करवाता था.

मी करवीं अथवा करवीत असें. ... ... रीतिभूत.
मैं करवाता.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मी करविता झालों. ... ... पूर्णभूत.

मैं करने वाला हुआ.

मी करविणारा होतों. ... ... भविष्यभूत.

मैं करने वाला था.

मी करवीन. ... ... भविष्य.

मैं कराऊंगा.

मी करवीत असेन. ... ... अपूर्णभविष्य.

मैं करवाता हूँगा.

मी करणार आहें. ... ... भविष्यभविष्य.

मैं करने वाला हूँगा.

आज्ञार्थ.

कर्तरिप्रयोग.

पुरुष.	एकवचन.	बहुवचन.
प्रथम.	मी करवूं ?	आह्मी करवूं.
	मैं कराऊं ?	**हम करवावें ?**
द्वितीय.	तूं करीव.	तुम्ही करवा.
	तू करा.	**तुम कराओ.**
तृतीय.	तो-ती-तें करवो.	ते-त्या-तीं करवोत.
	वह करावे.	**वे करावें.**

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

विध्यर्थ.

कर्मणिप्रयोग.

म्यां करवावा-वी-वें. ... ... वर्तमान.
मुझे कराना चाहिए.

म्यां करवीत असावा. ... ... अपूर्णवर्तमान.
मुझे कराते रहना चाहिए.

म्यां करवावा, **अथवा** करावयाचा **अथवा** करवावयाचा होता. भूत.
मुझे करवाना था.

म्यां करविला असावा. ... ... वर्तमानभूत.
मैंने कराया होगा.

कर्तरिप्रयोग.

मी करविणार असावा. ... ... भविष्य.
मैं करवाने वाला हूँगा.

संकेतार्थ

कर्तरिप्रयोग.

मी करवितों, तूं करवितोस, तो करविता. ... भूत.
मैं करवाता, तू करवाता, वह करवाता.

मी करवीत असतों, तूं करवीत असतात. ... अपूर्णभूत.
मैं करवाता रहता हूँ. तू करवाता रहता है.

कर्मणिप्रयोग.

म्यां करविला असता, तूं करविली असती. ... भूतभूत.
मैंने कराया होगा. तू ने कराया होगा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संशयार्थ.

कर्तरिप्रयोग.

मी करवीत असलों. ... ... वर्तमान

(शायद) मैं करवाता हूँगा.

कर्मणिप्रयोग.

म्यां करविला असला.

(शायद) मैंने कराया होगा.

कर्तरिप्रयोग.

मी करविणार असलों. ... ... भविष्य.

(शायद) मैं करवाने वाला हूँगा.

मी करवीत असेन ... ... अपूर्णभविष्य.

(शायद) मैं करवाता हूँगा.

कर्तरिप्रयोग.

म्यां करविणार असेन. ... ... भविष्यभविष्य

(शायद) मैं करवाने वाला हूँगा.

कर्मणिप्रयोग.

म्यां करविला असेल. ... ... भूत भविष्य.

(शायद) मैंने करवाया होगा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कर धातु-करणरूप-शक्यभेद.

स्वार्थ.

कर्तरिप्रयोग.

माझ्यानें अथवा मला करवतें. ... ... वर्तमान.
मुझ से करते बनता है.

माझ्यानें अ० मला करवत आहे. ... ... अपूर्णवर्तमान.
मुझ से करते बन रहा है.

माझ्यानें अ० मला करवत असतें. ... रीतिवर्तमान.
मुझ से करते रहते बनता है.

माझ्यानें अ० मला करवलें. ... . भूत.
मुझ से करते बना.

माझ्यानें अ० मला करवलें आहे. ... ... वर्तमानभूत.
मुझ से करते बना है.

माझ्यानें अ० मला करवलें होतें. ... ... भूतभूत.
मुझ से करते बना था.

माझ्यानें अ० मला करवत होतें. ... . अपूर्णभूत.
मुझ से करते बनता था.

माझ्यानें अ० मला करवे, करवत असे ... ... रीतिभूत.
मुझ से करते रहते बनता था.

माझ्याने अ० मला करवतें झालें ... ... अपूर्णभूत.
मुझ से करते हुआ.

माझ्यानें अ० मला करवणार होतें. ... ... भविष्यभूत.
मुझ से हो सकता था.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

माझ्यानें अ० मला करवेल. ... ... भविष्य.
मुझ से करते बनेगा.

माझ्यानें अ० मला करवत असेल. ... ... अपूर्णभविष्य.
मुझ से करते बनता होगा.

माझ्यानें अ० मला करवणार आहे. ... ... वर्तमानभविष्य.
मुझ से करते बनेगा.

आज्ञार्थ.

माझ्यानें अ० मला करवो. ... ... वर्तमान.
मुझसे करते बनेगा.

संकेतार्थ.

माझ्यानें अ० मला करवतें. ... ... भूत.
मुझ से करते बनता.

माझ्यानें अ० मला करवत असतें. ... ... अपूर्णभूत.
मुझसे करते बनता होता.

माझ्यानें अ० मला करवलें असतें. ... ... भूतभूत.
मुझ से करते बना था.

संशयार्थ.

माझ्यानें अ० मला करवत असलें. ... ... वर्तमान.
मुझ से करते बना (तो).

माझ्यानें अ० मला करवलें असलें. ... ... भूत.
मुझ से करते बना था (तो)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

माझ्यानें अ० मला करवणार असलें ... ... भविष्य.
मैं कर सकूंगा (तो)
माझ्यानें अ० मला करवत असलें. ... ... वर्तमानभविष्य.
मुझ से करते बन सकेगा (तो)
माझ्यानें अ० मला करवलें असलें. ... ... भूतभविष्य.
मुझ से करते बनगया होगा (तो)
माझ्यानें अ० मला करवणार असलें. ... ... भविष्यभविष्य.
मुझ से करते बनसका (तो)

इसी तरह 'नस' इस सहाय धातु के रूप 'अस' इस सहाय धातु के रूपों के स्थान में लगाने से अथवा कहीं कहीं 'न' और 'नये' ये शब्द लगाने से, अकरणरूप सब भेदों में, सब अर्थों में, सब प्रयोगों में और सब कालों में, धातु के रूप सिद्ध होते हैं। जैसे—

मी करीत नाहीं,	म्या केलें नाहीं,	मी करीत नव्हतों,
मैं नहीं करता,	**मैंने नहीं किया,**	**मैं करता न था,**
मी करीना,	मी न करी	मी करीत नसे,
मैं न करता,	**मैं न करता,**	**मैं न करता था,**
केलें नव्हतें,	करणार नव्हतों	करणार नसेन.
किया न था,	**करने वाला नहीं था,**	**करने वाला न हूँगा.**

अकरण रूप में, आज्ञार्थ में, विध्यर्थ में और संकेतार्थ में कुछ फेरफार होता है। जैसे—

आज्ञार्थ—करूं नको (करो मत)
विध्यर्थ—करूं नये (करना नहीं चाहिए)
संकेतार्थ—न करितों (न करता)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

'जा' 'ये' 'लाग' 'बस' और 'पाह' ये तथा अन्य कितनी ही धातुएँ कहीं कहीं पर सहाय धातु का काम करती हैं। परन्तु इनके रूप मुख्य धातु के साधित रूपों के आगे नियमित अर्थ और नियमित काल मात्र में प्रयुक्त होते हैं; जैसे—

तो विचार करीत नाहीं, उगीच लिहीत जातो.

वह विचार करता नहीं, व्यर्थ में लिखता जाता है.

तो मारिला गेला

वह मारा गया.

त्याला चालता येत नाहीं.

उसको चलना नहीं आता.

तो मारिला जातो.

वह मारा जाता है.

तो त्यास जाऊं देतो.

वह उसे जाने देता है.

मीं तें काम करूं लागलों.

मैं वह काम करने लगा.

तो उगीच रंग लावीत बसतो.

वह व्यर्थ ही रंग लगाने बैठता है.

संभाळ, तो निसटूं पाहतो.

सँभाल, वह निकलना चाहता है.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रीतिभूतकाल.

'तो माझ्याकडे येई तेव्हां खुर्चीवर बसे' (वह मेरे पास आता तब कुर्सी पर बैठता) यहां 'बसे' इसका अर्थ है कि उसकी बैठने की रीति थी, ऐसा अर्थ होने के कारण इसको 'रीतिभूतकाळ' कहते हैं.

अर्थ.

जब क्रियापद के रूप से कुछ विशेष अर्थ का बोध होता है, उसे 'अर्थ' कहते हैं. ये अर्थ तीन होते हैं—

१—आज्ञार्थ, २—विध्यर्थ, और ३—संकेतार्थ.

आज्ञार्थ.

जब क्रिया के रूप से आज्ञा, उपदेश, प्रार्थना इत्यादि का अर्थ निकलता है तब उसे 'आज्ञार्थ' कहते हैं; जैसे—

हरी, तूं जा,	देवा, आमचें बरें कर,	मुलांनो, दाडगाई करूं नका.
हरी, तू जा.	भगवान, हमारा भला कर.	लड़को, बदमाशी मत करो.

मी जाऊं काय ?	तो जावो अ० ते जावोत.
क्या मैं जाऊँ ?	वह जावे अथवा वे जावें.

विध्यर्थ

जब क्रियापद के रूप से कर्तव्य, शक्यता, रीति, उपदेश, आजमाइश इत्यादि का अर्थ निकलता है तब उसे 'विध्यर्थ' कहते हैं; जैसे—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुलांनीं गुरूची आज्ञा पाळावी,
लड़कों को गुरू की आज्ञा पालन करना चाहिए।

तुम्हीं हें काम करावें.
तुम्हें यह काम करना चाहिये।

विठूनें लहानपणीं फार हट्ट करावा.
विठू बचपन में बहुत ज़िद्द करता था।

तो आज यावा.
वह आज आवेगा।

संकेतार्थ

जब क्रियापद के रूप से 'यह किया तो वह होगा' ऐसा संकेतात्मक अर्थ निकलता है तब उसे 'संकेतार्थ' कहते हैं; जैसे—

तो जाता तर वरें होतें.
वह जाता तो अच्छा होता।

तूं पत्र लिहितास तर काम झालें असतें.
तू पत्र लिखता तो काम हुआ होता।

टिप्पणीः—जब वाक्य में ये तीनों अर्थ नहीं होते तब यह फरक समझने के लिए उस वाक्य में 'स्वार्थ' है ऐसा कहते हैं। अतः स्वार्थ एक चौथा अर्थ माना गया है।

मराठी में पाँच काल—१—चालूवर्तमानकाळ, २—जुना (प्राचीन) वर्तमानकाळ, ३—साधारणभूतकाळ, ४—रीतिभूतकाळ और ५—भविष्यकाळ ये, तथा १—आज्ञार्थ, २—विध्यर्थ और ३—संकेतार्थ ये तीन अर्थ मिला कर क्रियापद के कुल आठ प्रकार के रूप होते हैं। इनमें से चालूवर्तमान, साधारणभूत, विध्यर्थ और संकेतार्थ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ये चारों ही के रूप लिंग के अनुसार बदलते हैं; और जुनावर्तमान काळ (प्राचीनवर्तमानकाल), रीतिभूत, भविष्यकाळ और आज्ञार्थ के रूपों में फेरफार नहीं होता।

जिस क्रियापद का सहाय धातु से केवल नियमित रूपों में ही तथा नियमित अर्थ में, नियमित काल में, नियमित पुरुष में ही प्रयोग होता है उसको गौण अथवा सिद्धक्रियापद कहते हैं। पाहिजे (चाहिए), नको (मत), नये (नहीं चाहिए), और नलगे (ज़रूरत नहीं) आदि पद सिद्धक्रियापद हैं।

उदाहरण.

मला पुस्तक पाहिजे (मुझे पुस्तक चाहिए)

त्याला पुस्तकें पाहिजेत (उसे पुस्तकें चाहिए)

मला कडू औषध नको (मुझे कड़ुई दवा न चाहिए)

तिला मळकीं वस्त्रें नकोत (उस (स्त्री) को मैले कपड़े न चाहिए)

तुम्हीं निजूं नका (तुम सोओ मत)

त्याणें तें काम करूं नये (उसे वह काम नहीं करना चाहिए)

आम्हीं असें म्हणूं नये (हमें ऐसा नहीं कहना चाहिए)

त्यास काम करणें नलगे (उसे काम करना नहीं लगता, अर्थात्, उसे काम करने की ज़रूरत नहीं)

तिला दागिने व्हावेत (उसी स्त्री को गहने होना चाहिए अर्थात् उसे गहने चाहिए)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जब कर्म कोही वाक्य का कर्ता बनाया जाता है तब 'जा' धातु का प्रयोग करते हैं। ऐसे प्रयोग को कर्मकर्तरिप्रयोग कहते हैं; जैसे—

१—'शिपाई चोर धरितो', या २—'शिपायानें चोर धरिला जातो.'

(सिपाही चोर पकड़ता है.) (सिपाही से चोर पकड़ा जाता है.)

३—'तो गाय बांधित नाहीं', या ४—'त्याचाने गाय बांधिली जात नाहीं.'

(वह गाय बांधता नहीं.) (उससे गाय बांधी जाती नहीं.)

पहले वाक्य में चोर कर्म है और दूसरे वाक्य में अर्थ जैसा का तैसा होकर चोर यह कर्ता होगया है।

(इस कर्मकर्तरि प्रयोग का प्रचार अंग्रेज़ी आदि भाषाओं में बहुलता से है।)

धातुओं द्वारा कितनी ही संज्ञायें, विशेषण और अव्यय साधे जाते हैं। उन्हें धातुसाधित कहते हैं :—

उदाहरण.

धातुसाधित।

मूलरूपभेद।

संज्ञायें और विशेषण।

करणें. ... ... क्रियावाचक.
करना.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कर्ता अथवा करता, करणार, करणारा ... कर्तृवाचक.
करने वाला, करने वाला, करने वाला.

केला, केलेला. ... ... कर्मवाचक.
किया, किया हुआ.

अव्यय.

करीत, करतां, करतांना.
करते, करते, करते हुए. } वर्तमानकाल वाचक.
करीत असतां, करीत असतांना.
करते हुए, करते हुए.

केलें असतां, केलें असतांना. ... ... भूतकालवाचक.
किये हुए, किये हुए.

करून. ... ... पूर्वकालवाचक.
करके.

करूं, करायास, करावयास. ... ... निमित्तवाचक.
करें, करने को, करने को.

करावें, करावयाचें, करणें. ... ... विधिवाचक.
करना चाहिए, करना, करना.

प्रयोजक संज्ञायें।

संज्ञायें और विशेषण.

करविणें ... ... क्रियावाचक.
करवाना.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

करविता, करविणार-रा. ... ... कर्तृवाचक.
कराने वाला, करवाने वाला.

करवि, करविलेला. ... ... कर्मवाचक.
किया, किया हुआ.

अव्यय.

करवीत, करवितां, करवितांना.
करवाते, करवाते, करवाते समय.
करवीत असतां, करवीत असतांना. } वर्तमानकालवाचक.
करवाते हुए, करवाते हुए (समय)

करविलें असतां, करविलें असतांना. ... भूतकालवाचक.
करवाया होता, करा लेने पर.

करवून. ... ... पूर्वकालवाचक.
कराके.

करवूं, करावयास, करवावयास. ... निमित्तवाचक.
करावे, करने को, करवाने को.

करवावें, करवायाचें–वयाचें. ... विधिवाचक.
कराना चाहिए. करवाना चाहिए.

वाक्यभेद

संज्ञायें और विशेषण.

करवणें. ... ... क्रियावाचक.
करवाना.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

करवलें, करवलेलें. ... ... कर्मवाचक.
कराया, करवाया हुआ.

अव्यय.

करवत, करवतां, करवतांना.
करते बनता, करवाते आता, करवाते हुए. } वर्तमानकालवाचक.
करवत असतां, करवलें असतांना.
कराते हुए, करवाया होने पर.

करवलें असतां, करवलें असतांना. ... भूतकालवाचक.
कराने पर, करवाना होने पर.

(ऊपर की इन अव्ययों के आगे 'न' यह अव्यय लगा देने से अकरणरूपी धातुसाधित अव्यय होजाते हैं ।)

कितनी ही धातुओं के भूतकाल के रूप अनियमित होते हैं, उनके कुछ उदाहरण यहां दिये जाते हैं। जैसे—

धातु.	भूतकाल.
करणें (करना)	केलें (किया)
मरणें (मरना)	मेलें (मरा)
जाणें (जाना)	गेलें (गया)
येणें (आना)	आलें (आया)
होणें (होना)	झालें (हुआ)
घेणें (लेना)	घेतलें (लिया)
देणें (देना)	दिलें (दिया)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

उडणें (उड़ना)	उडालें (उड़ा)
घालणें (डालना)	घातलें (डाला)
मागणें (मांगना)	मागितलें (मांगा)
सांगणें (कहना)	सांगितलें (कहा)
ह्मणणें (बोलना)	ह्मटलें, ह्मणालें (बोला)
पिणें (पीना)	प्यालें (पिया)
भिणें (डरना)	भ्यालें (डरा)
विणें (ब्याना, जनना)	व्यालें (ब्याई, जनी)
पळणें (भागना)	पळालें (भागा)

संयुक्तक्रियापद.

एक क्रिया के अर्थ में दो शब्दों का प्रयोग होकर जब क्रियापद सधता है तब उसे 'संयुक्तक्रियापद' कहते हैं; जैसे—

विकत घेणें,	तोंडी लावणें,	जेऊं घालणें,	श्रवण करणें.
मोल लेना,	मुंह में लगाना,	भोजन परोसना,	सुनना.

क्रियाविशेषण अव्यय.

जिस शब्द से क्रिया के गुण का अथवा प्रकार का अथवा अमुक अवस्था में, अमुक काल में, अमुक स्थल में वह क्रिया प्रयुक्त हुई है इस अर्थ का बोध होता है, उस शब्द को क्रियाविशेषण कहते हैं। नीचे के उदाहरणों में 'हळू', 'फार', 'हंसत' ये क्रियाविशेषण हैं; जैसे—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हळू चालतो,	फार खर्चतो,	हंसत जेवतो.
धीरे चलता है,	बहुत खर्च करता है,	हँसते हुए खाता है.

(अ)—इनमें से कितने ही अव्यय शुद्ध क्रियाविशेषण हैं; जैसे—

हळू (धीरे), लवकर (जल्द), पुनः, वारंवार, इत्यादि.

(आ)—कितने ही अव्यय धातुसाधित क्रियाविशेषण होते हैं; जैसे—

खेळत,	हंसत,	खेळतां,
खेलते,	हंसते,	खेलते हुए,
हंसतांना,	खेळतअसतां,	खेळतअसतांना.
हंसते हुए,	खेलते समय,	खेलते समय में.

(इ)—कितने ही अव्यय शुद्धविशेषण होते हुए भी उनका सम्बन्ध अथवा अन्वय क्रिया के प्रति ही होता है; जैसे—

तो चांगलें लिहितो.	ती गोड बोलत्ये.	त्या मधुर गातात
वह अच्छा लिखता है.	वह मीठा बोलती है.	वे मधुर गाती हैं.

(मराठी भाषा में गुणविशेषणों का क्रियाविशेषण होने पर भी उनके रूप में बहुधा कोई फेरफार नहीं होता ।)

कितने ही अव्यय क्रियाविशेषण होते हुए भी कर्ता के अनुरोध से चलते हैं; जैसे—

ती उगी राहाते.	ते उभे राहतात.	त्या आडव्या जातात.
वह चुप रहती है.	वे खड़े रहते हैं.	वे तिरछी जाती हैं.

कोई कोई क्रियाविशेषण किसी दूसरे ही क्रियाविशेषण अथवा विशेषण का प्रकार जाहिर करते हैं; जैसे—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तो फार लौकर बोलतो.	तो मोठा ठक आहे.
वह बहुत जल्द बोलता है.	**वह बड़ा ठग है.**

अनुकरणवाचक क्रियाविशेषण.

मराठी भाषा में अनुकरण वाचक शब्द सदा क्रियाविशेषण होते हैं; जैसे—

फटकन,	फटकर,	फटदिनी,	फटदिशीं,	गटकन,	गटकर.
फट्ट से,	**फट्टकर,**	**फट से,**	**फट से,**	**गट्ट से,**	**गट्टकर.**
गपगप,	घसघस,	पुरपुर,	तुरतुर,	फडफडां,	दबादव.
गपागप,	**धसाधस,**	**पुरपुर,**	**जल्दी २,**	**फड़ाफड़,**	**लबालब.**

कडाकड,	घडाघड.
कड़ाकड़,	**धड़ाधड़.**

(इस प्रकार के अनुकरण वाचक क्रियाविशेषणों की भरमार मराठी में बहुत है।)

कितने ही शब्दों के साथ विभक्ति होते हुए भी उनका प्रयोग केवल अव्ययों की तरह होता है; जैसे—

इतक्यांत,	सकाळला,	दिवसास,	दिवसाचा,	रात्रीस,	रात्रीं.
इतने में,	**सुबह को,**	**दिन को,**	**दिन का,**	**रात को,**	**रात में.**

तशांत,	मोठ्यानें,	अनशेपोटी,	अनवाणीं.
वैसे ही,	**ज़ोर से,**	**खालीपेट,**	**नंगेपैर.**

उदाहरण.

इतक्यांत सूर्य मावळला.	तूं उद्यां सकाळाला ये.
इतने में सूर्य डूबा.	**तू कल सुबह (को) आ.**

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तशांत मी गेलों असतों.
वैसे ही मैं गया हुआ था.
तो मोठ्यानें ओरडला.
वह जोर से चिल्लाया.

या अनवाणीं चालतात.
वह नंगे पैर चलता है.

दरघरीं, (हर घर में) दरगावीं (हर गांव में) आदि शब्द तथा इस अर्थ में आने वाले घरोघर, गांवोंगांवी, दारोदार (दरवाजे दरवाजे) आदि शब्द भी क्रियाविशेषण होते हैं; जैसे—

तो दारोदार भटकतो.
वह दरदर भटकता फिरता है.

मीं गांवोंगांव फिरलों.
मैं गांवगांव घूमा.

हीं झाडें येथें रानोरान असतात.
ये पेड़ यहां जंगल जंगल (हर जंगल में) होते हैं,

कुछ क्रियाविशेषण अव्ययों को नीचे अर्थसहित लिखतेहैं—

स्थलवाचक—तेथें, एथें, जेथें, इकडे,
वहां, यहां, जहां, इधर,
तिकडे, कोणिकडे, पलीकडे, कोठें.
उधर, किसी तरफ, उस तरफ, कहां.

कालवाचक—तेव्हां, एव्हां, जेव्हां, केव्हां उद्यां,
तब, अब, जब, कब, (कल आने वाला,)
काल, आज, परवां, यंदा.
कल (बीता हुआ) आज, परसों, इसवर्ष.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संख्यावाचक—एकदां, दोनदां, दहादां, शंभरदां.
एकबार, दोवार, दसवार, सौवार.

क्रम वाचक—पहिल्यानें, दुसऱ्यानें.
पहले ने. दूसरे ने.

निश्चयार्थक—खचित, खरोखर, निःसंशय.
जरूर, सचमुच, बिलाशक.

उभयान्वयी अव्यय.

जिस अव्यय के योग से दो शब्द या वाक्य जोड़े जाते हैं उसे उभयान्वयी अव्यय कहते हैं; जैसे—

आणि. **और.**
जर. **अगर.**
तर. **तो.**
परन्तु. **परन्तु.**
अथवा. **अथवा.**
किंवा. **अथवा.**
तरी. **तब भी.**
जरी. **जब भी.**
कांकी. **क्योंकि.**

उदाहरण.

रामा आणि कृष्णा तेथें गेले आहेत.
राम और कृष्ण वहां गये हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इस वाक्य में राम और कृष्ण इन दोनों का गेले आहेत इस क्रिया के साथ अन्वय होकर ये दोनों आणि इस उभयान्वयी अव्यय के साथ जुड़े हुए हैं.

नीचे कुछ उभयान्वयी अव्यय अर्थ सहित लिखे जाते हैं:—

समुच्चयवाचक—आणि. व. आणखी.
और, अथवा, और भी.

पक्षान्तर बोधक अथवा न्यूनत्व बोधक— पण, परन्तु, अथवा,
परन्तु, परन्तु, अथवा,
किंवा, नाहींतर, पक्षीं.
किवा, नहीं, तो, तरफ में.

कारणबोधक—कारण, कांकीं, कां जर, त्यास.
कारण, क्योंकि, क्यों अगर, उसे.

संकेत बोधक—जर, तर, जरी, तरी.
अगर, तो, जब भी, तब भी.

शब्दयोगी अव्यय.

किसी भी शब्द से जिस अव्यय का योग होता है उसे शब्दयोगी अव्यय कहते हैं। जिस शब्द से इनका योग अथवा अन्वय होता है इस अव्यव के योग से उनका सामान्य रूप होता है; जैसे—

वर, खालीं, पुढें, मागें, नंतर, कडे, मध्यें पूर्वीं अगोदर.
ऊपर, नीचे, आगे, पीछे, बाद, तरफ, बीचमें, पहले, पहले.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

उदाहरण.

झाडावर.	घराखालीं,	घोड्यापुढें.
पेड़पर,	घर के नीचे,	घोड़े के आगे.

इन उदाहरणों में वर, खालीं, पुढें, इन के योग से झाड, घर, घोडा, इन के सामान्यरूप झाडा, घरा, घोड्या हुए हैं।

पावेतों (तक) पयंत (पर्यन्त) आदि कितने ही शब्दयोगी अव्ययों के योग से भी कहीं कहीं सामान्य रूप नहीं होते; जैसे—

दोन महिनें पावेतों.	चार दिवस पयंत.	सकाळ पयंत.
दो महीने तक.	चार दिन तक.	सुबह तक.

शब्दयोगी अव्ययों को चा, ला, और इल प्रत्यय लिंगभेद से लगाने पर वे शब्द विशेषण हो जाते हैं; जैसे—

वरचा,	खालचा,	पुढला,	मागला,	समोरले.
ऊपर का,	नीचे का,	अगला,	पिछला,	सामने का.
आंतील,	बहेरील.			
अन्दरूनी,	बाहरी.			

कितने ही शुद्धशब्दयोगी अव्यय ऐसे होते हैं जिनके योग से सामान्य रूप नहीं होते; जैसे—

च,	ही,	मात्र,	ना,	देखील.
ही,	यह,	केवल,	नहीं,	तक.

मराठी में ये शब्दयोगी अव्यय जिस शब्द के आगे आते हैं उस शब्द के साथ इन्हें मिलाकर लिखा जाता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

केवलप्रयोगी अथवा उद्गारवाची अव्यय.

जिस अव्यय के द्वारा बोलने वाले के हृदयगत हर्ष, शोक आदि विकार अथवा उद्गार समझे जासकें उन्हें केवलप्रयोगी अथवा उद्गारवाची अव्यय कहते हैं; जैसे—

अं:, छि:, छी, वाहवा, शाबास, भले (खूब), इन अव्ययों के आगे उद्गारवाची (!) ऐसा चिह्न लगाने की रीति है।

संबोधनी अव्यय.

संबोधन वाले उद्गारवाची अव्यय लिंग और वचन के अनुसार होते हैं; जैसे—

लिंग.	एकवचन.	बहुवचन.
पुल्लिंगः—	अरे, रे, अगा, अजि. अरेहो, ये, अजी, अजो.	अहो, हो, अजि. अरे, हो, अजी.
स्त्रीलिंगः—	अगे, गे, अगो. अरी, अरी, अरीरी.	

साधित शब्दविचार

साधित शब्द के दो भेद होते हैं—एक शब्दसाधित और दूसरा धातुसाधित.

शब्दसाधित.

क्रियापदों को छोड़ कर दूसरे शब्दों से जो शब्द सधते हैं, उन्हें शब्दसाधित कहते हैं; जैसे—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

माणुसपण	देवपण	खरेपणा
मनुष्यत्व	**देवत्व**	**खरापन**
वेडेपणा	महागाई	घिटाई
पागलपन	**महँगापन**	**ढिठाई**
गुलामगिरी	पुणेकर	काशीकर
गुलामी	**पूनावाला**	**काशी वाला**
मारेकरी	भाडेकरी	झोपाळू
धोकेसे मारने वाला	**भाड़ेवाला**	**ऊँघासा**
लाजाळू	पैठणी	महागडी
लजीला	**रेशमी कामदार साड़ी**	**महामित्र**
खोडकर	पाटिलकी	महारकी
ऊधमी	**जमींदारी**	**मल्लाही (नाविकता)**
दारुखोर	दम्या	खोकल्या
शराबी	**दमहा (श्वासरोगी)**	**सकहा (कासरोगी)**
भांग्या	रानवट	भोळवट
भँगेड़ी	**जंगली**	**भोला**
कडवट	किफायतवार	बयादवार
कडुवापन	**किफ़ायतशार**	**ब्योरेवार**
वापुडवाणा	लाजिरवाणा	घरवाला
बेचारा	**लज्जित**	**घरवाला**
लेंकुरवाला	भाजीवाला	दुकानदार
बालबच्चेदार	**तरकारी वाला**	**दुकानदार**

ऊपर शुद्ध मराठी साधित शब्द लिखे गये हैं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संस्कृत के साधित शब्द हिन्दी की तरह मराठी में भी बहुत आते हैं; जैसे—प्रापंचिक, व्यावहारिक, आनंदित, दुःखित, शास्त्री, ज्योतिषी, भक्षणीय, गुणक, बोधक, लघुत्व, मधुरता, विद्वत्ता, श्रीमंत, बुद्धिमान द्रव्यवान, यशवंत, पुत्रवती, सौभाग्यवती, वैष्णव, शैव, पौत्र, पार्थिव, इत्यादि.

धातुसाधित.

धातुओं से जो शब्द सधते हैं उन्हें वे धातुसाधित कहते हैं; जैसे—

मार	तोड	रड
ताड़ना	**तोड़**	**रोना**
ठेंचा	ठेवा	झगडा
कुचलना	**धरोहर**	**झगड़ा**
विणाऊ	शिकाऊ	उडी
बिनाहुआ	**सिखा हुआ**	**छलांग**
बुडी	थापडी	कोरींव
डुब्बी	**थप्पड़**	**नकासीदार**
ओंतीव	मोडका	रडका
ढलाहुआ	**मुड़ा हुआ**	**रोनेवाला**
दळन	कांडण	घुसळण
दरना	**कूटना**	**मथना**
सारवण	तारण	पोषण
लीपना	**तारना**	**पालना**
निजणार-रा	खाणार-रा	घडणावळ
सोनेवाला	**खाने वाला**	**बनावट**

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

घुणावळ	करणी	पेरणी
धुलाई	देनगी	बुवाई
मिरवणें	खेळणें	बोलणें
जुलूस निकालना	खेलना	बोलना

सामासिक शब्दविचार

दो या अधिक शब्द अथवा संज्ञायें मिलकर जो एक शब्द या एक संज्ञा होती है उसे सामासिक शब्द कहते हैं और एक में जोड़े हुए इन शब्दों में जो परस्पर अर्थ का सम्बन्ध होता है उसे समास कहते हैं।

समास के सात भेद होते हैं :—

१—द्वन्द्व, २—तत्पुरुष, ३—कर्मधारय, ४—बहुव्रीहि, ५—द्विगु, ६—मध्यमपदलोपी, और ७—अव्ययीभाव.

द्वन्द्व.

जिस समास में जोड़ने वाले 'और' इस अव्यय का लोप होता है अर्थात् 'और' इस अव्यय के न होते हुए भी दो अथवा अधिक शब्दों का एक शब्द होता है उसे 'द्वन्द्वसमास' कहते हैं; जैसे—

इटीदांडू	आई बाप	बापलेक	ब्रह्माविष्णुमहेश
अटई-डंडा	मा-बाप	पिता-पुत्र	ब्रह्मा-विष्णु-महेश

अर्थात् अटई और डंडा, मा और बाप, पिता और पुत्र, ब्रह्मा, विष्णु और महेश। ऊपर के उदाहरणों में 'आणि' इस अव्यय का लोप है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इस द्वन्द्व समास का एक भेद और होता है जिसे समाहार द्वन्द्व कहते हैं। इस समास में दो शब्द जुड़े होने पर भी उसी जाति के अन्य पदार्थ का भी उस से बोध होता है; जैसे—

भाजीपाला	कोळीमाळी	मीठभाकर	शेतमात	वाणीउदमी
शाक-भाजी	कोरीचमार	नमक-रोटी	खेती-बारी	बनिज-व्यापार

यहां शाक-भाजी के अर्थ यह नहीं हैं कि दो चीज़ें, बल्कि इसका अर्थ है सब प्रकार की तरकारियां।

भाकरीबिकरी (रोटीवोटी), दगडविगड (पत्थरवत्थर), लहानसान (छोटामोटा) इत्यादि शब्द भी इसी के अन्तर्गत हैं।

तत्पुरुष.

जहां पहले शब्द की विभक्ति का सम्बन्ध अगले पद में होकर विभक्ति का लोप होजाता है उसे तत्पुरुष समास कहते है। इसमें उत्तरपद प्रधान होता है; जैसे—

द्विजदंड, अर्थात् द्विज के प्रति जो दंड। इसी प्रकार कृपावलोकन, देवघर, बनभोजन आदि।

जिस समास में पहला पद विशेषण होता है अथवा जिस में बोलने वाले के मन का भाव दोनों शब्दों के लिए समान होता है और जहां विशेष्य विशेषण का योग होकर समास होता है उसे कर्मधारय समास कहते हैं; जैसे—

काळपुरुष	तांबडमाती	काळमंजर	भवसागर
काल-पुरुष	लाल-मिट्टी	काल-बिल्ली	भव-सागर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

यहां काळपुरुष के अर्थ हैं कि 'काल ही जो पुरुष है' या 'काल के सदृश जो पुरुष है'; इत्यादि।

माऊसभाऊ	आतेवहिण	चुलता सासरा	नातजांवई
मौसेराभाई	फुफुवा बहेन	चचियाससुर	नतदामाद

आदि शब्द भी कर्मधारय समास के उदाहरण हैं।

बहुव्रीहि.

बहुव्रीहि समास में अर्थात् जहां दो शब्दों का योग होते हुए भी उसके अतिरिक्त तीसरे पदार्थ का ज्ञान होता है उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं. इसमें अन्यपद प्रधान होता है; जैसे— दशानन इस में दश और आनन के अतिरिक्त अन्यपद अर्थात् 'वह जिसके दश मुंह हैं' प्रधान है। बहुव्रीहि समास प्रायः विशेषण हुआ करता है; यथा दशानन—रावण। यहां दशानन रावण का विशेषण है। चक्रपाणि, चतुर्भुज, शशिशेखर आदि इसी समास के उदाहरण हैं।

द्विगु.

जिसमें पूर्व शब्द संख्यावाचक विशेषण होकर अगले शब्द का समास होता है उसे द्विगुसमास कहते हैं। यह समास बहुधा समाहारार्थ में अर्थात् समुदाय के अर्थ में होता है; जैसे—

पंचपाळें	पचखाजें	अठरावावू	वारभाई
पँचघरा	पंचखाद्य	अठारावाबू	बारहभाई

यहां पंचपाळें का अर्थ है पाँच घरों का समुदाय।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मध्यमपदलोपी.

दो शब्दों के बीच का पद लोप होकर जहाँ समास होता है उसे मध्यमपदलोपी समास कहते हैं; जैसे—

साखरभात	कातरविडा	घरजांवई
मीठा भात	मसालेदार बीड़ा	घर-जमाई

यहां साखरभात के अर्थ हैं शक्कर से युक्त भात अथवा शक्कर डालकर बनाया गया जो भात। इसी तरह अन्य शब्दों की विग्रह समझना चाहिए।

अव्ययीभाव.

जहां पूर्व का शब्द अव्यय हो और उस का योग दूसरे शब्दों के साथ होता हो और वे सब सामासिक पद क्रिया विशेषण अव्यय हों, तो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं; जैसे—

दरमजल	दरदिवस	गावगन्ना
हर मंज़िल	प्रतिदिन	गांवगिराँव

कारकविचार

वाक्य में संज्ञाओं की अवस्था को अथवा क्रिया के संबंध से संज्ञा की विभक्ति के अर्थ को; कारक कहते हैं। मराठी में ये कारक अर्थात विभक्तियों के अर्थ सात होते हैं;—१—कर्ता, २—कर्म, ३—करण, ४—संप्रदान, ५—अपादान, ६—सम्बन्ध और ७—अधिकरण.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(१) कर्ता कारक.

प्रथमा विभक्ति के क्रिया के सम्बन्ध से दो अर्थ होते हैं, एक कर्ता और दूसरा कर्म। उदाहरण—

रामा लिहितो	वाळा चालतो	गंगू रडत्ये
राम लिखता है	वालक चलता है	गंगू रोती है

इनमें रामा, वाळा और गंगू ये प्रथमान्त शब्द उन उन क्रियाओं के कर्ता हैं।

रामा पोथी लिहितो,	अहिल्या गीता वाचत्ये,	गंगू गाय बांधित्ये,
राम पुस्तक लिखताहै,	अहिल्या गीता पढ़तीहै,	गंगू गाय बांधतीहै

इनमें पोथी, गीता, और गाय ये प्रथमान्त संज्ञायें उन उन क्रियाओं के कर्म हैं·

(२) कर्म कारक.

द्वितीयान्त संज्ञा कर्म होती है; उदाहरण:—

वाळा गोपाळास भजतो	त्यानें त्याला पाळिलें
बाल, गोपाल को भजता है	उसने उसे पाला
आई मुलांस राखित्ये	रामानें हरीस मारिलें
मां बच्चे की रक्षा करती है	राम ने हरी को मारा

इन में 'गोपाळास' आदि द्वितीयान्त संज्ञायें कर्म हैं.

(३) करण कारक.

तृतीया के अर्थ बहुत से होते हैं। परन्तु कर्ता और करण ये दो मुख्य हैं। जिसकी सहायता से क्रिया की जाती है उसे करणकारक कहते हैं—करण में तृतीया विभक्ति आती है; जैसे—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नानानें चावकानें आपल्या घोड्यास मारिलें.
भैया ने चाबुक से अपने घोड़े को मारा.

पांडूनें लेखणीनें धडा लिहिला.
पांडू ने कलम से सबक लिखा.

ईश्वर भक्तीनें वश होतो.
ईश्वर भक्ति से वश में होता है.

द्रव्यानें सर्व मिळते.
द्रव्य से सब मिलता है.

मी चाबुकानें घोड्याला मारिलें.
मैंने चाबुक से घोड़े को मारा.

ऊपर के उदाहरणों में नानानें, पांडूनें, भक्तीनें, द्रव्यानें, चाबुकानें आदि शब्द तृतीयान्त हैं।

(४) सम्प्रदान कारक.

जिसके लिए कुछ किया जाय या जिसको कुछ दिया जाय वह सम्प्रदान कारक होता है—सम्प्रदान में चतुर्थीविभक्ति होती है; जैसे—

नानानें पांडूला धडा शिकविला.
भैयाने पांडू को पाठ सिखाया.

बाळानें भिकाऱ्यांस पैसे वांटले.
बालाने भिखारियों को पैसे बाँटे.

मुलानें बापाला पत्र लिहिलें.
लड़के ने पिता को पत्र लिखा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तो रात्रीस जागतो, व दिवसास निजतो.
वह रातको जागता है और दिनको सोता है.

आंबे पैशास आठ मिळतात.
आम पैसे के आठ मिलते हैं.

नळाला जशी दमयन्ती तशी कृष्णाला रुक्मिणी शोभते.
नल को जैसे दमयन्ती वैसे कृष्ण को रुक्मिणी शोभती है.

हरीला गुजराथी बोलतां येतें.
हरि को गुजराती बोलना आता है.

मनुष्य कीर्तीला जपतो.
मनुष्य कीर्ति के लिए खटता है.

रोगी औषधास दवाखान्यांत येतात.
रोगी दवा के लिए दवाखाने में आता है.

तो डोकीस पागोटें गुडाळतो.
वह सर में पगड़ी लपेटता है.

(५) अपादान कारक.

जिससे अवधि का अथवा वियोग का अथवा अधिक न्यूनत्व का बोध होता है उसे अपादानकारक कहते हैं। इस कारक में पंचमी विभक्ति आती है; जैसे—

मुम्बईहून पुणें साठकोसआहे.
बम्बई से पूना साठ कोस है.

तो घरून आला.
वह घर से आया.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त्याहून ती अधिक शहाणी आहे.

उस (पुरुष) से वह (स्त्री) अधिक होशियार है.

ते पुस्तक त्यानें मजपासून घेतलें.

वह पुस्तक उसने मुझ से ली.

माझ्याकडून (अथवा माझ्यापासून) हातांतली आंगठी हरवली.

मुझ से हांथ की अंगूठी खोई.

तापीनदीपेक्षां गंगानदी फार मोठी आहे.

तापी नदी से गंगा नदी बहुत बड़ी है.

गेल्या वर्षापासून त्याची प्रकृति सुधरली.

गये वर्ष से उसकी तबियत सुधरी.

(६) सम्बन्ध कारक.

जिसका सम्बन्ध किसी वस्तु वा व्यक्ति के साथ होता है वह सम्बन्ध कारक कहलाता है। इस कारक में षष्ठी विभक्ति लगती है। षष्ठीविभक्ति से स्वामित्व का बोध होता है; जैसे—

माझें घर.

मेरा घर.

रामाचें घर पुण्यास आहे.

रामा का घर पूना में है.

वेणूच्या वहिणी सुंदरा व अहिल्या.

वेणू की बहनें सुंदरा और अहिल्या.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

लोखंडाची कुल्हाड.

लोहे की कुल्हाड़ी.

विक्रीचा जिन्नस.

बिक्री की चीज़.

मनाचा मोकळा.

दिल का खुला.

हाडाचा गरीब.

हाड़ का गरीब अर्थात् कमजोर.

(नोट—षष्ठी विभक्ति का सम्बन्ध क्रियापद के साथ नहीं होता, किन्तु दूसरे शब्दों के साथ होता है, इसलिए मराठी में कुछ लोग इस विभक्ति को कारकान्त नहीं मानते.)

अधिकरण कारक.

क्रिया का जो आधार होता है उसे अधिकरण कारक कहते हैं। इस कारक में सप्तमी विभक्ति आती है; जैसे—

तो घरांत नाहीं.

वह घर में नहीं है.

तो गांवांत फिरतो.

वह गांव में घूमता है.

या वर्षी पाऊस चांगला पडला.

इस वर्ष वर्षा अच्छी हुई.

झाडाखालीं गुरें विश्रान्ति घेतात.

पेड़ के नीचे पशु आराम लेते हैं (करते हैं)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रविवारीं सुटी असेत.

इतवार को छुट्टी होती है.

तो विद्येंत हुशार आहे.

वह विद्या में होशियार है.

तो युद्धकलेंत निपुण आहे.

वह युद्धकला में निपुण है.

तो धावण्यांत चपळ आहे.

वह दौड़ने में तेज़ है.

(नोट—विभक्तियां प्रत्यय लगाकर भी होती हैं और शब्दयोगी अव्यय लगाकर भी होती हैं; जैसे—घरीं (घर में), घरामध्यें (घर में) घरांत (घर में), यहां 'घरीं' में प्रत्यय लगा है और बाकी दोनों में 'मध्यें' तथा 'आंत' ये अव्यय लगी हैं।)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त्रितीय प्रकरण.

शब्दसंज्ञा.

कुटुम्ब-परिवार

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
आई	माँ	अवरजी	छोटी बहेन
वडील	बाप	अवरज	छोटा भाई
चुलता*	चाचा	ताई	बड़ी बहेन (आदर सूचक)
चुलती	चाची	अक्का	बड़ी बहेन
चुलताभाऊ	चचेराभाई	आत, आत्या	बुआ
चुलतबहिणी	चचेरी बहेन	अतोबा	फूफा
आजा †	बावा या नाना	आतेभाऊ	फुफेराभाई
आजी	दादी या नानी	आतेबहीण	फुफेरीबहेन
अजोबा	दादा	मावशी	मौसी
अजीबाई	दादी	माऊसभाऊ	मौसेराभाई
भाऊ	भाई	माऊसबहीण	मौसेरीबहेन
बहीण	बहेन		

उच्चारण—‡वड़ील, *चुलता, †आज़ा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
काका	चाचा	वहिनी	बड़ी भावज
काकू, काकी	चाची	भावजई*	भावज
पुतण्या, पुतणा	भतीजा	भावजी	देवर, जेठ
पुतणी	भतीजी	भाचा¶	भांजा
पणजोबा※	पड़दादा	भाचे सून	भैन पतोहू
मामा, मामी	मामा, मामी	भाची	भांजी
मामेभाऊ	ममेरा भाई	भाचेजावई	भनदमाद
मामेभांवडे	ममेरे भाई-बहेन	जांवाई‡	दामाद
मुलगा	लड़का	व्याही	समर्धी
मुलगी	लड़की	नवरा	पति, दूल्हा
बायको	स्त्री	सावत्र, सवत	सौत
पोर	बच्चा, छोकरा	नातू	नाती (लड़का या लड़की का पुत्र)
मूल	,,		
जाऊ†	देवरानी या जेठानी		
		नातसून	नतबहू
सून	पतोहू	नात	नातिन
नणंद	ननद	आप्त	बड़ेबूढ़े
सासू	सास	नातेवाइक	नातेरिश्तेदार
सासरा	श्वसुर	नात	रिश्ता
मेहुणा	बहनोई, साला	सोयरीक	विवाहसम्बन्ध
मेहुणी	साली	सोयरी	रखेली स्त्री
शालक	साला	वारस	उत्तराधिकारी

उच्चारण—※पणज़ोबा, †ज़ाऊ, *भावज़ई, ¶भाचा, ‡ज़ावाई,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
बुवा, बोवा	महाशय, हजरत	दीर	देवर
अण्णा	पुरुष के लिए सम्मानार्थक सम्बोधन	नणदया	ननदोई
		नणदोली	ननदोई
		नायटा	दादा
आऊ	वृद्धा स्त्रियों के लिए सम्माना-र्थक संबोधन	नियणजा	नगड़दादा
		नियणतू	छुनाती
		भाऊ	बन्धु
बये	स्त्री के लिए सम्मान सूचक	भाजा*	पत्नी
		भांवडे*	एक मा बाप के बच्चे
आजेसासरा*	अजिया ससुर		
आंवुला	पति	मामंजी	श्वसुर
आंबुली	पत्नी	मासिस	सास, मामी
करवला	सहबाला	मामेसासरा	मैंय्या ससुर
करवली	सहबाली	माहेर	मायका
खापरपणजा	नगड़दादा	आजोली*	ननिहाल
गणगोत	नातेरिश्तेदार	वनसे	ननद
जयंती	दम्पति	साडभाऊ, साडू*	साढ़ू
थोरला	बड़ा-बूढ़ा	सासरें	ससुराल
थोर	बड़ा, श्रेष्ठ	सासुरवाडी*	मायका

उच्चारण—*आज़ेसासरा, भाज़ा, भांवड़े, आज़ोली, साड़भाऊ, साड़ू, सासुरवाड़ी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

घर-गृहस्थी

मराठी.	हिन्दी.
कपाट	किवाड़ा
सैंपाकघर	रसोई घर
ओयटा	रसोई घर
कोठीची खोली	भंडारघर
न्हाणी	स्नानघर
माजघर*	बिचला कमरा
बाळंतणीची खोली	जच्चाघर, सौर
पाणवठा	घनौची, पानीघर
पडवी*	दालान, बारामदा
पन्हाळी	पनाली
महिरप	मेहराब
मुत्र्या	मुतहरा
थारोळें	हौदी
साखळी	जंजीर
उंबरठा	देहली
घरटा	घोसला
धुराडें	धुंवारा
शौचकूप	पैखाना
शेतखाना	पैखाना
माडी*	छत
तुळसीवृंदावन	तुलसीघरा
खोली	कोठरी
वीट	ईंट
गच्ची	गच्च
आंगण	आंगन
पायऱ्या	सीढ़ियां
पायरी	सीढ़ी, ओटा
भिंत	दीवाल
दार	दरवाज़ा
ओटी	चबूतरा
कणगी	फूसकी टटिया
पोगळ्या	उरौती
गिलावा	पलस्तर
जोतीं*	नीवँ
वखार*	कोठी, गद्दी
सज्जा	छज्जा
फडताळ*	पिटहरा
पाटी	सिल
चुली*	चूल्हा
चाळणी*	चलनी
गोवऱ्या	कंडे

उच्चारण—*माज़घर, पड़वी, माड़ी, ज़ोतीं, वख़ार, फड़ताल, चुली, चाड़णी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
शेगडी*	अंगीठी	वांगडी	चूड़ी
आधण	अदहन	खडावा	खडाऊँ
राकेल	मिट्टी का तेल	पउवा	खडाऊं
कोळसा	कोयला	विंझणा*	पंखा
उखळी	ओखली	विडा*	लगा पान
सायळा	पींजरा	कुलूप	ताला
जळण	ईंधन	टाळा	"
पाट	पाटा	कुंचली*	कूंची
कौळ	खपरा	अगळ	कुंढी, जंजीर
पानें	पत्तल	अलिता	महावर
पत्रावली	पत्तल	कंडणी	मूसल
बांक	बेंच	कातरी	कैंची
घडवंची*	तिपाई	कुरकुली	बांसकी टोकरी
तिवई	तिपाई	केरसुणी	झाड़ू
अथई	चटाई	कौलार	खपरैल
पेटी	संदूक	खाटलें	खटोला
आरसा	आइना	गाळणी	चलनी, छन्ना
कणी	कंघी	उटणें	उबटना
खुर्ची*	कुर्सी	चंची*	तम्बाकू का बटुवा
टेबल	मेज		
पिशवी	थैली	तन्हार	छप्पर
सुरी	चाकू	तलघर	भुइंधरा

उच्चारण—*शेगड़ी, घड़वंची, खुर्ची, विझ़णा, विड़ा, कुंच़ली, च़ंची.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
तुळापि	पलंग	वोऱ्या	बोरा
त्रिमाळिक	तिमंजिला घर	भोरजी	तारोंकी अंगीठी
चौखणी	चौखंडा	तागडी*	तराजू
दिवसळी	दियासलाई	सेजसाळी	शयनगृह
पाटा	सिल	कोठार	स्टोर
पानपूड	पनडब्वा	अडकित्ता	सरौता
बंक	चौकी	सावण	साबुन
वाजट	पलंगड़ी		

कपड़े-लत्ते

आंगरखा	अँगरखा	उपरणें	डुपट्टा
टोपी	टोपी	परकर	घँघरिया
तुमान	जांघिया	चोळी	चोली
धोतर	धोती	पोलकें	सलूका
धोतरें	धोतियां	पांघरण्यास	ओढ़ने के लिए
चिटा*	छींट	शाळ	चद्दर
सदरा	कुरता	जोडा	जूता
खिसा	जेब	जोडे	जूते
जाकीट*	जाकेट, फतुही	खण	लहंगे के कपड़े का थान
करवतीकांठी	कँगूरेदार किनार		

उच्चारण—*तागड़ी, चिटा, ज़ाकीट.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
पचंग	फेंट	खमीस*	कमीज
बांड	लहंगे का हलका सूती कपड़ा	गजनी*	एक प्रकार का गर्भ-सूती कपड़ा
घावळी	ऊनी धोती	गालिचा*	गलीचा
अभ्रा	गिलाफ़	दुलई	हलकी रजाई
घोंगडी*	कमली	परकर	लड़कियों की घंघरिया
चादर	चद्दर	बारबंदी	बगलबंदी
उशी	तकिया	बचकणी	बचकानी धोती
बिछाना	बिछौना	रजई*	दुलाई
अंथरी	बिस्तर		
अंगझोळ*	अंगरखा		

बर्तन-भांडे

तांब्या	लोटा	झारी*	गडुई, गडुवा
वाटी	कटोरी	जाम*	गिलास
वाडगा*	कटोरा	पेला	प्याला
ताट	थाली	परात	परात, बड़ीथाली
तबक	तश्तरी, थाली	तपेली	पतेली
पळी	आचमनी, चमची	बोघोणी	पतेली, बघोना

उच्चारण—*घोंगड़ी, अंगझोड़, ख़मीस, ग़ज़नी, गालिचा, रज़ई, वाड़गा, झ़ारी, ज़ाम.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
दगडी*	पत्थरकी प्याली	टोपली	टोकरी
तवकडी*	तश्तरी	उलथणी	करछुल
गडवा*	लोटा	टोपण	ढक्कन
ताम्हन	कोपरा, संध्या पूजा करने की ताम्र-थाली	चंबू*	गिलास
		कथली	जस्ते का पात्र विशेष
पितळी	पतेली	अपखरा	गिलास
मडकी	मटकी	सांडस	समसी
रांजण	डह्यार	भांडे*	बर्तन
डेरे	गगरी	ओगराळें	करछुल
घागर	घड़ा	गंडी	गिलसिया
चरवी*	बड़ा घड़ा	पणाती	मिट्टीकी दियाली
काहिली	कड़ाही	चिमोरा	चिमटा
सुरई	सुराही	झारी	गडुवा
बरण्या	अमृतवान	तांब्या	तमेड़ी
हारा	भौवा	धानी	फुकनी
कणगी	डहरी	परळ	सकोरा

उच्चारण—*दगाड़ी, तवकड़ी, गड़वा, च़रवी, च़ंबू, भांड़े.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

फलफूल और शाकभाजी

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
डाळिंब	अनार	तुतें	शहतूत
जामफळ*	अमरूद	भाजीपाला*	शाकभाजी
पेरू	अमरूद	बटाटा	आलू
द्राक्ष—क्ष	अंगूर	भेंडी	भिंडी
पोपया	पपीता	दोडक*	तरोई
रामफळ	शरीफा विशेष	पावटा	सेम विशेष
संत्री	शंतरे	करवदा	करौंदा
शिताफळ	शरीफा	अळवा	घुंइया
आंबा	आम	फणस	कटहल
अंबोशी	अमिया	भोंपला	लौकी
कैरी	अमिया	रताळूं	रतालू
कलिंगडा*	तरबूज	शेंग	फली
कांकडी*	ककड़ी	तोंडलें	कुंदरू
केळ	केला	आवली	इमली
केळ्यांचेंलोंगर	केले की गहर	कांदा	प्याज
अननस	अनन्नास	काशीफळ	सीताफल
जांभूळ*	जामुन	कोहळा	कुम्हड़ा
बोर	बेर	केतक	केवड़ा
अवळा	आंवला	कोबी	गोभी
अक्रोड*	अखरोट	खरबूज	खरभूजा

उच्चारण—*ज़ामफल, कलिंगड़ा, कांकड़ी, ज़ांभूड़, अक्रोड़, भाज़ीपाला, दोड़क.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी
खिरणी	खिन्नी	पुदिना	पोदीना
खिरा	खीरा	वेलिया	वेला
नारळ	नारियल	महाळुंग	बिजौरा नीबू
चकोत्रा*	चकोतरा	मोसंबी	मोसमी (मीठा नींबू का प्रकार)
चांफा*	चम्पा पुष्प		
जाईऊळ*	जाई का फूल	वांगें	वैंगन
तुरंज	बड़ा नींबू	साखरलिंबू	मीठा नींबू
नरिंग	नारंगी, संतरा	सुरण	सूरन
नासपात	नासपाती		

शरीर संबंधी

तोंड	मुख	खांदा	कन्धा
डोळा, डोळे	आंख, आंखें	पोट	पेट
हात	हाथ	पाठ	पीठ
पांय	पैर	कुल्ला	नितंब
बोट	उंगली	तळपोट	पेडू
टाळू	तालु	बेंबी	नाभि
कपाळ	मत्था	गुडघा*	घुटना
पापणी	पलक	टांच*	एड़ी
गळा	गला	अंगठा	अँगूठा

उच्चारण—*च़कोत्रा, च़ांफ़ा, ज़ाईऊड़, गुड़घा, टांच़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
रोम	रोवाँ	कणा	रीढ़
केस	बाल	बरगडी*	पसली
मिशी, मिश्या	मूंछ, मूछें	बोटांचीं पेरें	उँगलियों के पोर
कातडी*	खाल, त्वचा	मणगट	कलाई
शीर	नस	कवटी	खोपड़ी
थुंक	थूक	मेंदू	भेजा
लघवी	पेशाब	कंबर	कमर
तहान	प्यास	पाऊल	पैर का निचला हिस्सा
रवंथ	पागुर(पशुओंकी)		
गेळ	खुरी	गुडघे*	घुटने
सड*	थन	बावटा	क़दम
दाढा	डाढ़ें	चिमूट	चुटकी
पिसें	रोवां	मेंग	केंचुल
शेपुट	पूछ	सोंड	सूंड
शिंग	सींग	घाम	पसीना
मांडी	गोद	लाळ	लार
घसा	कंठ	अंगपिळा	अँगडाई
ढोपरा	जांघ	आंगोळी	ढंगली
पाठ	पीठ	अकळी	जमुहाई
शेंडी*	चोटी	शिंकणे	छींक
मान	गरदन, कंधा	जांभई	जमुहाई
ऊर	छाती	अंगळी	छंगुनिया

उच्चारण—*कातड़ी, सड़, शेंड़ी, बरगड़ी, गुड़घे.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
अचकी*	हुचकी	तळहात	हथेली
ढेकर	डकार	काळीज*	कलेजा
अंतडी	आंत	कुसवा	गर्भाशय
अनवठी	ठोढी	कूस	कोख
कोथळा	कोठा (अन्नाशय)	कोपर	कोहनी
अमू, आमा.	माता का स्तन	खोंपा	बालों का जूडा
अळुकी	क्षुधा	जाभाडा	जबड़ा
उचकी*	हिचकी	टाळी	ताली
ओंजळ	अंजुलि,	तलपठाण	गुह्यअङ्ग
वचक*	अंजुलि	भेरड	आंख का कीचड़
चुळू	चुल्लू	भिंवई	भौं, भू
घाटी	कंठ	मांदें	चरबी
नरडी*	कंठ	वुक्की	मुट्ठी
कव	आलिंगन	शेंट	शष्प
खेम	आलिंगन	हिरडी	मसूढ़ा
कानफड	कनपटी		

पशु-पक्षी

आस्वल	रीछ	पारवा	कबूतर
उंट	ऊँट	करकोचा*	सारस

उच्चारण—*अचकी, उचकी, वचक, नरडी, काळीज, करकोचा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
करडूं ꙮ	बकरी का बच्चा	पाण-कोंवडी	बतख
कावळा	कौआ	पिलुं	पिल्ला
कुत्रा, कुत्री	कुत्ता, कुतिया	पोपट	तोता
कोंकरूं	भेड़ का बच्चा	बदक	बतख
कोकिल	कोयल	बैल	बैल
कोंवडाꙮ	मुर्गा	भाटी	ब्याई बिल्ली
कोंवडी	मुर्गी	म्हैस	भैंस
कोल्हा	शृगाल	माकडꙮ	बन्दर
खार	गिलहरी	मांजरꙮ	बिल्ली
खेचर	खच्चर गधा	मेढकें	भेड़ें
खोकडꙮ	लोमड़ी	मेढरूं	भेड़ का बच्चा
गाढव	गधा	मोर	मोर
गाढवी	गधी	रेडाꙮ	भैंसा
गाय	गौ	लांडगाꙮ	भेड़िया
गिधाड	गिद्ध	लांडोर	मोरनी
घार	चील्ह	वाघ	व्याघ्र
घुवडाꙮ	घुग्घू	वांसरू	बछड़ा, बछिया
चित्ता	चीता	शेडी	बकरी
चिमणीꙮ	गौरैया, चिड़िया	बोकड	बकरा
डुकर	सुअर	ससा	खरगोश
दुभत्या	दुधार पशु	ससाणा	बाज पक्षी
पांखरूं	पक्षी	सांवर	बारहसिंगा

उच्चारण—ꙮकरड़ूं, कोंवड़ा, खोकड़, घुवड़ा, चिमणी, माकड़, मांज़र, रेड़ा, लांड़गा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
साळुंकी	कोयल	एडका	मेंढा
सिंह	शेर	खोंड	जवान सांड़
हत्ती	हाथी	गंडभैरव	गेंडा
हरिण	हिरन	तरस	लकड़बग्घा
पाडस	हिरन का बच्चा	बगळा	बगुला
सुसर	मगर	बापया	चातक पक्षी
इराणी घोडा	गधा	बोका	बिलाव

कीट-पतंग

उंदीर	चूहा	चिलट॰	मच्छड़
उवा	जूं, लीख	टोळ	टीड़ी
ऊ	जूं	बंमर	भौंरा
कासव	कछुवा	डांस	मच्छड़
कासवें	कछुवे	भोंवरा	भ्रमर
किडा॰	कीड़ा	ढेकुण	खटमल
कोळी	मकड़ी	पतंग	पतिंगा
गांधीलमाशी	बर्र, ततैया	पाल	छिपकली
गोगलगाय	घोंघा	पिसू	पिस्सू
घूश	घूस	फुलपांखरू	तितली

उच्चारण—॰किड़ा, चि़लट.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
बेटकुळी	मेंढकी	शिंप	सीप
बेडूक*	मेंढक	कालियाना	कालासांप
मधमाशी	मधुमक्खी	साप	सांप
मासा	मछली	सरडा*	गिरगिट
मासळी	छोटी मछली	सुरवंट	केंचुवा
माशी	मक्खी	मुरकुट	झींगुर
मुंगळा	चींटा	कांसव	कछुवा
मुंगी	चींटी	खेकडा	केकड़ा
चांचड	लाल चींटी	काजवा*	जुगुनू
मुंगूस	नेवला	जळू*	जोंक
विंचू*	बिच्छू	सुसर	मगर
शंकू	संख		

पेड़—पौधे

आंबा	आम	नारळ	नारियल
कौंठ	कैथा	लिंब	नीम
चिंच*	इमली	पळस	ढाक
जांवळी	जामुन का पेड़	पिंपळ	पीपल
झाड*	पेड़	फणस	कटहल
झेंडू	गेंदे का पौधा	फुल-झाडें	पुष्पवृक्ष
ताटें	पेड़	बाभूळ	बबूल

उच्चारण—*बेड़ूक, विंच़ू, सरड़ा, काज़वा, ज़ऴू, चिंच, झाड़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
बेल	बिल्व	उंबा	गूलर
बोरी	बेरी	ऊंस	ईख
रोपटीं	छोटा पौधा	कण्हेर	कनेर
वडॼ	बरगद	कांखा	ठूंठ, सूखापेड़
वांसा	बाँस	वेळू	बांस
शिसव	शोसम	खजुरी	खजूर का वृक्ष
लिंबू	नींबू	तुती	शहतूत का पेड़
गुलछबू	गुलशब्बो	दवणा	दोनामरुवा
आघाडा	लटजीरा	शेवरी	सेमल
अंवळी	आंवले का पेड़		

खाद्य-पदार्थ

धान्य	अनाज	कणसें	भुट्टा
शाळू	धान	हरभरा	चना
बाजरी	बाजरा	जवस	अलसी
भात	धान	तीळ	तिल
तांदूळ	चावल	वाटाणा	मटर
गहूं	गेहूँ	तुरी, तूर	अरहर
डाळ	दाल	उडीदॼ	उड़द
मूग	मूंग	साबूदाणा	साबूदाना

उच्चारण—ॼवड़, उड़ीद.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
जोंधळा	जुवार, जोढ़री	खवा	खोवा
डाळिंब्या	दालें	बासुंदी	रबड़ी
जेवण*	भोजन	सुकेळीं	सूखे केले की गड्डियां
करंज्या*	कुसली	खाऊ	मिठाई
खीर	खीर	लोणचें*	अचार
फराळ	फलाहार, स्वल्पाहार	मुरंबा	मुरब्बा
वड्या*	कतलियां	वरण	पकी हुई दाल
वांगी-पोहे	बैंगन-च्यूड़ा	तिकेल	तेल
डळें	चूली, दाल	काकवी	राव, शीरा
बरफी	बरफी	भाकरी	मोटे अन्न की रोटी
पेढे*	पेड़े	पीठ	आटा
थाली-पिठा	सप्तधान्य की नमकीन मोटी रोटी	पोळी	रोटी
		मीठ	नमक
झुणका*	बेसन	आमटी	मसालेदार कढ़ी
चटणी	चटनी	लाडू*	लड्डू
ठेचा	,,	वडेघारगे	बड़े (उड़द के)
पुरणपोळी	मीठी बिढ़ई	सांजा*	दलिया
पाणी	पानी	कणीक	गेहूँका महीनआटा
ताक	मट्ठा	गुळाच्यापोळी	गुड़की बेढ़ई
लोणी	नेनू, मक्खन	सपीठ	मैदा

उच्चारण—*ज़ेवण, करंज़्या, वड़्या, पेढ़े, झुणका, लोणचें, लाडू, सांज़ा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
कोंडा*	चोकर	ओरा	ओला (शकर का गोला)
घारगा	मीठा बड़ा	मकाणा	मकाई
जिलबी	जलेबी	कडदण	द्विदल धान्य
जिलब्या*	जलेबियां	कडोरा	गंडेरी
घिवर	घेवड़	कुरमुरे	चुरमुरे (भुने चावल)
खळ	लेई	कोयाडें	आम का पना
तूप	घी	कोसली	गुझिया, कुसली
भाकर	पनेथी	खापटी	मोठी कचौरी
खोबरेल	गरी का तेल	गुडदाणी	गुड़धनियां
खडीसाखर*	मिश्री	गुरळी	पुवा
साखरपाणी	शर्बत	गोडधोड	मिष्ठान्न
गुळवणी	,,	घिवर	घेवड़
रसाळ गीर	रसदार गूदा	चबिना	चबेना
नागवेल	पान	चाचणी*	चाशनी
सुग्रास	तर लुकमा	टरफल	भूसी
साखर	शकर	डाळिंबी	(कच्ची) दाल
गूळ	गुड़	पिठलें	बेसन
कुळीथ	कुलथी	दशमी	दूध में सान कर बनाई गई पूड़ियां
चवली	लोबिया		
सावा	सांवा		
एरंडेल	अंडी का तेल		

उच्चारण—*कोंढा, ज़िलब्या, खड़ीसाखर, चाचणी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
परगुणें	पकान्न	शिकंजी*	नींबू का शरबत
पोहा	चिवड़ा	मोहरी	सरसों
पोळी	बिढ़ई	सागू	सावदाना
फजिती*	आम का रायता	साजक	सांवा
फुटाणा	चनेकी बहुरी	सातू	सत्तू
बत्ताशा	बताशा	सांबरमीठ	सांभर नमक
बुकटी	चूर्ण, बुकनी	शेंदेलोण	सेंधा नमक
साय, मलई	मलाई	सुठवडा*	एक प्रकार की पंजीरी
मुगदल	मूंग के लड्डू		
लाही	लाई, खील	हौरी	सफेद तिल्ली
शेंखरपाळा	शकर पाला	हुळा	होरा (चनेका)

मसाले और दवादारू

मसाला	मसाला	हळद	हल्दी
जिरें*	जीरा	केशर	केसर
मिरीं	काली मिर्च	लवंग	लौंग
मिरची	लाल मिर्चा	सुंठ	सौंठ
जायफळ	जायफल	आलें	अदरख
धणा	धनिया	विलायची*	इलायची
काता	कत्था	वेलदोडा*	इलायची
जायपत्री	जावित्री	तेजपत्र	तेजपात

उच्चारण—*फ़ज़िती, शिकंज़ी, सुठवड़ा, ज़िरें, विलायची, वेलदोड़ा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

खोबरें	गरी	नारळ	नारियल
खारीक	छुहारा	कंकोळ	कबाबचीनी
खिसमीस	किशमिस	काजरा*	कुचला विष
ओलाखजूर	पिंडखजूर	गुंज	घुंघचिल
मेण	मोम	गुळवेल	गुर्च
मध	शहद	चपडी*	लाख
डीक	गोंद	चिराईत	चिरायता
कोरफड*	कायफल	जवादी	कस्तूरी
ओंवी	अजवायन	मुळी	जड़ाबूटी
हिरडी*	हर्र	जेपाळ	जमालगोटा
हिंग	हींग	ज्येष्ठमध	मुरेठी
बिब्बा	भिलावां	टांकणखार	सुहागा
तुरटी	फिटकरी	तपकीर	सूंघने का नास
मोहरी	राई	हिरडा	हर्रा
कोयनेल	कुनैन	बेहडा	बहेडा
अफू	अफीम	आंवळकठी	आंवला
मिरपूड*	काली मिर्च का चूर्ण	द्राख	मुनक्का
		नक्तेल	तारपीन का तेल
अंबेहळद	आमाहलदी	नवसागर	नवसादर
अफीण	अफीम	कनाशिकणी	नकछिकनी
कापूर	कपूर	निंबोणी	निमकौरी
मेंदू	गरी, मगज़	पिंपळी	पीपल (छोटी)

उच्चारण—*कोरफड़, हिरड़ी, मिरपूड़, काज़रा, चपड़ी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
पीठवण	पिथवन	मोरचूद	तूतिया
बचनाग	सींगिया	रामठ, हिंग	हींग
बाळहिरडा	छोटीहर्र	ऊद	लोवान.
बेदाणा	मुनक्का	सुराखार	शोरा

खेतीबारी-गांवगंवकरी ।

शिंगी	गाड़ी	पेंढ्या	पूरे (धान आदि के)
बंडी	गाड़ी		
गांवकरी	ग्रामवासी	कणसं	बालें
शेतकरी	किसान	मळणी	मड़नी
पाटील	ज़मींदार, मुखिया	वावडी*	ओसाई, उड़ौनी
मळा	बारी, खेत	मदना	कुनाई
शेत	खेत	मुसकट	भूसा
शेतकी	खेती	कापणी	कटाई
मळेकरी	खेतिहर	विळा	हँसिया
माळजमीन	बंजर	चूड*	मुट्ठा (धान आदि का)
ऊस	ईख		
दुष्काळ	अकाल	उडवी*	लांक
गडी*	मजदूर	झोडणी	पिटाई, झोरना

उच्चारण—*गड़ी, बावड़ी, चूड़, उड़वी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
पळिंज*	डिठुरा	रोप	बेड़
कणगी	बखारी	खत	पाँस
कुन्हाड*	कुल्हाड़ो	कापूस	रुई, कपास
कुदळ	कुदाली	पट्टेवाला	सिपाही
विहिर	कुवां	कुळकर्णी	पटवारी, क्लर्क
मोट	पुर	वेसकर	चौकीदार
ताणा	वेल	तालुका	तहसील
बीं	बीज	कुरणं	चरागाह
रोंपा	अंकुर	पेटा	परगना
गुन्हाळ	कुल्हौर	भाग	कमिश्नरी
पेरणी	बोआई	जित्रब*	अँकुरा, अंकुर
गाडा*	छकड़ा	सांपळा*	जाल
पाडळी	मेड़ (खेत की)	पोहणें	तैरना
गायरान	चरागाह	आँस	धुरा
पट्टी	ज़मींदारो	सरकी	बिनौला
शेण	गोबर	ताग	सन
गुरें	जानवर	हरळी	दूबा
कडबा*	करबी	देशमुख	जागीर का मुख्य अधिकारी
नांगर	हल		
खेडें*	खेर, छोटागांव	पाटलकी	जमींदारी
हळस	हरोस	कुळव	सेरावन
लावणी	लोनी, बेड़लगाना	कोळपणें	निरावन

उच्चारण—*पड़िंज़, कुन्हाड़, गाड़ा, कड़बा, खेड़ें, ज़ित्रब, सांपळा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
मळणी	मड़नी	पालवी	पल्लव
फाळ	लगान	मोहर	बौर
कमाविसदार	तहसीलदार	गवत	घास
रमळ	मालगुज़ार	कुंपण	बेनई
लागवड*	बोना	खांदी	डाल
टरफलें	दाने	खांद्या	डालें
बोंड	बोडी	साल	छाल
वेचणी*	चुनाई	मूळ	जड़
मामलतदार	डिप्टीकलेक्टर	पान	पत्ता
महालकरी	तहसीलदार	खण्ट	ठूठ
फौजदार	थानेदार	मोड*	अंकुर
नाईक	नायक, शराफ	बुंधा	जड़
देवीडाक्टर	टीकावाला	देशमुख	मुखिया
पट्टेवाला	चपरासी	अऊत	हल
कळी	कली	अऊत्या	हलवाह
कोंव	कोपल	कणीस	भुट्टा
कोय	बिजली, मींगी	ताग	सन
बाठी	गुठली	तुसळ	भूसा
पाकळ्या	पंखुरियाँ	घारकें	पगहा (बैलों की)
देठ	डंठल	धूरकरी	गाड़ीवान
घुमारे	किल्लें		

उच्चारण—*लागवड़, वेचणी, मोड़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जातबिरादरी या पेशेवाले

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
धनगर	गड़रिया	पंतोजी	गुरुजी, मास्टर
कुणबी	कुरमी	उपाध्या	पुरोहित,
वाणी	बनिया	लोणारी	लोनिया
शिंपी	दर्ज़ी	साळी	जुलहा, साली
बोहरा	मनिहार, (एक जात)	साळोत्तरी	अश्ववैद्य
		साळकी	,,
माळी	माली	कळवंतीण	वेश्या
तांबोळी	तमोली	कांसार	कसेरा
तांबोळीण	तमोलिन	भाजीविक्या	काछी, कुंजड़ा
फासे-पारधी*	चिड़ीमार	कुंभार	कुम्हार
डोंबारी	नट	खाती	लोहार
घिसाडी*	लोहार	गवळी	ग्वाला
चांभार*	चमार	गवळण	ग्वालिन
सणगर	गड़रिया	गुरव	गोसाईं
कोष्टी	कोरी, जुलाहा	चाव्या	बजाज
कोळी	धीमर	चितारी	चित्रकार
तालीमबाज*	तबलची	जातपाटील	चौधरी
ढोर	पशु	जिनगर	मोची
रंगारी	रँगरेज़	जोगती	हिन्दू हिजड़ा
ब्रह्मसमंध	ब्रह्मराक्षस	मनिहारी	जौहरी

उच्चारण—*फ़ासेपारधी, घिसाड़ी, चांभार, तालीमबाज़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
धेड*	चांडाल	भडभुंज्या	भड़भूंजा
नफर*	सेवक	भेवजी	अत्तार
नाचापोऱ्या	कथिक	मक्तेकरी	ठेकेदार
नाणेवटी	सर्राफ	भिक्षुक.	यज्ञ कर्म पर निर्वाह करने वाला ब्राह्मण
न्हावी	नाई	मण्यार	मनिहार
पंतोजी	मास्टरसाहब	माहूत	महावत
परीट	धोबी	शिरणीगार	हलवाई
परटीण	धोबिन	सरेकरी	कलाल
पिंजारी*	धुनहा	सुगंधी	इत्रफ़रोश
पेंढारी	लुटेरों का एक समुदाय		
बकाल	पंसारी		

समय और त्योहार

वार	दिन	शनिवार	शनिवार
आदितवार	इतवार	सण	त्योहार
सोमवार	सोमवार	दसरा	दशहरा
मंगळवार	मंगलवार	नवरात्र	नवरात्र
बुधवार	बुधवार	वाढदिवस	वर्षगांठ
गुरुवार	बृहस्पतिवार	दुष्काळ	अकाल
शुक्रवार	शुक्रवार	यंदा	इस वर्ष

उच्चारण—*धेड़, नफ़र, पिंज़ारी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी
पहाट	तड़का, भोर	शुद्ध	सुदी, शुक्लपक्ष
पाउस	बारिश	तिकडेसारसा*	उसी समय
उन्हाळा	गरमी की ऋतु	अवस	उष:काल, सुदी द्वीज
पावसाळा	वर्षाऋतु		
हिंवाळा	जाड़े की ऋतु	अठवडा*	सप्ताह
दिवाळी	दिवाली	अगोठ	वर्सात की शुरवात
उद्यां	कल		
परवां	परसों	अवसी	रात का पहला भाग
परवां	,,		
शिमग्या, होळी	होली	अनुघड्डु फटणें	शरत्काल प्राप्त होना
मघांशीं	कुछ पहले		
सकाळ	सुबह	आखरपख	पितृपक्ष
दुपार	दोपहर	अगोस	ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ
संध्याकाळ	शाम		
अंमळ	थोड़ीदेर	आजवर*	आज पर्यंत
घाई	जल्द	आटकाळ	दुष्काल
आधीं	पहले	कराष्टमी	कुंवार बदी ८
मघां	थोड़ी देर पहले	कार्तिकी	कार्तिक की एकादशी
उशीर	देर		
वेळच्यावेळीं	समय के समय	कुतप	मध्यान्ह काल
वरचेवर*	जल्दी से जल्दी	वद्य	कृष्णपक्ष, बदी
तास	घंटा	गुढीपाडवा	चैत सुदी १
नादीं	पीछे	गुदस्तां	गत वर्ष

उच्चारण—* वरचे़वर, तिकडे़सारसा, अठवड़ा, आज़वर.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
चउदशी*	चौदस	भादवड*	भादो
गोकुलाष्टमी	जन्माष्टमी	माडवस*	फागुन कृष्ण ३०
चांदरात	सुदी १ की रात	राखीपुनव	रक्षा बन्धन
चुडीपुनव	माघसुदी १५	ललितापंचमी	क्वार सुदी ५
तिंदी	तीन दिन	गुढी पाडवा	चैत सुदी १
दमाना	ज़माना	शिवदिनी	शिवरात्रि
धुळवड	धुरेहरी (होली का दूसरा दिन)	शिळोपा	ठंढा वक्त, शाम
		सठींसामाशीं	छठेछमाहे
पंधर वडा	पखवारा, पक्ष	संपत् शनिवार	श्रावण शनिवार
पाडवा	प्रतिपदा	सरसाल	पूरेवर्ष
पुनव	पौर्णिमा	सवेळ	प्रातःकाल
फजर*	सुबह	सवेळे	तत्काल
फुटक्या तिनिसांजा	ऐन सायंकाल	सुटकन्	तुरन्त
भाऊबीज*	भैय्या दूज	हालोहाल	तत्काल

प्रकृति और संसार

आभाळ	आकाश	वाळू	बालू
ढग	बादल	चिखल*	कीचड़
थेंब	बूंदें	विस्तव	आग
ढेकूळ	ढेला	पिंजर*	चूना

उच्चारण—*च़उदशी, फ़ज़र, भाऊबीज़, भादवड़, माड़वस, चि़खड़, पिंज़र.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
ऊन	धूप, गरमी	लाटा	लहर
झरा*	झरना	आखात	खाड़ी
उजेड*	प्रकाश	गारा	ओले, पाथर
रान	जंगल	धूर	धुवां
झुळूक*	हवा का झोंका, प्रवाह	लोट	लपट
		धुकें	कोहरा
भोंवताल	पृथ्वी तल	दहिंवर	ओस, हिम
उगवत	पूर्वदिशा	उकाडा*	उमस (गर्मी)
मावळत	पश्चिमदिशा	दंव*	ओस, हिम
ओढा*	झरना	उघाडी*	निरभ्र
हवा	हवा	पडसाद	प्रतिध्वनि
वारा	तेज़ हवा	सोसाट्याचा वारा	प्रभंजन वायु
निखारा	अंगारा	जेठोर्डी	जेठ को बर्सात
वीज*	बिजली	डाखीण	दखिनहरा हवा
डोंगर	पहाड़	ठिणगी	चिनगारी
उंचवटा*	टेकड़ी	वाळवट	रेतीला मैदान
धबधबा	प्रपात		

उच्चारण—*झ़रा, उज़ेड़, झ़ुड़ूक, ओढ़ा, वीज़, उंचव़टा, उकाड़ा, दँव, उघाड़ी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धातु, सिक्के और गहने

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
तांबें	ताम्र	दुल्लड*	दुलरी
कथला	राँगा	पोंची	पहुँची
शिशा	सीसा	पिपळयान	वेना
जस्त	जस्ता	सरी	हसली
लोखंड	लोहा	साखळ्या	तोड़ा
कांसें	कांसा (धातु)	सूर्यफूल	जूड़े में लगाने
नाणें	सिक्का		का आभषण
अधला	धेलचा	भिकबाळी	वैकुंठी, कान का
ढबू	अधन्ना		आभूषण विशेष
पैसा	पैसा	अंगठी	अंगूठी
अधेली	अठन्नी	कांकण	कगन
पावली	चवन्नी	करला	पछेले की तरह
चवली	दुअन्नी		का गहना
रुपाया	चांदी (रूपें)	किडुकमिडुक*	गहना गुरिया
रुपया	रुपिया	कुरडू*	कान की बाली
साव्हरिन	गिन्नी		विशेष
पितळ	पीतल	केतक	शिरोभूषण विशेष
होन	हुन्न, अशर्फी	गळसरी	कंठसरी
सोनें	सोना	गेंद	बिछुवा विशेष
दागिना	गहना	घुंघरवाळा	पायजेब

उच्चारण—*दुल्लड़, किडुकमिडुक. कुरड़ू.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
चौकडा*	कान की लौंग	वांगडी*	बंगली
ठुसी	स्त्रियों के गले का गहना विशेष	बुगडी*	स्त्रियों के कान का एक गहना
झुबकवाळी*	झुमकाबाली	भिकवाळी	पुरुषों के कान का मोती
ताइताळें	तावीजों की हमेल	मणगटी	पहुँची
नागबंद	करधनी	मुरकी	कान को वाली
पोवळें	मूंगा	सोनकळी	चंपकली

रोग

धुपणी	प्रदर	खरूज*	खुजली
मूतखडा*	अश्मरी, पथरी	खोकला	कास, खांसी
अंतरगळ	अन्त्रवृद्धि	गालगुंड	गलसुवा(कर्णमूल)
एकांत्रे	इकतरा ज्वर	गुडघी*	गठिया
कंड	खाज	गुबर	भ्रम, जी घूमना
ओलांडा	उपदंश	गुवारणें	कै की बीमारी
कावीळ	पीलिया	घुरें	मिरगी
पटकी	क़ै, हैजा	चाईचाट	गंजा रोग
वाखा	हैजा, महामारी	चाळपुळी	नासूर
मोडशी	अजीर्ण, अपच	चौजारें*	चौथिया ज्वर

उच्चारण—*चौकड़ा, झुबकवाड़ी, बांगड़ी, बुगड़ी, मूतखड़ा, खरूज़, गुड़घी, चौज़ारें.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.
जंत	पेट के कीड़े
तापकरी	ज्वर-रोगी
तिजारें	तिजारी
दमेकरी	श्वास-रोगो
घंडाळी	अतिसार
हगवण	,,
पंड्यारोग	पीलिया
परमा	प्रमेह
पिहा	प्लोहा
फेपरें	मिरगी
बुरांड	अंडवृद्धि
भवंडी	मूर्छा
घेरी	मूर्छा
मोपळ्या रोग	मेदोवृद्धि,फ़फ्फस
मुरडा	मरोड़ा
हिंवताप	जूड़ी
मवाग	मंदाग्नि
रक्तपिती	रक्तपित्त
मूतकडा	मुतकर्क(मूत्रकृच्छ्र)
रातांधळें	रतौंधी
फोड	फोड़ा
पांढरें कोड	सफेद कुष्ठ
पांढरी धुपणी	श्वेत-प्रदर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

चतुर्थ प्रकरण.

क्रिया

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
खाणें	खाना	विचारकरणें	सोचना
नेसणें	पहिनना	लाडकरणें*	प्यार करना
घालणें	,,	लवणें	झुकना
निजणें*	सोना	जोडणें*	जोड़ना
येणें	आना	हारणें	हारना
जाणें*	जाना	लुटणें	लूटना
हंसणें	हँसना	पाहणें	देखना
शिंकणें	छींकना	बघणें	,,
रडणें*	रोना	सोडणें*	छोड़ना
गाणें	गाना	आणणें	लाना
नाचणें*	नाचना	बोलणें	बोलना
हिंडणें	घूमना	चालणें	चलना
चाटणें*	चाटना	पढ़णें	पढ़ना
देणें	देना	होणें	होना
घेणें	लेना	उठणें	उठना

उच्चारण—*निज़णें, ज़ाणें, रड़णें, नाच़णें, चाटणें, लाडकरणें, ज़ोड़णें, सोड़णें.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
बसणें	बैठना	पुसणें	मिटाना, पोंछना
राहणें	रहना	बांधणें	बांधना
लिहिणें	लिखना	हांकमारणें	पुकारना
ओढणें*	खींचना	मारणें	मारना
ढुंकणें	झांकना	मोडणें*	तोड़ना
रोकणें	रोकना	भिजविणें*	भिगोना
स्नानकरणें	नहाना	धाडणें*	भेजना
जाळणें*	जलाना	पसरणें	फैलाना
पिणें	पीना	भेटणें	मिलना
फुलणें	फूलना	बनविणें	बनाना
दळणें	पीसना	शिकविणें	सिखाना
कांपणें	कांपना	दाखविणें	दिखाना
हालणें	हिलना	स्थापनकरणें	स्थापन करना
धुंडणें	ढूंढना	गुंढाळणें	लपेटना
शिरणें	घुसना	वाहणें	बहना
चढणें*	चढ़ना	खर्चकरणें	खर्च करना
पडणें*	गिरना	लवणें	झुकना
उडणें*	उड़ना	विणणें	बुनना
गळणें	चूना, स्रवना	फेंकणें	फकना
कापणें	काटना	चोरीकरणें	चोरी करना
भोगणें	भोगना	झोकाघेणें*	झूलना
करणें	करना	उडीमारणें*	छलांग मारना

उच्चारण—*ओढ़णें, ज़ाड़णें, चढ़णें, पड़णें, उड़णें, मोड़णें, भिज़विणें, धाड़णें, झ़ोकाघेणें, उड़ीमारणें.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
बुडणें*	डूबना	थांबणें	ठहरना
विसरणें	भूलना	शपथघेणें	कसमलेना
जाणणें	जानना	पळणें	भागना, दौड़ना
लादणें	लादना	झुंजणें*	लड़ाई करना
शिवणें	सीना	थट्टाकरणें	हँसी करना
खणणें	खोदना	विकणें	बेचना
चावणें	काटना	उगीकरणें	चुप करना
कापणें	काटना	छापणें	छापना
तिरणें	तैरना	उशीरकरणें	देर करना
पोहणें	तैरना		

क्रिया-विशेषण

व्यतीत झालेला*	गुज़रा हुआ	ज्यावेळीं	जिस समय
आधींच	पहिलेही	पूर्वी	पहिले
आतां	अब	लवकर	जल्द, तुरंत
हल्ली	इस समय	दररोज*	प्रति दिन
यावेळीं	इस समय	काल	गुज़राहुआ कल
तेव्हां	तब	उद्यां	आनेवाला कल
त्यावेळीं	उस समय	कधींकधीं	कभी कभी
जेव्हां	जब	इतक्यांत	इतने में

उच्चारण—*बुड़णें, झुंज़णें, व्यतीतझालेला, दररोज़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
केव्हां	कब	कुठे	कहां
कधीं	कब	इथे	यहां
कशाकरितां	किसलिये	इकडे*	इधर
एकवेळ	एकवक्त	तिकडे*	उधर
	एक मर्तबा	आंत	अंदर
दोन वेळ	दो दफा	बाहेर	बाहर
उशीरकरून	देर करके	मोठ्यानें	जोर से
अजूनपावेतो*	अबतक	जसा	जैसा
सकाळीं	सबेरे	अशारीतिनें	इस रीति से
वर	ऊपर	दुःखाने	दुःखसे
खालीं	नीचे	कां	क्यों
तिथें	वहां		

अव्यय

नंतर	बाद	चा*	का
मध्यें	बीच में	ची*	की
वर	पर	वर	ऊपर
जवळ*	पास	पर्यन्त	तक
करितां	लिये	कडे*	तरफ
आंत	अन्दर	खालीं	नीचे

उच्चारण—*अज़ूनपावेतो, इकड़े, तिकड़े, ज़वड़, चा, ची, कड़े.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
शिवाय	सिवाय	पुढें +	आगे
संभोवार	आसपास	मागें	पीछे
भोंवती	आसपास	दूर	दूर
समोर	सामने		

विशेषण

टवाळ	धूर्त	निवडक +	चुनिन्दा
दुमतीं	दुधार	अतोनात	बेशुमार
माजी	गत	तिरपा	तिरछा
उदमी	उद्यमी	टोलेजंग +	गगनचुम्बी
खरमरीत	तीक्ष्ण	कोंबट	गुनगुना
चोख	सच्चा, ठीक	कढत +	खौलता
रास्त	ईमानदार	राड +	कीचड़
कसबी	कुशल	चिवट	चीमड़
धाडसी +	हिम्मती	कणखर	मजबूत
बेसावध +	असावधान	बळबळीत	लिबलिबा, कीचड़
मध्यंतरीं	बीच में	पोकळ	पोला
वतीनें	तरफ से	वावडें	कुपथ्य
निकरानें	तेजी से	कोवळे	कोमल
वारगीर	रोटिहा, अधीन	फेसाळ	फेनिल
		समंजस	समझदार

उच्चारण—+पुढ़ें, धाड़सी, निवड़क, टोलेज़ंग, कढ़त, राड़, वावड़ें

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी
तेलकट	चिकना	ओला	गीला
हिरमोड*	निराश	कोरडा*	सूखा
मेंग्या	गयाबीता, कमज़ोर	वाईट	बुरा
		चांगला*	अच्छा
रागीट	क्रोधी	तपकिरी	खाकी, तमखुई
जायबंदी*	निरुपयोगी	हिरवा	हरा
मजकूर*	पूर्वकथित	पोपटी	सुआपंखी, हरा
अनुशेंपोट	खाली पेट	भगवा	गेरुवा
अनोळखी	अज्ञात	गोड*	मीठा
टवटवीत	साफ, चकाचक	खमंग	स्वादिष्ट, तेज
गार	ठंढा, गहरा	नामी	उत्तम
टणक	मजबूत	दांडग्या	बदमाश
थोर	बड़ा	हावरा	असक्ती
दाट	घनी	द्वाड*	बदमाश
सुवासिक	खुशबूदार	छानदार	सुन्दर
आंबट	खट्टा	साधा	सादा
पांढरा	सफेद	घामट	घिनौना
तांबडी, तांबडा*	लाल	मळकट	मैला
काळा	काला	गलिच्छ	ग़लीज
पिवळा	पीला	सुरेख	सुन्दर
निळा	नीला	बाटोळ	गोल
जांभळा*	बैंगनी, जामुनी	सडपातळ*	दुबलापतला

उच्चारण—*हिरमोड़, ज़ायबंदी, मज़कूर, ताँबड़ी, ज़ांभड़ा, कोरड़ा, चांगला, गोड़, द्वाड़, सड़पातड़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
नासकेंकुसकें	सड़ागला	मठ्ठ	मट्ठर
आपलपोटी	खुदगर्ज	खारट	खारी
मुक्या	मूक, वेज़बान	तिखट	चरपरा
लबाड*	झूठा	कडू*	कड़ुवा
तोटा	कमी, नुकसान	राखी	खाकीरंग
बद्दल	बदले	करडा*	आसमानी
लहान	छोटा	कंदी	ब्राउन
माज*	मस्ती	केशरी	केसरिया
खट्याळ	ऊधमी	खोल	गहरा
ठोंब्या	लंठ	धाकटा	छोटा
वेडें*	मूर्ख, पागल	मधला	बिचला
म्हातारी	बुड्ढी	थोरला	बड़ा
म्हातार	बुड्ढा	उदी	ऊदी रंग
एकुलता	इकलौता	तान्हा	दुधमुहाँ
डाव्या*	बांया	धडधाकट*	हट्टाकट्टा
उजव्या*	दाहिना	लांचखाऊ*	रिश्वतखोर
समोर	सामने	हलकट	तुच्छ
तांबूस	तामड़ी	उघड*	खुला
विखारी	विषैला	घाणेरडें*	मैलाकुचैला
घट्ट	गाढ़ा	वाकबगार	दक्ष
चिवट*	चीमड़	क्षुल्लक	क्षुद्र

उच्चारण—*लबाड़, माज़, वेड़ें, उज़व्या, चि़वट, कड़ू, करड़ा, धड़धाकट, लांच़खाऊ, उघेंड़, घाणेरड़ें.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
किर्र	घना	मिळविता	कमाऊ
खडकाळ॰	पथरीला	तरबेज	दक्ष
गुंग	मस्त	हेवेखोर	द्वेष करने वाला, जलने वाला
गुळगुळीत	चिकना, गुलगुला		
कोरडवाहू॰	ऊसर	खट्याळ	दुष्ट
घोवड	भद्देसिल	ठेंगणी	ठिनगो
भिकार	तुच्छ	तिरवा	तिरछा
मामट	बदमाश	अंबट	खट्टा
सखल	ढालू	अबालु	लापरवाह
गढूळ	गंदला	अरुंद	सकरा
बुटका	छोटा	अधेल्या	साझीदार
भरड	मोटा, भर्रा	अवरठा	क्वांरा, ब्रह्मचारी
खादाड	खाऊ	आईपोरका	मातृहीन बालक
भित्रा	डरपोक	अडजुना॰	अधबैसू
जिवलग	जिगरी	अडबाप्या॰	जवान
कावेबाज	चालबाज़	अडबायको	युवती
उंची	कीमती	निर्भीड	बेमुरव्वत
लचीक	लचीला	बेचव	फीका
कुरळे	घुंघराले	अगडधूत॰	लट्ठभारती
वर्तुळ	गोल		
सरळ	सीधा	अचुंगल॰	कृपण

उच्चारण—॰खड्काल, कोरड्वाहू, अड्जुना, अड्बाप्या, अगड्-धूत, अचुङ्गल.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
अघस्वी	रखेली	बायक्या	मेहरा
अयदी	अहदी	बुच्या*	निर्लज्ज
अहेव	अहवाती	बोडकी*	सरमुंडी स्त्री
अळणी	अलोनी	रंडका	रँडुवा
उपट्या	गिरहकट	रंडकी	राँड़
गरोदर	गर्भिणी	रांगडा*	अनाड़ी, महाराष्ट्रेतर
तिरकमशेट	आँख का कैंचा		
दूरशी	रजस्वला स्त्री	विटाळशी	रजस्वला
पांगळा	लंगड़ा	सवाष्ण	सधवा
बापडा*	बेचारा	सुवासिनी	,,

कर्ता, कर्म और सम्बन्ध

(एकवचन के रूप)

कर्ता.	कर्म.	संबंध.
मी	मला	माझा*
मैं, मैंने	मुझको, मुझे	मेरा, री, रे
तूं	तुला	तुझा*
तू, तूने	तुझे, तुझको	तेरा, री, रे

उच्चारण—बापड़ा, बुच्या, बोड़की, रांगड़ा, माझा, तुझा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कर्ता.	कर्म.	संबंध.
तो, ती, ते	त्यांना	त्याचीॐ
वह, उसने	उसको, उसे	उसका
हा, ही, हे	ह्याला, इला, याना	यांचा*
यह, इसने	इसको, इसे	इसका, की, के
जो*	ज्याला*	ज्याचा*
जो, जिसने	जिसको	जिसका, की, के
तो,	त्याज*	त्याच्या*
वह, उसने	उसको, उसे	उसका, की, के
कोण, काय	कोणाला	कोण्याचा*
कौन, क्या, किसने	किसका, काहे को किसे	किसका

(बहुवचन के रूप)

आम्ही	आम्हांला	आमचा*
हम, हमने	हमको, हमें	हमारा, री, रे
तुम्हां	तुम्हाला	तुमचा*
तुम, तुमने, आपने	तुम्हें, तुमको	तुम्हारा, री, रे
ते, त्या, तो	त्याना	त्यांचा*
वे, उन्होंने	उनको, उन्हें	उनका, की, के

उच्चारण—ॐत्याची, *यांचा, जो, ज्याला, ज्याचा, त्याज, त्याच्या, कोण्याचा, आमचा, तुमचा, त्यांचा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कर्ता.	कर्म.	संबंध.
हे ये, इन्होंने	याना इनको, इन्हें	हाँचा इनका, की, के
जे जिनके, जिन्होंने	ज्यानाला जिनको	ज्याच्या जिनका, की, के
ते वे, उन्होंने	त्याना उनको, उन्हें	त्याच्या* उनका, की, के
कोण, काय कौन, क्या, किसने	कोणाला किनका, क़िन्हें	कोण्याचा* किनका, के

उच्चारण—*त्याच्या, कोण्याच़ा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पञ्चम प्रकरण.

प्रकीर्ण-शब्दावली

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
वाजंत्रें†	बाजा	उसने	उधार
वाजंत्री†	बाजे वाला	होय	हां
तोटा	कमी	आतां	अब
माहीत	मालूम, ज्ञान	वेळ	समय
पाहूं	देखें	घालू	पहन
सुट्टी	छुट्टी	ऐक	सुन
अळी	क्रम	सारखा	सरीखा
म्हणाला	बोला	शाळा	स्कूल
देवाच्या	देवता का	वर्ग	क्लास
संपले	समाप्त हुआ	पाळपाळीने	पारी पारी से
लवकर	जल्द	अलीकळे	इस तरफ
आंघोळ	स्नान	वर	ऊपर
न्हाऊं	स्नान	पलीकळे	उसतरफ
मग	फिर	चेंडू	गेंद
मौज	मजा	कवाईत	कवायत

उच्चारण—†वाज़ंत्रें, वाज़ंत्री.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
नकाशे	नक्शे	असो	खैर
अगदीं	बिलकुल	भुगा	भूर, (चूर्णांसा)
रंगित	रँगे हुए	कोपरा	कोना
वेड्या+	पगला	कोपऱ्यांत	कोने में
नेमियेल्या	निश्चित	घाट	शकल
खोट	झूठ	अवा	आँवा (कुम्हारका)
शिवी	गाली	चकाकी+	चमक
ऊब	गरमी	खाण	खान
शेजार+	पड़ोस	भांडण	लड़ाई
डाग	दाग	बिळ	छेद
घाण	बदबू	अणी	नोक
जवळ+	नज़दीक	कळप	झुंड (पशुओंका)
सावली	छाँह	भेग	दरार
आवडत+	पसन्द	कस	ताक़त
नीटनेटकीं	लक़दक़, साफ़	सबंध	पूरा का पूरा
आणखी	और	लोंकर	ऊन
सोंगट्या	गोटें (खेलने की)	हिसडा+	झटका
झोपाळ्या+	झूला	हाकणारा	हाकनेवाला
खूप	खूब	आठवण	याददाश्त
खचीत+	ज़रूर	पूड+	चूरा
वेत	निश्चय	पुडा+	पुड़िया
खरपूस	खरा (भुना)	उगी	चुप

उच्चारण—+वेड्या, शेज़ार, ज़वळ, आवड़त, झ़ोपाळ्या, ख़चीत, च़काकी, हिसड़ा, पूड़, पुड़ा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
कांठीं	किनारे	विसांवा	विश्राम
दगड‡	पत्थर	चौकशी	पूछताछ
दुखपती	दुःखद	विचारिलें	पूछा
दुखापत	तकलीफ	कशाकरितां	किस लिए
बरोबर	अच्छा, ठीक	एवढे	इतना
हाल	दुर्दशा	नवल	आश्चर्य
गच्च	कस कर	कींव	दया
मोकळें	मुक्त	उपाशीं	भूखा
गडी‡	दोस्त, साथी	जवळ§	पास
लपंडाव	आँख-मिचौनी	आंधळ्या	अंधा
चका§	हाथमारो, वदो	पांगळ्या	लूला
शोध	तलाश करना	उडी	छलांग
सांपडला	मिलगया	धनी	मालिक
हाक	पुकार	वास	गंध
ठेच§	ठेस	गोष्ट	बात
गोळा	इकट्ठा	रांग	पंक्ति
नेहमी	हरदम	कडकडून*	कटकटाकर
वळण	चलन, शिक्षा	मुळींच	बिल्कुलहीं
थट्टा	मज़ाक	दोघांपैकीं	दोनोंमेंसे
देखील	तक	काठी	लकड़ी
फसगत	फसाव, धोखा	झुळझूळ¶	झरझर
गाळण	होश, छक्का	समाधान	सन्तोष

उच्चारण—‡दगड़, गड़ी, §चका, ठेच, ज़वड़, *कड़कड़ून, ¶झुळझूऴ.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
बाहुली	गुड़िया	खरोखर	सचमुच
पाळणा	झूला	झुडप£	झाड़ी
कुशीश	करवट	नाचूंबगडूं	नाचने कूदने
ठेवा	खज़ाना	गडगळी	खरझार
मशागत	मशक्कत	जिनस	वस्तु
आराश	सजावट	ओक्शाबोक्शीं	फूटफूटकर
तुडुंब£	लबालब	बोध	उपदेश
जत्रा£	मेला	मधोमध	बीचोबीच
क्षेत्र	तीर्थस्थान	निमेनिम	आधोआध
स्वारी	सवारी	मोहरपी	अगुआ
पेठ	बाज़ार	फञ्जा	हद्द
चंद्रजोती	माहेताब	डाव	दाँव
गांठ	मुलाक़ात	पटाईत	पटैत
तिघेजण	तीनों आदमी	सोबती	साथी
कोंडवाडा	कानीहौस	कंटाळा	आलस, त्रास
घोकंपट्टी	रटंत	इंगित	रहस्य
लखलाभ	फायदेमन्द	खजील£	शर्मिन्दा
काबाडकष्ट	मेहनत, मजदूरी	आरसा	दर्पण
आजार£	बीमारी	लगट	बकवाद
पांवा	सीटी	खुदकन	खिलखिलाकर
राखण	रखवाली	काळजी£	चिन्ता
राखणदार	रखवाला	ळळा	प्रेम

उच्चारण—£तुडुंब, ज़त्रा, आज़ार, झुड़प, खज़ील, काळज़ी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
वळगिला	पाला हुआ	गर्दी	भीड़
गप्प	चुप्प	पोंक	कूबड़
पैसाअडक्या*	पैसाधेला	चांगुलपणा*	अच्छापन
ऐवज	माल	भर	आवेश
पदर	छोर	अवतार	शक्ल, सूरत
उकरूं	खरोचना	वाकडीतिकडी	टेढ़ीमेढ़ी
खोल	गहरा	गैदीपण	अलहड़पन
ठोसा	धक्का	लोंबत	लटकते
नेमणूक	मुक़र्ररी	लग्न	व्याह
रुजू*	उपस्थित	होकायंत्र	कुतुबनुमा
पोरकपणा	लड़कपन	लांबी	लंबान
कळकळ	ममता	रुंदी	चौड़ान
शाबूत	पूर्ण	रेघ	रेखा
फळी	तख्ता	परवचा	पहाड़े (गिन्ती)
खुळ्या	नासमझ	चावडी	चौकी, थाना
दप्तर	बस्ता	जकात*	चुंगी
पिशवी	थैली	सहल	सैर
समज	समझ	देऊळ	मंदिर
खोड*	आदत	कामगार	मज़दूर
झोंबी*	लपटंत, कुश्ती	कारकून	क्लर्क, मुंशी
पारधी	शिकारी	पावती	रसीद
पाठलाग	पीछा, तलाश	उकिरडा	घूरा

उच्चारण—*पैसाअड़क्या, रुज़ू, खोड़, झोंबी, चांगुलपणा, ज़कात.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
होडी+	नाव	ओझेकरी	पल्लेदार
होड्या	नावें	माहिती	ज्ञान
खडू+	खड़िया मिट्टी	वर्गणी	चन्दा
कवच	ढक्कन, तावीज़	रोख	नक़द
थर	परत	ठाऊक	मालूम
खऱ्या	अवश्य	लाजल्या	लज्जित
हरळी	दूब	निरोप	सन्देश
गोरगरीब	गरीबगुरबा	पू	मवाद
ढेकेळें	ढेले	शिल्लक	बाक़ी
सैंपाक	रसोई	धाक	भय
वाढण	परोसना	काळोख	अंधेरा
दळण	पीसन	जिनगी+	मालमता
कुंचा+	कूंची	बुचकळ	अचंभा
मोहळ	छत्ता (मक्खीका)	निवाडा	निपटारा
सांठा	संग्रह	उतराई	उद्धार
बुडी	डुबकी	जेवळावण+	जाफत
घास	कौर, ग्रास	जासूद	हरकारा
रवंथ+	पागुर (पशुओंद्वारा)	टपाल	डाक
गोंडा	झब्बा	पाल्हाळ	तूलतवील
ओझें+	बोझा	ओळ	लाइन
एकंदर	इकट्ठा	पेठ	बाजार
मागत	गुज़र	मिळकत	आमदनी

उच्चारण—+होड़ी, खड़ू, कुंचा, रवँथ, ओझें, ज़िनगी, ज़ेवड़ावण।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
वर्तमान	समाचार	घास्ती	डर
पाठराखे	पृष्ठरक्षक	मैत्रीण	सखी, मित्राणी
नवस-सायास	मानमन्ता	केर	कूड़ा
पुरावा	सबूत, गवाही	कोळिष्टक	मकड़ीका जाला
आडकाठी*	उज्र	अपायकारक	हानिकारक
स्वाधीन	हवाले	ओली	सील
फराळ	जलपान	दाटी	भीड़
प्रकार	ढंग	शिस्त	कायदा
पाणउतारा	बदला	समोरासमोर	आमने सामने
निकाल	फैसला	निष्काळजीपण*	बेफिक्री
वांटा	हिस्सा	सावकाश	धीमे
आरमार	जहाज़ी बेड़ा	पायवाटा	फुटपाथ
सोहळा	उत्सव	शिंग	भोपू
साहित्य	सामग्री	पळापळ	भागमभाग
फटका	प्रहार	कुलूप	ताला
हेका	हठ	ओंडा	वजन
नाईक	नायक	रिकामा	बेकाम
वांटेकरी	साझेदार	ढलपा	खपटा
वेडावांकडा*	आड़ातिरछा	ओसाड	उजाड़
खटपट	मेहनत	रोंख	रुख
कोणते	कौनसा	कसावीस	घबड़ाहट
शिवीगाळ	गालीगुफ्ता	मुद्दाम	जानबूझ कर

उच्चारण—*आड़काठी, वेड़ावाँकड़ा, निष्काड़जीपण.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
रांगोळी	चौक पूरना	माग	करघा
दुभत्या	दुहना	इस्पितळ	अस्पताल
गोंगाट	हल्लागुल्ला	निवाडा	फैसला
वर्तन	बर्ताव	दस्तऐवज	दस्तावेज़
वारूळ	बामी	लखोटा	लिफाफा
ताटवा	झुरमुट(झाड़ियोंका)	खटला	मुकदमा
वागणूक	चाल चलन	दरोडा*	डाका
बेगमी	निश्चितपना	दरोडेखोर	डाकू
तरतूद	तरद्दुत	मेणबत्ती	मोमबत्ती
पाणपोई	प्याऊ, पौशाला	कोळसा	कोयला
मोळी	लकड़ी का गट्ठर	जोत	लौ
ओझेवाला	बोझेवाला	गिरणी	मील
दरारा	धाक	नुसतें	केवल
धडपडून*	परिश्रमपूर्वक	वेचव*	बे-ज़ायका
गमणें	मठलाना	मिठागर	नमक की खान
दोर	रस्सी	खारवट	खारी, नमकीन
घळ	दरार	ठिसूळ	ठस
उपसा	निकासी	घाव	चोट
तुंबून	रुक कर	पेट	सुलगना
गलबत	जहाज़	पैलू	पहलू
घडामोड*	बनाव-बिगाड़	खड	घास
खोरीं	गैती, फावड़ा	कढतपाणी*	उबलता पानी

उच्चारण—*धड़पड़ून, घड़ामोड़, दरोड़ा, वेच्‌व, कढ़तपाणी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
अटी	शर्त	कज्जा	झगड़ा
भाता	भाती, धौकनी	निवळ	केवल
ऐरणी	निहाई(लोहारकी)	मधून मधून	बीच बीच में
पहार	घन	चाणक्षपण	चातुर्य
करवत	आरी	आस्थेवाईकपण	व्यवस्थितपना
कानस	रेती (रेतने की)	धांदल	जल्दबाज़ी
कीस	रेत, चूर	किडुकमिडुक*	राईरत्ती, खाहापाता
शिंदी	ताड़ी		
भुकटी	बुकनी	ऋणानुबंधी	एहसानमंद
कुसळें	सींकें	पगार	तनखाह
पोटीस	पुलटिस	वायां	व्यर्थ
कड*	किनारा	हेवा	द्वेष
तेवढी*	केवल, ही	यादवीस	यादवशाही (तानाशाही)
बिऱ्हाडी	किरायेका स्थान		
राठ	कड़ा, मज़बूत	बेबंदशाही	उथलपुथल, अव्यवस्था
कळप	झुंड		
सावज	शिकार	धुव्वा	धज्जियाँ
खडतर*	कठिन	निरसन	निकास
मोलकरीण	मजदूरनी	स्तोम	ऊधम
वेंचला	चुना	खुळ्यासमजुती	कमसमझ
पटलें	जँचा	बोडका*	नंगे सर
हमिणी	लंबीथैली, बसनी	अनवाणी	नंगे पैर

उच्चारण—*कढ़, तेवढ़ी, खड़तर, किड़ुकमिड़ुक, बोड़का.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
लवणें	फड़कना	नालस्ती	बदनामी
खाजणें	खुजलाना	मृगाजिन	मृगचर्म
पगडा+	रोब, वर्चस्व	गलबला	हल्लागुल्ला
जाब	जवाब	लागोपाठ	तरऊपर
हालअपेष्ट	दुःखदुःख	खाजगी+	खासगत
शिस्त	अदब	तत्पुरती	तत्क्षण
वरिष्ठ	अफ़सर, बड़ा	अडथळा+	अड़चन
वाणा	वाना, तौरतरीका	सरसहा	खुलेआम
पडघम+	बिगुल, तोरही	विवक्षित	खास
रडारड	रोवापीटी	पांवा	मुरली
हाव	तृष्णा, लोभ	उणीव	अड़चन
बंद	विद्रोह	सराव	अभ्यास
तुटकपन	तुच्छपन	अफाट	अपार
भोंवरा	लट्टू	वाण	न्यून
अरडाओरड+	रोवापीटी	ब्रीद	निश्चय
उतारू	यात्री (नाव के)	हेर	गुप्त दूत
इसम	इन्सान	वक्तशीरपणा	समय पर काम करना
मिठी	भुजपाश		
पोशिंदा	परवरिश करने वाला	पडवळ	परवल
		दळविणें	पिसाना
फटिंग	अकेलेदम	पडसें+	जुकाम
लगवग	जल्दी	हेलपाटे	दौड़धूप

उच्चारण—+पगड़ा, पड्घम, अरड़ाओरड़, ख़ाज़गी, अड्थड़ा, पड्सें.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
वसहत	बसागत, बस्ती	संभावना	सम्मान
अब्रू	आबरू	झेंडा	झंडा
चाड	चाह	चौघडा	नौबत(रोशनचौकी)
सूळ	सूली	तोफ*	तोप
खाशा	खास	दारू	बारूद
सोंवळें	पाकीज़गी	ध्यास	कामना
धिंड	गधे पर जुलूस	आंदण	जहेज
कालवा	नहर	कण्हत कुंथत	कराहते काँखते
भांडवल	धन, खर्चा	उलाढाली	उथलपुथल
पसार	पास	थापा	डींग
पाझर*	धार (स्तन की)	वेशी	हद्द
कूळ	मुअक्किल	तह	संधि
गुलकावणीस	फुसलाहट	तहाचें बोलणें	संधिचर्चा
बंब	पंप	मुरळ	धोका
मनोरा	मीनार	खंडणी	कर, महसूल
घुमट	गुंबज	खिंडार	बड़ा छेद
बोगदा	सुरंग	चिलखत*	जिरह बख्तर
खजिना	खजाना	ठेवा	धरोहर
सांडपाणी	मैलापानी	वशिला	वसीला
अनभाव	अमान्यता	स्वाधीन	अधीन
वाढपी	परसैया	किरकोळ	छोटीमोटी
खुणा	चिह्न	कोल्हेकुई	हुवाना (शृगालरव)

उच्चारण—*पाझ़र, तोफ़, चिलखत.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
करमणूक	मौज	पदरीं	पल्ले, पास में
भोक	छेद	वेढा	घेरा
बाहुली	पुतली, गुड़िया	कुमक	मदत
चाहूल*	आहट	आयता	बिनाप्रयास
सायळा	ठठरी	उरली	शेष
गोंडसपणा	सुन्दरता	थट	ठेठ
पांघरूण	आवरण, पोशाक	सडे*	छिड़काव
अभ्रा	गिलाफ	हाल	तकलीफ
नाद	ज़िद्द	हातघाई	हाथ की सफाई
सुरकुत्या	सिकुड़न	तुरी	चुनौती
पखाली	मशक	कुरापत	खोद कर लड़ाई मोल लेना
डगलें	कोट		
कातरी	कैंची	लगट	चढ़ाई
ओल	सील, नमी	चेव	चाव, उत्साह
माहेरघर	मायका	मचवा*	डोंगी
जेवण	भोजन	शागिर्दपेशा	नौकरी पेशा
धूर	धुवां	रूळ	रूल
घड्याळ	घड़ी	कल	टेढ़ाई
घटका	पानी की घड़ी	फेड*	अदाई
पारडी	पलड़ा (तराजू का)	शेण	गोबर
अगत्य	जरूरी	वाफसा	गीलापन
संवय*	आदत	बावटा	झंडा

उच्चारण—*चा्हूल, सँवय, सड़े, मच़्वा, फेड़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
गोदी	जेटी	सुकाणूं	खेने का डाँड़
कडा*	किनारा	थव्याथव्या	झुंड के झुंड
घोडशाळा	घुड़साल	बांधा	बनावट
टांकी	कुंड	विळखा	लपेट
दबा	घात	गाळण	होश
थडगें*	समाधि	धस्ती	धाक
तंतोतंत	लबालब	डरांव डरांव	टर्र टर्र
तुरट	बकटाहट	करवती	आरी
पेट	सुलग	ठिपका	बूंद
प्रचीत	प्रत्यक्ष	पार निकाल	खात्मा
भिंगा	काँच	टोळधाड*	टिड्डीदल
टांचण	टिप्पणी	चर	गढ्ढा
थर	तह	हिंवताप	जूड़ीबुखार
हिरका	रेशा	अजस्र	अजीब
जूट	ऐक्य	घास	ग्रास, कौर
खेळणी	खेलने का दिन	तुळई	बचन
फासे	पासे (खेलनेके)	मजला	मंजिल
बुदबळें	गोटें	झीज	घिसन
सुवासिक	खुशबूदार	टीपकागद	सोख्ता, ब्लाटिंग पेपर
गर्दी	भभ्भड़		
तरतरी	स्फूर्ति	हुडहुडी*	कँपकँपी
जाडेंभरडें*	मोटाधोटा	रेशीम	रेशम

उच्चारण—*कड़ा, थड़गें, जाड़ेंभरड़ें, टोड़धाड़, हुडहुडी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
जरतार+	जरी	टांचणी+	पिन
ऐपत	हैसियत	मक्ता	ठेका
हबका	छींटा	मक्तेकरी	ठेकेदार
जासूद+	जासूस	ठिणगी	चिनगारी
मोजणें+	गिनना	कादंबरी	उपन्यास
पोरगा	छोकरा	उतरण	उद्धरण
खोकला	खांसी	गोंधळ	उलटपलट
माप	तौल	एकटा	अकेला
पोती	बोरा	दुकटा	दुकेला
विकत	मोल	तुपट	घीकीजैसी वू
गिन्हाइक	ग्राहक	माज+	मस्ती
सवंग	सस्ता	अढळणें	मुलाकात
महाग	मंहगा	अणकुची	नोक
अदपाव	आधपाव	अग	स्त्रियों का सम्बोधन
पायली	पसेरी		
सेर अच्छेर	सेर आधसेर	अंतुरी	स्त्री, दास
स्वस्त	सस्ता	अंथरणें	बिखेरना
माग	करघा	अण्णा	पुरुष के लिए सादर सम्बोधन
सारखा	समान		
पुढारी+	अगुवा, नेता		
ठेंच	चित्त	अपेश	अपयश
चैनबाजी	अय्याशी	अबब	अरे-रे-रे

उच्चारण—+ज़रतार, ज़ासूद, मोज़णें, पुढ़ारी, टांच़णी, माज़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
अवा	पुरुष के लिए सादर सम्बोधन	अडमिळकत*	ऊपरीआमद
		अस्करा	प्रसिद्धि
अबूपत्र	प्रशंसापत्र	आकूत	मतलब
अरवचरव	मोटाधोटा	आगमाग	पता, चिह्न
अवई	अफ़वाह	आंगवण	शक्ति
अवघा	कुल	आगेंमागें	आगेपीछे
अवडणें	पसन्दगी	आचका	हचका
अजारी*	बीमार	पूड	चूर्ण
अजार	बीमारी	वहिवाट	चालचलन
अजिंक*	अजेय	हमाल	कुली
अजुरा	मजूरी	मुका	चुंबन
अजुर्दार	मजदूर	नवस	मानमंता
अटप	इन्तजाम	अचोज*	आश्चर्य
आठवण*	याददाश्त	अजपत्र	अभिप्रायपत्र
अठवणूक	स्मारक	अठवें	आधसेरकी माप
औट	साढ़ेतीन	किरकोळ	फुटकर
अडखर्च*	फुटकर खर्च	अधोली	दोसेर की माप
अडचें*	ढाई	अनाइकी	अराजकता
अडणी	तिपाई	आठव	स्मरण
अडत	आढ़त	आरशी	चश्मा, ऐनक
अडनांव*	आस्पद, Surname	उकाळा	काढ़ा, काथ
		उजवण	विवाह

उच्चारण—*अज़ारी, अज़िंक, अड्खर्च, अड्चें, अड्नांव, अड्मिळ्कत, अचोज़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
उन्हवणी	गुनगुना पानी	गब्बर	श्रीमंत
मापटें	आधा सेरकी माप	गुदगुली	गुदगुदी
कंत्राट	ठेका	चवाठा+	चौरस्ता
कंपू	छावनी	चिपटें	पव्वा (माप)
कारंजे+	फव्वारा	चिलवें	आधी छटाक की माप
कुंटन	कुटनी		
कुपा	बोतल	चुणूक	नमूना
कुपी	शीशी	छत्री	छाता
तुरुंग	जेल	जनस्थान	नासिक शहर
कोरकें	अन्न का सीधा	ठाणक	देवस्थान
खडवा	खड़ाऊं	जानवें	यज्ञोपवीत
कोळवें	आधपावकी माप	जाहिरात	विज्ञापन
खंडी	बीस मन की माप	जिरवण	पाचक दवा
खिळा	कीला	जीवश्चकंठश्च	हार्दिक मित्र
माशालजी	मशालची	जुगार+	जुवां
वातमी	खबर	झगरें+	अहरा(कंडेकीआग)
माहती	,,	तासडपट्टी+	हजामत
गंगाभागीरथी	विधवा स्त्री	तिठा	तिराहा
गताळका	अकेशा विधवा	तिंदा	तीनबार
गडी+	मित्र	तिरुका	पाव आना
गडणी	मैत्रीण	तेरीख	तारीख
टिळा	तिलक	थोरवी	वड़प्पन

उच्चारण—+कारंज़े, गड़ी, चवाठा, ज़ुगार, झ़गरें, तासड़पट्टी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
नंदभाषा	दलालों की गुप्त भाषा	लांच*	रिश्वत
		लागसर	जल्द
निकाढा	दूसरी बार पकाया गया काढ़ा	लहारी	तीन आने का सिक्का
		रास्त	सच्चा
पाशेरी	पसेरी	मोलारी	मज़दूर
पेटी	हारमोनियम बाजा	मोलारीण	मज़दूरनी
		लोहारसाळ	लोहारखाना
पाणपोई	पौसरा	वसतिगृह	ढाबा
फज्जा*	फजीहत	कोंबट	गुनगुना
फेस	फेना	शेजी*	पड़ोसिन
वावटा	झंडा	सत्र	सदावर्त
बिऱ्हाड	भाड़े का मकान	सहल	सैर
बोगदा	सुरंग	साहना	फौज
भाळ	शपथ	चिटणीस	सेक्रेटरी
मंडई	मंडो, शाकभाजी का बाजार	सोगण	सौगंध
		चव*	स्वाद
वलक	गूदा	हगाड*	बंपुलिस
पापुद्रा	बकला	हातउसणा	हथउधार
दुखवटा	मातम पुरसी	पाठबळ	हिमायत

उच्चारण—*फ़ज़्ज़ा, लांच़, शेज़ी, च़व, हगाड़.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

षष्ठ-प्रकरण.

संख्याविवेचन

संख्या के कुछ अक्षरों को छोड़कर बाकी सब हिन्दी भाषा की तरह लिखे जाते हैं, मगर बहुतों के उच्चारण में भिन्नता है।

१ एक	१४ चौदा¶	२७ सत्तावीस
२ दोन	१५ पंधरा	२८ अट्ठावीस
३ तीन	१६ सोळा	२९ एकोणतीस
४ चार†	१७ सतरा	३० तीस
५ पांच†	१८ अठरा	३१ एकतीस
६ सहा	१९ एकोणीस	३२ बत्तीस
७ सात	२० वीस	३३ तेतीस
८ आठ	२१ एकवीस	३४ चौंतीस¶
९ नौ, नऊ	२२ बावीस	३५ पसतीस
१० दहा	२३ तेवीस	३६ छत्तीस
११ अकरा	२४ चोवीस	३७ सदतीस
१२ बारा	२५ पंचवीस¶	३८ अडतीस‡
१३ तेरा	२६ सव्वीस	३९ एकोण चाळीस

उच्चारण—†चार, पांच ¶चौदा, पंचवीस, चौंतीस ‡अडतीस.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४०	चाळीस	६१	इकसष्ठ	८१	इक्यांयशीं
४१	इंकेचाळ-ळीस	६२	बासष्ठ	८२	ब्यांयशीं
४२	बेचाळ-ळीस	६३	त्रिसष्ठ	८३	त्र्यांयशीं
४३	त्रेचाळ-ळीस	६४	चौंसष्ठ	८४	चौऱ्यांयशीं*
४४	चव्वेचाळ-ळीस	६५	पांसष्ठ	८५	पंच्यांयशीं*
४५	पंचेचाळ-ळीस*	६६	शहासष्ठ	८६	श्यांयशीं
४६	शेंहचाळ-ळीस	६७	सड्डुसष्ठ*	८७	सत्यांयशीं
४७	सत्तेचाळ-ळीस	६८	अड्डुसष्ठ*	८८	अट्ठ्यांयशीं
४८	अट्ठेचाळ-ळीस	६९	एकोणहत्तर-सत्तर	८९	नव्यांयशीं
४९	एकोण पन्नास	७०	हत्तर, सत्तर	९०	नव्वद
५०	पन्नास	७१	इक्याहात्तर	९१	इक्याण्णों
५१	इक्कावन	७२	बहात्तर	९२	ब्याण्णों
५२	बावन	७३	त्र्य्हात्तर	९३	त्र्याण्णों
५३	त्रेपन	७४	चौऱ्हात्तर	९४	चौयाण्णों*
५४	चोपन*	७५	पंच्याहत्तर	९५	पंच्याण्णों
५५	पंचावन*	७६	श्यहात्तर	९६	श्यहाण्णों
५६	छप्पन	७७	सत्याहत्तर	९७	साण्णों
५७	सत्तावन	७८	अट्ठ्याहत्तर	९८	अठ्याण्णों
५८	अट्ठावन	७९	एकोणऐंशीं	९९	नव्व्याण्णों
५९	एकोण साठ	८०	ऐंशीं	१००	शंभर
६०	साठ				

उच्चारण—*पंचेचाळ, चोपन, पंचावन, सड्डुसष्ठ, चौऱ्यायशीं, पंच्यांयशीं, चौयाण्णों.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

एकं	लक्ष	खर्व
इकाई	**लाख**	**खर्व**
दहं	दशलक्ष	निखर्व
दहाई	**दसलाख**	महापद्म
शतं	कोटि	शंकु
सैकड़ा	**करोड़**	जलधि
सहस्र	दशकोटि	अंत्य
हजार	**दसकरोड़**	मध्य
दशसहस्र	अब्ज	परार्ध
दस हजार	**अरब**	

अर्धा	दीड	पाव
आधा	**डेढ़**	**पाव**
पौण	अडीच*	
पौन	**अढाई**	
सवा	निम्मा	
सवा	**आधा**	

उच्चारण—*अड़ीच्.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१ला
पहिला

२रा
दुसरा

३रा
तिसरा

४था
चौथा*

५वां
पांचवा*

६वां
सहावा

७वां
सातवा

८वां
आठवा

९वां
नववा

१०वां
दहावा

११वां
अकरावा

२०वां
बिसावा

३०वां
तिसावा

४०वां
चाळीसावा

५०वां
पन्नासावा

६०वां
साठावा

७०वां
सत्तरावा

८०वां
पैंशींवा

९०वां
नव्वदावा

१००वां
शंभरावा

उच्चारण—*च़ौथा, पांच़वा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सप्तम प्रकरण.

वाक्य और वाक्यांश

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
मी आहे	मैं हूं	तो होता	वह था
आम्ही आहों	हम हैं	ते होते	वे थे
तूं आहे	तू है	हा होता	यह था
तुम्ही आहां	तुम हो	हे होते	ये थे
तो आहे	वह है	ती होती	वह थी
ते आहेत	वे हैं	ही होती	यह थी
हा आहे	यह है	मी असेन	मैं हूँगा
हे आहेत	ये हैं	आम्ही असूं	हम होंगे
मी होतों	मैं था	तूं असशील	तू होगा
आम्ही होतों	हम थे	तुम्ही असाल	तुम होगे
तूं होता	तू था	तो असेल	वह होगा
तुम्ही होतां	तुम थे	ते असतील	वे होंगे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.	मराठी.	हिन्दी.
हा असेल	यह होगा	मी जात होतों	मैं जाता था
हे असतील	ये होंगे	मी जाऊं ?	मैं जाऊं ?
ही, ती, असेल	यह, वह, होगी	तिथे जा*	वहां जाओ
ह्या,त्या, असतील	ये, वे, होंगी	इथे या	यहां आओ
मी जातो*	मैं जाता हूँ	त्याला उचल*	उसको उठा
आम्ही जातों*	हम जाते हैं	मला दे	मुझे दे
तो जात आहे*	वह जाता है	मला द्या	मुझको दो
ते जात आहेत*	वे जाते हैं	हें घ्या	यह लो
मी गेलों	मैं गया	इकडे बघ	इधर देख
हा गेला	वह गया	हें नका करूं	यह मत करो
ते गेले	वे गये	मला नको	मुझे नहीं चाहिये
तुम्ही गेलां	तुम गये	तुला हवें ?	तुझे चाहिये ?
मी जाईन*	मैं जाऊंगा	चोरी करूं नका*	चोरी मत करो
तुम्हीं जाल*	तुम जाओगे	त्याला सोडून दे	उसको छोड़ दे
तो जाईल*	वह जायगा	हें काम करा	यह काम करो
ते जातील*	वे जायंगे	आई घरीं आहे	माता घर पर है
तूं जाशील*	तू जायगा	भाऊ निजला आहे*	भाई सोया है
आम्ही जाऊं*	हम जायंगे	दार उघडा*	दरवाजा खोलो

उच्चारण—*ज़ातो, ज़ातों, ज़ात, ज़ाईन, ज़ाल, ज़ाईल, ज़ातील, ज़ाशील, ज़ाऊं, ज़ा, उच़ल, च़ोरी,निज़ला, उघड़ा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.
नेहमीं खरें बोलावें.	हमेशा सच बोलना चाहिये.
वडिलांचे ऐकावें*	बड़ों की सुनना चाहिये.
गरीबां वर दया करावी.	गरीबों पर दया करनी चाहिये.
त्याला दोन पैसे दे.	उस को दो पैसे दे.
मला तहान लागली आहे.	मुझे प्यास लगी है
शेळी दूध देते.	बकरी दूध देती है.
मुंगूस सांपास खातो.	नेवला सांप को खाता है.
शाई तांबडी आहे*	स्याही लाल है.
मुलानों उठा सकाळ झाली*	लड़को उठो सबेरा हुआ.
चूळभरा, तोंडधुआ.	कुल्ला करो, मुंह धोओ.
लाडूखाऊन आपली पुस्तक वाचा.	लड्डूखाकर अपनी पुस्तक पढ़ो.
उठा, आंघोळ करा आणि जेवा.	उठो, स्नान कर भोजन करो.
गुराखी गाई चारितो.	चरवाहा गौवें चराता है.
बागेंत पेरू फार लागले आहे*	वगीचे में अमरूद बहुत लगे हैं.
उद्यां तुम्हीं येऊं नका.	कल तुम मत आना.
मी सर्व करून घेईन.	मैं सब करलूंगा.
मी उद्यां मुंबईस जाईन.	मैं कल वंबई जाऊंगा.
भिंतीवर थुंकू नका.	दीवार पर मत थूको.

उच्चारण—*वड़िलांचे, तांबड़ी, झ़ाली, फ़ार.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.
आंधळ्या वर दया करा.	अन्धे पर दया करो.
आतां वन शोभिवंत दिसतें.	अब जंगल शोभायमान दीखता है.
गाय चरत आहे.	गाय चरती है.
हिरव्या गवतानें भुई झांकली आहे.	हरी घास से ज़मीन ढकी है.
झाडांनां नवीं पानें आलीं.	पेड़ों में नये पत्ते आये.
पानें वाळून गेलीं.	पत्ते सूख गये.
सौंदर्य नष्ट झालें.	सुन्दरता नष्ट होगई (हुई).
पळसाला तीन पानें असतात.	ढाक में तीन पत्ते होते हैं.
बाभळीला फार कांटे असतात.	बबूल में बहुत कांटे होते हैं.
कोल्ह्यास द्राक्षें फार आवडतात.	लोमड़ी को अंगूर बहुत भाते हैं.
पोपट पेरू आणि बोरें खातो.	तोता अमरूद और बेर खाता है.
कोकिळा काळी असते.	कोयल काली होती है.
तोंड वासूं नको.	मुख मत फैला.
डोळा लवत आहे.	आंख फड़कती है.
हात जाड दिसतो.	हाथ मोटा दिखता है.
त्याचा एक पांय कापून टाकला.	उस का एक पैर काट डाला.
बोट भाजून गेलें.	अंगुली जल गई.
त्याला नाकच नाहीं.	उसके नाक ही नहीं है.
माझे कान फुटके आहेत.	मेरे कान टूटे हैं.
कपाळ दुखत आहे.	माथा दुखता है.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.
दांत स्वच्छ ठेवावे.	दांत साफ रखना चाहिये.
केंस पांढरे झाले.	बाल सफेद हुए.
आई मला वाडगाभरून दूधदे.	मां मुझे कटोरा भरकर दूधदे.
आज मी चांदीचा पेला घेईन.	आज मैं चांदी का प्याला लूंगा.
यमुना जा आंगघू आणि जेव.	यमुना जा नहा और खा.
वरण भात खा.	दाल भात खाओ.
शिळी पोळी खाऊं नका.	बासी रोटी मत खाओ.
त्याच्या कडून भोंपळा घेऊन ये.	उसके पास से लौकी ले आ.
आण, मला दे.	ला, मुझे दे.
विठूला अंथरुणावर निजवून दे.	विठू को बिछौने पर सुलादे.
आंगा वर पांघरूणघ्या.	शरीर पर ओढ़नी (ओढ़) लो.
फणीनें केंस विंचरा.	कंघी से बाल पेंछो.
डोकींत उआ पडतील.	सर में जुएं पड़ जांयगे.
सदरा साबूंनं स्वच्छ निघेल.	कुरता साबुन से साफ होगा.
पाणी कोमट करून प्या.	पानी गुनगुना करके पिओ-
कढत पाण्यानें आंग भाजेल.	गरम पानी से बदन जलेगा.
पाणी उकळून राहिलें आहे.	पानी उबल रहा है.
मुलांनों शाळेस जा.	बच्चो स्कूल जाओ.
सुटीझाली म्हणजे घरीं परत या.	छुट्टी होते ही घर लौटकर आओ.
वाटेंत गमूं नका.	रास्ते में समय मत खोना.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी.
वाटेंत वेळ गमवूं नका.	रास्ते में समय मत खोना.
मी उद्यां दुसरा धडा घेईन.	मैं कल दूसरा सबक लूंगा.
गुरुजी मला मारतील.	मास्टर मुझे मारेंगे.
शाळेंत मन लावून शिकावें.	स्कूल में दिल लगाकर सीखना चाहिये.
सोनूं फार उनाड आहे.	सोनू बहुत उद्दंड है.
पांडू हट्टी मुलगा आहे.	पांडू हठी लड़का है.
मामा नेहमीं खरं बोलतात.	मामा हरदम सच बोलते हैं.
गणू आपला पोशाक कर.	गणु अपनी पोशाक पहन.
त्याचा सदरा किती मळकट आहे.	उसका कुरता कितना मैला है.
रामा मला आवडत नाहीं.	रामा मुझे अच्छा नहीं लगता.
काशी माझी चुलत बहीण आहे.	काशी मेरी चचेरी बहिन है.
चला, लपंडाव खेळूं.	चलो, आंखमिचौनी खेलें.
रविवारी शाळेची सुटी असते.	इतवार को स्कूल की छुट्टी होती है.
ती बघ, मांजर आली.	वह देख, बिल्ली आई.
हा कुत्रा वाघा प्रमाणें दिसतो.	यह कुत्ता शेरकी तरह दिखता है.
हें भिंतीवर काय टांगलें आहे.	यह दीवार पर क्या टंगा है ?
मास्तर आम्हांला बागेंत नेतील.	मास्टर हमको बगीचे में ले जायंगे.
कशी काय मौज झाली ?	कैसी क्या मौज हुई ?
या आपण घोडा घोडा खेळूं.	आओ हमलोग घोड़ा-घोड़ा खेलें.
मला ते सगळे पेरू पाहिजेत.	मुझे वे सब अमरूद चाहिये.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मराठी.	हिन्दी
तिला थोडासा खाऊ द्या.	उसको थोड़ासा खाने को दो.
काका, शिंपी अजून आला नाहीं.	चाचा, दरजी अवतक नहीं आया.
काशी आपलपोटी आहे.	काशी खुदग़र्ज़ है.
एका तळ्यांत पुष्कळ बेडूक होते.	एक तालाब में बहुत से मेढक थे.
दगड मारूं नका.	पत्थर मत मारो.
हें ऐकून तो चालता झाला.	यह सुनकर वह चलता हुआ.
माझा बाळ अगदीं शाहणा आहे.	मेरा बच्चा बिलकुल होशियार है.
हें फुलपांखरूं पहा.	यह तितली देखो.
त्या बापड्याचे हाल चालले आहेत.	उस वेचारे की दुर्दशा हो रही है.
मुक्या प्राण्यांवर दया करावी.	मूक प्राणियों पर दया करनो चाहिये.
रामा ठेंच लागून पडला.	रामा ठोकर खाकर गिर पड़ा.
त्याची पाटी फुटली.	उसकी स्लेट फूटगई.
कपडे धुळीनें मळले.	कपड़े धूल से मैले होगये.
तो रडत रडत घरीं आला.	वह रोते रोते घर आया.
माझी आई मजवर रागावेल.	मेरी मां मुझ पर गुस्सा होगी.
वाघास पाहून माझी गाळण उडाली	शेरको देखकर मेरे होश उड़ गये.
पोरगा भिऊन पळून गेला.	लड़का डर कर भाग गया.
दीनाची कींव करा.	गरीब पर दया करो.
भगवान तुमचें कल्याण करो.	भगवान तुम्हारा कल्यान करे.
ह्या सांपळ्यांत दोन उंदीर आहे.	इस पिंजड़े में दो चूहे हैं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तो तुला ठार करील. वह तुझे जान से मार डालेगा.

गोपाळ अतिशय हावरा आहे. गोपाल बड़ा असक्ती है.

मला तहान लागली आहे. मुझे प्यास लगी है.

आतां मी हें भांडें कलंडतों.

अब मैं यह बर्तन लुढ़काता हूँ.

पाणी पिऊन त्यानें आपली तहान भागविली.

पानी पीकर उसने अपनी प्यास बुझाई.

चला, ओढ्यावर जाऊन आंघोळ करूं.

चलो, झरने पर जाकर स्नान करें.

उन्हाळ्यांत गार पाणी पिणें चांगलें वाटतें.

गरमी में ठंढा पानी पीना अच्छा लगता है.

संध्याकाळी आपण खेळ पाहाण्यास चलूं.

शामको हम लोग खेल देखने चलेंगे.

तो पोरगा अगदीं वेडगळ दिसतो.

वह लड़का बिलकुल पागल सा दीखता है.

दादा, यमू कशा साठीं रडत आहे ?

दादा, यमू (यमुना) किस लिये रोती है ?

तुम्हीं त्याला चांगलें वळण लाविलें आहे.

तुमने उसे अच्छी रीति पर लगाया है.

गणूनें मला उगाच ढकलिलें.

गणू (गणपति) ने मुझे व्यर्थ ही ढकेल दिया.

रामदासस्वामी शिवाजी महाराजांचे गुरू होते.

रामदास स्वामी शिवाजी महाराज के गुरु थे.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शिकाऱ्यास एक हरणी चरत आढळली.
शिकारी को एक हिरनी चरते हुए दीखी.

ती केविलवाणें तोंड करून त्याजकडे पाहूं लागली.
वह दीनता से उसकी तरफ देखने लगी.

आनंदानें उड्यामारीत निघूनगेली.
आनन्द से छलांगें मारते निकल गई.

केलेले उपकार देवाकडे रुजू आहे.
किये हुए उपकार भगवान् के यहां जमा है.

सूर्य ताटा सारखा वाटोळा दिसत आहे.
सूर्य थाली जैसा गोल दीखता है.

पहा, आतां तो मावळूं लागला.
देखो, अब वह डूबने लगा.

आकाशांत चांदण्या दिसूं लागल्या.
आकाश में तारे दीखने लगे.

आम्हीं आणि गोपाळ आंगणांत खेळत होतां.
हम और गोपाल आंगन में खेलते थे.

संध्याकाळीं आभाळांत ढग जमले व पावसाचे थेंब पडूं लागले.
शाम को आकाश में बादल इकट्ठे हुए और बारिश की बूंदें पड़ने लगीं.

थोड्या वेळांने पागोळ्या गळूं लागल्या.
थोड़ी देर बाद उरौती चूंने लगीं.

गढूळ पाणी वाहूं लागले.
मैला पानी वहने लगा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अमळशानें पाऊस थांवला.

थोड़ी देर वाद पानी रुका.

मातीचें ढेकूळ पाण्यांत टाकिलें तर तें विरघळतें.

मिट्टी का ढेला पानी में डाला कि वह खिल जाता (फैलता) है.

काळ्या मातीच्या वाटेंत चिखल फार असतो.

काली मिट्टी के रास्ते में कीचड़ बहुत होता है.

कथील पांढरें असतें पण जरा मळकट दिसतें.

रांगा सफेद होता है परन्तु जरा मैला दीखता है.

तुम्हीं नाणीं पाहिलीं आहेत का ?

तुमने सिक्के देखे हैं क्या ?

तीन पया दिले कीं एक दिडकी मिळते.

तीन पाई देने पर एक पैसा मिलता है.

दोन पैशांचा एक ढबू होतो.

दो पैसे का एक अधन्ना होता है.

दिडकीला पैसा देखीऊ म्हणतात.

दिड़की को पैसा भी कहते हैं.

आठ चवल्या किंवा चार पावल्या चा एक रुपया होतो.

आठ दुवन्नी अथवा चार चवन्नियों का एक रुपया होता है.

दोन अधेल्या चाही एक रुपया हेतो.

दो अठन्नियों का भी एक रुपया होता है.

घार मांस खाते.

चील्ह मांस खाती है.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पाणकोंबडी पाण्यांत बुडून मासोळी धरते.
पनडुब्बी पानी में डूब कर मछली पकड़ती है.

मुसलमान लोक कोंबड्या बाळगतात.
मुसलमान लोग मुर्गियां पालते हैं.

पोर पाळण्यांत निजलें आहे.
बच्चा पलने में सोरहा है.

त्यांनीं आपली गाडी जुंपली.
उन्होंने अपनी गाड़ी जोती.

धान्य वाळत आहे.
अनाज सूखता है.

खळ्यांत अजून बरेंच धान्य आहे.
खलिहान में अब भी बहुत अनाज है.

टोपल्या धान्यानें भरल्या आहेत.
डलियां अनाज से भरी हुई हैं.

रामजी ची बायको घरीं नाहीं.
रामजी की स्त्री घर में नहीं है.

त्याला बोलावून आण.
उस को बुलाकर ला.

मला मळमळत आहे.
मुझे उमछाता (मेरा जी मिचलाता) है.

शाहू राजानें बाळाजी बाजीरावास पेशवा केलें.
शाहूराजा ने बालाजी बाजीराव को पेशवा बनाया.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गोपाळाला मुंबई येथें कैद केलें.
गोपाल को बंबई में कैद किया.

तो सुरतेस तुरुंगांत आहे.
वह सूरत की जेल में है.

तुरुंगांत जाऊन त्याला पांच वर्षे झालीं.
जेल में गये उसे पांच वर्ष हुए.

आणखी दोन वर्षांनंतर त्याची सुटका होईल.
और दो वर्षों बाद उसका छुटकारा होगा.

कृष्णानें साहाय्य करून पांडवांचें रक्षण केलें.
कृष्ण ने सहायता करके पांडवों की रक्षा की.

तो असें सहज बोलून गेला.
वह ऐसा सहज ही में कह गया.

मी त्याचा तोंडून असे वाईट शब्द कधींही ऐकलें नाहींत.
मैंने उसके मुंह से ऐसे बुरे शब्द कभी भी नहीं सुने.

धर्माची व्याख्या पुष्कळप्रकारें करता येते.
धर्म की व्याख्या बहुत तरह से करने में आती है.

मी आज येऊं शकत नाहीं.
मैं आज आ नहीं सकता.

आई मुलांस जेवूं घालते.
मां बच्चों को भोजन खिलाती है.

मातृप्रेम जगांत सर्वोत्कृष्ट आहे.
मातृप्रेम संसार में सब से ऊंचा है.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मारुती रामाचे दास आहे.
हनुमान राम का दास है.

रामानें रावणांस मारिलें.
रामने रावण को मारा.

आज मी पंढरपूरच्या यात्रेस जाणार आहे.
आज मैं पंढरपूर की यात्रा को जाने वाला हूँ.

माझी मावशी कोल्हापुरास गेली होती.
मेरी मौसी कोल्हापुर गई थी.

ईश्वराची शक्ति किती मोठी आहे, हें आपणांस सांगतायेणार नाहीं.
ईश्वर की शक्ति कितनी बड़ी है, यह हम कह नहीं सकते.

मनुष्यें, जनावरें, पक्षी इत्यादि प्राणी ईश्वरानेंच उत्पन्न केले आहेत.
मनुष्य, जानवर, पक्षी इत्यादि प्राणी ईश्वर नेही पैदा किये हैं.

ईश्वराच्या शक्तिनें गवत रुजतें, धान्य पिकतें आणि झाडांना फुलें व फळें येतात.
ईश्वर की शक्ति से घास उगती है, अनाज, पैदा होता है और पेड़ों में फूल व फल लगते हैं.

ईश्वर आपणाला दिसत नाहीं, पण आपण जे काहीं करितों तें सर्व त्याला दिसतें.
ईश्वर हम लोगों को दीखता नहीं, परन्तु हम जो कुछ करते हैं वह सब उसे दीखता है.

ईश्वराला आपण नित्य भजावें.
ईश्वर को हमें नित्य भजना चाहिये (ईश्वर का भजन हमें रोज करना चाहिये.)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अरब देशांत एक दरवडेखोर होता, तो दिवशां रात्रीं मनास वाटेल त्या वेळी दरवडे टाकीत असे.

अरब देश में एक डाकू था, वह दिन को रात को जब दिल में आता तब डांके डालता था.

तानाजी मालुसरे हा शिवाजी महाराजांचा उजवा हात होता.

तानाजी मालुसरे यह शिवाजी महाराज का दाहिना हाथ था.

सिंहगढावर स्वारी करून आपले प्राण स्वामी कार्यांत खर्ची टाकून गढ जिंकून जगांत यश मिळविलें.

सिंहगढ़ पर चढ़ाई करके अपने प्राण स्वामि-कार्य के लिये खोकर गढ़ जीत कर संसार में यश प्राप्त किया.

प्रत्येक मनुष्याच कर्तव्य देशभक्त, स्वामिभक्त तानाजी मालुसरे सारिखें असलें पाहिजे.

हर एक मनुष्य का कर्त्तव्य देशभक्त, स्वामिभक्त, तानाजी मालुसरे की तरह होना चाहिये.

धर्मस्थापनेस जगद्गुरु शंकराचार्यांच जन्म झाले.

धर्मस्थापन करने के लिये जगद्गुरु शंकराचार्य का जन्म हुआ.

ध्रुवानें ईश्वराची भक्ति करून अढळ पद प्राप्त केलें.

ध्रुव ने ईश्वर की भक्ति करके न ढलने वाला (अचल) पद प्राप्त किया.

गाईचें शेण किती उपयोगी आहे हें सर्वांस ठाऊक आहे.

गाय का गोबर कितना उपयोगी है यह सब को मालूम है.

गाढव अगदीं घोड्या सारखें दिसतें.

गदहा बिलकुल घोड़े की तरह दीखता है.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गाढवाचे कान लंबे असतात व त्याच्या शेपटीस गाईच्या शेपटी सारखा गोंडा असतो.

गधे के कान लंबे होते हैं और उसकी दुम में गाय की पंछ की तरह झब्बा होता है.

खेचर गाड्या ओढण्यांस व ओझीं, वाहण्यांस फार उपयोगी पडतं, कारण तें फार बळकट असतं.

खच्चर गाड़ियां खींचने व बोझे को ढोने में बहुत उपयोगी पड़ता है, क्योंकि वह बहुत मज़बूत होता है.

खेचर इंग्रज लोक फार बाळगतात.

खच्चर अंग्रेज़ लोग बहुत पालते हैं.

तो पहा, तेथें कोंबडा मोठ्यानें आरवत आहे, तरी पायां जवळचे दाणे पटापट टिपून खात आहेत.

वह देखो, वहां मुर्गा जोर से बांग देता है, तब भी पैरों के पास के दाने सपाटे से बीन कर खाता है.

एकाद्या डोंगराच्या शिखरावर बसून तुम्हीं आसपासचा देखावा कधीं पाहिला आहे काय ?

किसी एक पहाड़ की चोटी पर बैठकर तुमने आसपास का दृश्य कभी देखा है क्या ?

मुंग्या दररोज सूर्य उगवल्या पासून सूर्य मावळे पर्यंत एक सारख्या खपून धान्याचा संग्रह करितात.

चींटियां हररोज सूर्योदय से लेकर सूर्य डूबने तक लगातार खप कर अनाज का संग्रह करती हैं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

एका बागेंत मुंग्यांचें एक वारूळ होतें, त्यांत पुष्कळ मुंग्या राहात होत्या.

एक बगीचे में चींटियों की एक बामी थी, उसमें बहुत सी चींटियां रहती थीं.

समुद्राचें पाणी फार खारट असतें, हें मीं नुकतेंच वाचिलें आहे.

समुद्र का पानी बहुत खारी होता है, यह मैंने अभी अभी पढ़ा है.

समुद्राच्या पाण्यांतूनच मीठ काढितात, असें मला वाटतें.

समुद्र के पानी से ही नमक निकालते हैं ऐसा मुझे मालूम पड़ता है.

मीठ पिकविण्याचा कारखाना ज्या जागीं असतो, त्या जागेस मिठागर म्हणतात.

नमक बनाने का कारखाना जिस जगह होता है, उस जगह को मिठागर कहते हैं.

त्या दिवशीं सगळें साहित्य तयार होतें, पण मासे मिळत ना; कां कीं, आदल्या रात्रीपासून वादळ होऊन दर्या फार खवळला असल्यामुळें मासे धरण्यास जाण्याला कोणी धजेना.

उस दिन सब सामान तैयार था, परन्तु मछलियां न मिल सकीं; क्योंकि, गत रात्रि से बादल उमड़ रहे थे और दरिया बहुत उत्तेजित होने के कारण मछलियां पकड़ने के लिये कोई तैयार न था.

ते उत्तम प्रतीचे मासे पाहून सुभेदारास फार आनंद झाला; आणि माशांची काय पाहिजे ती किंमत मागण्यास त्यांनीं त्याला सांगितलें.

ऐसी अच्छी किस्म की मछलियां देख कर सूबेदार को बहुत आनंद हुआ; और मछलियों की क्या चाहिये वह क़ीमत मांगने को उसने उससे कहा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त्यांनीं त्याची पुष्कळ समजूत घातली, पण तो ऐकेना; आपलाच हेका धरून बसला.

उसने उसको बहुत समझाया, परन्तु वह सुनता ही नहीं था, अपनी ही हठ पकड़ बैठा.

आम्हांसतर माशांची गरज; त्यांवांचून आमचा खोळंबा झाला आहे; तर फटके हळूहळू मारून, त्याच्या म्हणण्याप्रमाणें माशांची किंमत त्याला आमच्या समक्ष द्या.

हम को तो मछलियों की गरज है; उनके बिना हमारा सब रुका हुआ है; तो कोड़े धीरे धीरे मारकर, उसके कहने के मुताबिक मछलियों की कीमत हमारे सामने दो.

अरे नीचा, एथून निघून जा, तुझ्यासारख्या हलकटावर हात टाकणें मला योग्य वाटत नाहीं.

अरे नीच, यहां से निकलजा, तेरे समान तुच्छ पर हाथ डालना मुझे शोभा नहीं देता.

असें बोलून तो एकदम त्याच्या नाकांत शिरला, आणि तेथें त्यानें त्याला सडकून मोठा चावा घेतला.

ऐसा कह कर वह तुरन्त उसकी नाक में घुस गया, और वहां उसने उसको कटकटाकर जोर से काट खाया.

रुप्याच्या पानांचीं आणि सोन्याच्या फुलांचीं अशीं शेंकडों झाडें मिळण्यापेक्षां हें तुझें खरें बोलणें मला अधिक मोलाचें वाटत आहे.

चांदी के पत्तों के और सोने के फूलों के ऐसे सैकड़ों पेड़ मिलने के बजाय यह तेरा सच बोलना मुझे अधिक मूल्य का मालूम होता है.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बाभळीच्या खोडावर डीक सांचतो, तो त्या झाडांतील रसच आहे.

बबूल के तने पर गोंद इकट्ठा होता है, वह उस पेड़ का रस ही है.

पहिल्या दिवशींच त्यानें चित्रें रेखाटण्यास सुरवात केली, तेव्हां पेन्सिलीनें कागदावर काढलेल्या रेघा त्याला रबरानें वारंवार पुसाव्या लागल्या.

पहिले दिन ही उसने चित्र खींचने के लिए शुरुवात की, तब पेन्सिल से कागज पर खींची हुई लकीरें उस को रबर से वारंवार पोंछना पड़ीं.

त्यांतील कांहीं कविता इतक्या मौजेच्या आहेत कीं, आजेदखील हौसेनें चांगल्या चालींवर त्या म्हणाव्या, असें तुम्हांस वाटेल.

उस में को कुछ कविताएं इतनी सुन्दर हैं कि आज भी हौसले से अच्छी चाल (लय) पर उन्हें कहें, ऐसा तुम्हें मालूम पड़ेगा.

गोपाळ म्हणाला, पाऊस पडला म्हणेज रस्त्यांत व शेतांत उंच जागे कडून सखल जागे कडे पाणी कसें वाहात जातें, तें आपण पाहातोंच.

गोपाल बोला, पानी बरसा कि रास्तों में तथा खेतों में ऊँची जगह से ढालू जगह की तरफ पानी कैसे बह कर जाता है, वह हम लोग देखते ही हैं.

ह्या शहरांत जें एक हायस्कूल म्हणजे एक मोठी इंग्रजी शाळा आहे, त्या शाळेचे हेडमास्तर, व जिल्ह्यांतील शाळा, तपारसणारे डेप्युटी इन्सपेक्टर हे दोन शाळाखात्याचे अधिकारी आहेत.

इस शहर में जो एक हाई स्कूल अर्थात् एक बड़ा अंग्रेज़ी स्कूल है, उस स्कूल क मुख्याध्यापक, तथा जिले के स्कूलों की देखरेख करने वाले डिपुटी इन्सपेक्टर ये दोनों शिक्षाविभाग के अधिकारी हैं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मागें एकदां कांहीं शिपाई, एका चोराला धरून, आपल्या घरावरून चालले असतां, आईनीं आपणाला काय सांगितलें होतें. ?

पीछे एक मर्तबा कुछ सिपाही एक चोर को पकड़कर जब हमारे घर के सामने जारहे थे तब मांने हम लोगों से क्या कहा था ?

आई म्हणाली होती कीं माणसे पहिल्याने लहानलहान पापें करितात, आणि तीं पचलीं म्हणजे हळूहळू मोठमोठीं पापें करूं लागतात.

मां ने कहा था कि, मनुष्य पहिले छोटे छोटे पाप करते हैं, और वे हज़म हुए कि धीरे धीरे बड़े बड़े पाप करने लगते हैं.

आंबराईचा धनी कुंपणाच्या आड काम करीत असतानां त्याच्या कानीं हें सगळें बोलणें पडलें, तेव्हां त्याला मोठें आश्चर्य वाटलें.

बारी की ओट में काम करते हुए अमराई के मालिक के कान में यह सब कथन पड़ा तब उसको बहुत बड़ा अचंभा मालूम हुआ.

देव आपणांस नेहमीं पाहातो, हें कानीं पडतांच त्या पापाच्या वासने पासून त्याचें मन मागें वळलें, आणि तो गोपूस म्हणाला, भाऊ तूं मला अगदीं वेळेवर बोललास, हें फार चांगलें केलेंस.

ईश्वर हम लोगों को सदा देखता है, यह सुनते ही उस पाप की वासना से उसका दिल पीछे फिरा, और वह गोपू से बोला, भाई तूने यह मुझ से ऐन वक्त पर कहा, यह बहुत अच्छा किया.

पोट भरलें म्हणजे ढेकर यावयाचीच, आत्माराम तृप्त झाला कीं तोंडानें दुवा यावयाचाच.

पेट भरने पर डकार आवेगी ही, आत्मा तृप्त होने पर मुख से आशीर्वाद आवेगा ही.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अशा गोष्टी जगांत पुष्कळ आहेत कीं, त्या कांहीं लोकांना अगदीं क्षुल्लक वाटतात; पण त्याच इतर कांहीं लोकांस फार मोठ्या वाटतात.

ऐसी बातें संसार में बहुत हैं कि वे कुछ लोगों को बिलकुल तुच्छ मालूम होती हैं; परन्तु वे ही दूसरे कुछ लोगों को बहुत बड़ी मालूम होती हैं.

"करावें तसें भरावें," असें वडील माणसे म्हणतात ते खोटें नाहीं.

"करें वैसा भरें," ऐसा वृद्ध लोग कहते हैं वह झूठ नहीं है

दिवसभर काबाडकष्ट केल्यामुळे अगदीं थकली भागलेली एक म्हातारी मोलकरीण, संध्याकाळच्या वेळीं विसांवा घेण्यासाठीं आपल्या दाराच्या तोंडीं बसली होती, व तोंडाने, "मी दिवसभर दुसऱ्यांसाठीं किती तरी राबत असतें! आणि माझ्यासाठीं मात्र कोणींच राबूं नये काय? देवा, हाच का तुझ्या घरचा न्याय," म्हणत होती.

दिनभर मेहनत मजदूरी करने के कारण बिलकुल थकी मांदी एक बुढ़िया मजदुरिन शाम के वक्त विश्राम लेने के लिये अपने दरवाजे पर बैठी थी, और मुख से "मैं दिनभर दूसरों के लिये कितना मरती खपती हूँ! और मेरे लिये कोई भी काम नहीं आता, ईश्वर! क्या यही तेरे घर का न्याय है" कहती थी.

ईश्वर कृपाळू आहे, कृपेचा तो केवळ सागरच होय, त्याच्यासारखा मायाळू कोणीच नाहीं. तो जगत्पिता आहे, आम्हीं सर्व त्याचीं केवळ लेकरें आहोंत. तोच आमचें संरक्षण परोपरीनें अहर्निश करीत असतो. सर्वांची काळजी वाहणारा तोच आहे.

ईश्वर कृपालु है, कृपा का तो वह समुद्र ही है. उसके समान दयालु कोई भी नहीं है. वह जगत्पिता है, हम सब

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

उसके ही बालबच्चे हैं. वही हमारी रक्षा तत्परता से रात दिन करता रहता है. सब की चिन्ता करने वाला वही है.

भीष्माचा पिता शंतनु राजा एके दिवशीं यमुनातीरावरील एका रम्य वनामध्यें मृगया करीत हिंडत असतां, एक अत्यन्त सुन्दर कन्या त्याच्या दृष्टीस पडली. तिला पाहून तिच्याशीं लग्न करावें असें त्याच्या मनांत आलें. ती धीवरांच्या एका नाइकाची कन्या आहे असें त्यास शोधाअंतीं कळल्यावर, तो त्याच्याकडे गेला, व "तुझ्या कन्येशीं विवाह करण्याची माझी इच्छा आहे," असें त्यानें त्यास सांगितलें. तेव्हां तो कोळ्यांचा नाईक म्हणाला, "महाराज, हिजपासून आपणांस जो पुत्र होईल त्यास आपल्या राज्याचा अधिकारी करण्यांचें वचन देत असाल, तर ही माझी, सत्यवती मी आपण्यांस देतों." हें त्या धीवराचें भाषण ऐकून राजा खिन्न झाला. असें वचन दिलें असतां आपला सद्गुणी व एकुलता एक पुत्र जो भीष्म, तो राज्यपदास मुकणार, हें मनांत येऊन शंतनूस धीवराचें वचन मान्य करवेना. म्हणून तो तसाच परत आपल्या नगरास आला.

भीष्म के पिता राजा शंतनु को, एक दिन यमुनातीर के एक रमणीय वन में शिकार करने लिए घूमते हुए, एक अति सुन्दर कन्या पर नज़र पड़ी. उसे देख कर उस से शादी करना चाहिये ऐसा उसके मन में आया. वह धीमरों के एक नायक की कन्या है ऐसा उसे खोज के बाद मालूम हुआ. वह उसके यहां गया, व "तेरी कन्या से विवाह करने की मेरी इच्छा है" उसने उससे ऐसा कहा. तब वह धीमरों का नायक बोला, "इस से आप को जो पुत्र होगा उसको अपने राज्य का अधिकारी बनाने का अगर आप वचन देते हैं तो यह मेरी सत्यवती मैं आपको देता हूँ." उस धीमर का यह वचन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सुनकर राजा दुखी हुआ. ऐसा वचन देने से तो मेरा सद्गुणी इकलौता पुत्र भीष्म, राज्यपद से अलग होजायगा. यह सोच कर शंतनु धीमर की वात स्वीकार न कर सकते थे. इस लिये वह वैसा ही अपने शहर को लौट आया.

एक वेळीं शिवाजीनें तानाजी व सूर्याजी मालुसरे ह्या दोघां भावांस सांगितलें कीं सिंहगड जिंकण्यांस मी तुमची नेमणूक करितो. हे ऐकून त्यांनीं १००० निवडक मावळे घेऊन त्यांच्या दोन टोळ्या केल्या, व एके दिवशीं सायंकाळीं निरनिराळ्या वाटांनीं येऊन त्या टोळ्या किल्ल्याच्या पायथ्याजवळ दबा धरून वसविल्या. काळोख पडल्यावर नैऋत्येकडील कड्यावरून तानाजी व शंभर मावळे दोरांच्या शिड्या लावून वर चढून गेले. वर चढून गेल्यावर त्यांची व वरील रजपूत शिपायांची भयंकर लढाई जुंपली. सूर्याजी व बाकीचे मावळेहीं लवकरच वर चढून गेलें व मोठ्या शौर्यानें लढून त्यांनीं तो किल्ला सर केला. ह्या लढाईत ३०० मावळे व ५०० राजपूत पडले व शिवाजीचा शूर सरदार तानाजी हाही मारला गेला. तानाजी हा शिवाजीचा इतका आवडता होता कीं, त्याच्या मरणाची वार्ता एकून शिवाजी म्हणाला, "गड हातीं आला खरा, पण माझा सिंह गेला!"

सिंहगडावर तानाजीचें थडगें किल्ल्याच्या वायव्य कोपऱ्यांत आहे.

एक वार शिवाजी ने तानाजी और सूर्याजी मालुसरे इन दोनों भाइयों से कहा कि सिंहगढ़ फतह करने के लिए मैं तुम्हें मुकर्रर करता हूँ. यह सुनकर उन्होंने १००० चुने हुए मावलों को लेकर उनकी दो टोलियां वनाई और उन टोलियों को एक दिन शाम को अलग अलग रास्तों से लाकर किले के नीचे घात लगा कर बैठाला. अंधेरा होने पर नैऋत्य दिशा के

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

किनारे से तानाजी तथा १०० मावले रस्सियों की सीढ़ियों को लगाकर ऊपर चढ़ गये. ऊपर चढ़ जाने पर उन से और किले के राजपूत सिपाहियों से भयंकर लड़ाई मच गई. सूर्याजी तथा बाकी मावले भी शीघ्र ही ऊपर चढ़ गये और बड़ी वीरता से लड़कर उन्होंने वह किला जीत लिया. इस लड़ाई में ३०० मावले और ५०० राजपूत धराशायी हुए तथा शिवाजी का वीर सरदार तानाजी भी मारा गया. तानाजी शिवाजी को इतना प्यारा था कि उस के मरने की खबर पाकर शिवाजी बोले "गढ़ जरूर हाथ आया परन्तु मेरा सिंह गया !"

सिंहगढ़ पर तानाजी की समाधि किले के वायव्य कोण पर है.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अष्टम-प्रकरण.

मराठी-कहावतें

नाचतां येईना अंगण वाकडें.

नाच न आवे आँगन टेढ़ा.

पळसला पानें तीनच.

ढाक के तीन ही पात.

अडला नारायण गढवाचे पायधरी.

जरूरत पर खुदा गधे के पैर पड़ता है.

अतिरागा भीकमागा.

अधिक गुस्सेवर भीक मांगता है.

अंधळा दळतो कुत्रं पीठ खातें.

अंधा पीसे कुत्ते खाँय.

असेल तर दिवाळी, नसेल तर शिमगा.

हुआ तो दिवाली नहीं तो होली (अर्थात् पैसा हुआ तो दावत नहीं तो फाका)

अस्तनींतला साप.

आस्तीन का साँप.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आई जेवूं घालीना, बाप भीक मागूं देईना.

न माँ खाने को दे, न बाप भीख मांगने दे.

आऊट घटकांचें राज्य.

अढ़ाई घड़ी की सल्तनत.

नाकापेक्षां मोतीं जड.

नाक से बड़ा मोती.

लकडीवांचून मकडी वळत नाहीं.

छड़ी बिना बंदरिया नहीं दबती (लकड़ी के बल बँदरिया नाचती है)

धर्माचें ढोलकें आपण होऊनच वाजतें.

धर्म का नगाड़ा आपही बजता है.

नसेल धन तर धरा वन.

धन न हो तो जंगल का रास्ता पकड़ो.

नंग्याचें काय घेणार ?

नंगे से क्या ले लोगे.

दारूबाजाचें तोंड फाटतें, कुत्रा मुख चाटतें.

शराबखोरों का खुला मुंह कुत्ते चाटते हैं.

मनांत पाप हृदयांत कांप.

पापी मनवाले का हृदय कांपता है.

गरज सरो वैद्य मरो.

मतलब पूरा हो चाहे वैद्य भले ही मरे.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भांडण लागलेल्या घराचा परिणाम चांगला होत नसतो.
लड़ाई लगे घर का अन्त अच्छा नहीं होता.

पैसा नाहीं तर, जातगोत नाहीं.
पैसा अगर पास नहीं है, तो न तुम्हारी जात है न गोत.

भल्या माणसाचें हित अक्षयींचें असतें, दुष्टांचें क्षणिक असतें.
भले आदमी की मैत्री अक्षय होती है और दुष्टों की मैत्री क्षणिक.

जिकडे धन तिकडे मन.
जहाँ धन, वहीं मन.

जसा देव, तसें त्याचें वाहन.
जैसा देवता, वैसा उसका वाहन.

जसें ज्याचें मन, तसें त्याचें धन.
जैसा जिसका मन, वैसा उसका धन.

चोराच्या हातीं जामदारखान्याच्या किल्ल्या.
चोर के हाथ में खजाने की चाभी.

नुसती भाजी खाण्यापेक्षां भूक वरी.
केवल शाक खाने के अपेक्षा भूखा रहना अच्छा.

नांव सोनुबाई, हातीं कथलाचा वाळा.
नाम सोना बाई, हाथ में जस्ते का कड़ा.

वाहत्या गंगेंत हात धुऊन घ्या.
बहती गंगा में हाथ धोलो.

दुष्काळांत तेरावा महिना.
अकाल में (बारह की जगह) तेरहवां महीना.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कुसंतानापेक्षां निसंतान वरें.
कुपूत की अपेक्षा निपूता रहना अच्छा.

धर्माचा जय आणि पापाचा क्षय.
धर्म की जय और पाप की क्षय.

इच्छा काय अन झालें काय.
चाहता क्या था हुआ क्या.

कडू कारलें तुपांत तळलें आणि साखरेंत घोळिलें, तरी कडू तें कडूच.
कड़वे करेले को घी में तला और शकर में पागा, तो भी कड़वे का कड़वा.

कुत्र्याचें शेंपुट नळींत घातलें तरीं वाकडें तें वांकडेंच.
कुत्ते की पूछ नली में रखी, फिर भी टेढ़ी की टेढ़ी.

डोळे असून आंधळा.
आँख रहते अन्धा.

चोरावर मोरे.
चोर पर बटमारी.

जोंवर जीवित तोंवर आशा.
जबतक साँस तबतक आश.

यत्न करा, रत्न मिळवा.
कोशिश करने से रत्न मिलते हैं.

अधिक हंसे अधिक रडे.
ज़ियादह हँसे, ज़ियादह रोवे.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कुत्रासुद्धां आपल्या गल्लींत शेर असतो.
कुत्ता भी अपनी गली में शेर होता है.

पुष्कळ फकीर जमले कीं उत्सवाची मौज गेली.
बहुत से संन्यासी इकट्ठा हुए कि उत्सव का आनन्द गया.

दुसऱ्याचा डोळयांतले कुसळ दिसतें.
दूसरे की आँख का तिनका दीखता है.

स्वतःच्या डोळ्यांतले मुसळ दिसत नाहीं.
अपनो आंख का मूसल भी नहीं दीखता.

स्वतःचें नाक कापून दुसऱ्यास अपशकून करणें.
अपनी नाक काट कर दूसरे का असगुन करना.

आपल्याच पायावर धोंडा पाडून घेणें.
अपने ही पैरों पर ढीला गिरा लेना.

एका हातानें टाळी पाजत नाहीं.
एक हाथ से ताली नहीं बजती.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नवम-प्रकरण.

मराठी कविता के कुछ नियम

शब्द में कहीं भी आये हुए ऱ्हस्व स्वर को आवश्यकता पड़ने पर दीर्घ अथवा दीर्घ स्वर को ऱ्हस्व करना कवियों की प्रथा है.

उदाहरणार्थ—"गुरूचा" इसका पहिला ऱ्हस्व स्वर "उ" को बहुधा लोग दीर्घ नहीं करते, परन्तु दूसरा दीर्घ "ऊ" मूल का ऱ्हस्व स्वर होते हुए दीर्घ किया गया है और आवश्यकता पड़ने पर ह्रस्व ही लिखकर "गुरुचा" भी लिखते हैं। मगर इस नियम को कवि को पालन ही करना चाहिए ऐसी बात नहीं है.

जिसके साथ व्यंजन नहीं हैं ऐसे शब्दों के आरंभ का 'अकार' अथवा 'आकार' आवश्यकतानुसार दीर्घ और ऱ्हस्व दोनों ही लिखते हैं. जैसे—'अठवण' इसका रूप 'आठवण' (याददाश्त) ऐसा भी लिखते हैं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

समझने के लिए कुछ उदाहरण नीचे लिखे जाते हैं—

मूल शब्द.	*कविता में रूप.*	*हिन्दी शब्दार्थ.*
झाल्या	झालिया	हुई, होना
कल्या	केलिया	की, करना
त्याच्या	त्याचिया	उसकी, उस
माझ्या	माझिया	मेरी, मुझ
तुझ्या	तुझिया, तूझिया	तेरी, तुझ
त्या	तया	उस
ज्या	जया	जिस
जीस	जियेस	जिसे (स्त्री लिंग)
जिनें	जियेनें	जिसने (,,)
तिनें	तियेनें	उसने (,,)
तीस	तियेस	उसे (,,)
करून	करोन	करके
पाहून	पाहोन	देखकर
करूं	करों	करें
पाहूं	पाहों	देखें
करूनी	करूनी, करोनी	करके

अकारान्त पुल्लिंगवाची प्रथमान्त शब्दों के एक वचन के रूप उकारान्त और कभी कभी ओकारान्त लिखते हैं; जैसे—

मूलरूप.	*कविता के रूप.*	*हिन्दी अर्थ*
नाश	नाशू, नाशो	नाश
वसंत	वसंतू, वसंतो	वसंत

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मूलरूप	*कविता के रूप*	*हिन्दी अर्थ*
नाथ	नाथू, नाथो	नाथ
भाव	भावू, भावो	भाव
सागर	सागरू	समुद्र
मनोरथ	मनोरथू	मनोर्थ

संज्ञाएं

विभक्ति से दिखाने का संबंध विभक्ति-प्रत्यय का लोप करके केवल सामान्यरूप ही दिखाते हैं.

उदाहरण—रूपास भुलला इसके बदले रूपा भुलला.
(रूप को भूला) (रूप को भूला)

उदाहरण—त्यास देई इसके बदले त्या देई
(उसे देता है) (उसे देता है)

आगे दी हुई विभक्तियों के आगे के प्रत्यय बहुधा कविता में ही आते हैं:—

विभक्ति.	*प्रत्यय.*	*उदाहरण.*
प्रथमा	ऊ, ओ.	अर्जुनू, दशरथू, नाथो, नाथू, भावो.
द्वितीया	तें.	जनातें, त्यातें.
		जनोंको, उसका.
तृतीया	एँ, हीं, ईं.	जनें, जनांहीं, जनीं.
		जन में, जनों में, जनों में.
सप्तमी	एँ, आं	हातीं, माथां.
		हाथमें, मत्थे में.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सर्वनाम

मूल-रूप.	कविता के रूप.	हिन्दी अर्थ.
ती	ते	वह, वे
ही	हे	यह, ये
जी	जे	जो
त्यास	तयास	उसको
त्यानें	तयानें	उसने
तीस	तियेस	उसे (स्त्रीलिंग)
तिनें	तियेनें	उसने (,,)
ज्यास	जयास	जिसे
ज्यानें	जयानें	जिसने
त्वां	तुवां	तुमने
म्यां	मियां	मैंने
कोण	कवण	कौन

क्रियापद

मूल-रूप.	कविता के रूप.	हिन्दी अर्थ.
जातो	जाई	जाता है
करितात	करिती	करते हैं

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आज्ञार्थ में द्वितीय पुरुष के एक वचन के रूप :—

कर	करीं	करो, कर
घे	घेईं	लेओ, लो
जा	जाईं	जाओ, जा

क्रियापद के रूप में प्रत्यय के पहिले (ज) अथवा (य) लगा कर किये हुए सर्वकाल के रूप पुरानी मराठी भाषा में प्रयुक्त होते हैं; जैसे—

मूल-शब्द	कविता के रूप	हिन्दी अर्थ
धरिले	धरियेले, धरिजेतील	पकड़ा, पकड़ेंगे
लिहिले	लिहिजेल	लिखेगा
बोलतो	बोलिजेतो	बोलता है

अव्यय

कितने ही अकारान्त अव्यय कविता में ऱ्हस्व अथवा दीर्घ इकारान्त हो जाते हैं; जैसे—

करून	करुनि	करूनी	करके
बोलून	बोलुनि	बोलूनी	बोलकर, कहकर
पासून	पासुनि	पासूनी	पास से
जवळ	जवळि	जवळी	पास, नजदीक
प्रत	प्रति	प्रती	प्रति
च	चि	ची	ही, की
आंतून	आंतुनि	इत्यादि	अन्दर से

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

'ऊन' प्रत्ययान्त अव्यय के रूप कविता में कभी कभी 'उनियां' 'ऊनियां' भी होते हैं; जैसे—

जाऊन	जाउनियां	जाऊनियां	जाकर
आंतून	आंतुनियां		अन्दर से

कविता में सर्वनाम में 'वीं' प्रत्यय लगाने से वह अव्यय होजाता है; जैसे—

जे	जेवीं	जिसने, जैसे
ते	तेवीं	उसने, तैसे
जेव्हां के बदले	जेधवां	जब
तेव्हां ,,	तेधवां	तब
केव्हां ,,	केधवां	कब

भी रूप होते हैं;

प्राचीन मराठी के कुछ उदाहरण.

आर्या छंद.

मंत्रजप करूनि तो कवि, येरे वत्सा कचा, असें बाहे.

मंत्रजप करके उस कवि ने, आरे वत्स कच, ऐसा कहा.

भेदुनि वृकोदरें पळ सर्व निघे त्यांत लेशाहि न राहे.

फाड़कर पेटको पल भरमें सब निकला, उसमें लेशमात्र भी न रहा.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तुकारामजी चे अभंग.

(प्राचीन मराठी)

कां रे ! नाठवीसी कृपाळू देवासी ?
पोषिता जगासी एकलाची. ॥ १ ॥

फुटे तरुवर उष्ण-काळ-मासीं,
जीवन तयासी कोण घाली ? ॥ २ ॥

कोणें केली बाळा दुग्धाची उत्पत्ती ?
वाढवी श्रीपती सर्व दोन्ही. ॥ ३ ॥

तुका म्हणे, त्याचें नांव विश्वंभर;
करा निरंतर ध्यान त्याचें. ॥ ४ ॥

(शब्दशः हिन्दी अनुवाद)

क्यों रे ! भूलता है कृपालु ईश्वर को ?
पोषण करता (जो) है जग को अकेला ही. ॥ १ ॥

स्रवित होते हैं वृक्ष उष्णकाल के महीने में,
जीवन उनमें कौन डालता है? ॥ २ ॥

किसने की बच्चे दूध की उत्पत्ति ?
बढ़ाता है लक्ष्मीपति सब तरह से दोनों को. ॥ ३ ॥

तुकाराम कहते हैं, उसका नाम (है) विश्वंभर,
करो हरदम ध्यान उसका. ॥ ४ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रामदासस्वामीचे भुजंगप्रयात छंद

(प्राचीन मराठी)

तनू त्यागितां कीर्ति मागें उरावी।
मना, सज्जना हेचि क्रीया धरावी॥
मना, चंदनाचेपरी त्वां झिजावें।
परी अंतरीं सज्जना नीववावें॥ १॥
जगीं सर्व-सूखी असा कोण आहे।
विचारी मना, तूंचि शोधोनि पाहें॥
मना, त्वांचि रे पूर्व-संचीत केलें।
तयासारिखें भोगणें प्राप्त झालें॥ २॥

शरीर त्यागने पर कीर्ति पीछे बचना चाहिये।
अरे मन, सज्जन को यही क्रिया (कार्य) पकड़ना चाहिये॥
हे मन, चंदन की तरह तुझको स्वयं घिसना (झीजना) चाहिये।
इस तरह सज्जनों को निभाना चाहिये॥ १॥
संसार में सब तरह से सुखी ऐसा कौन है।
विचार मन, ढूंढ़कर देख॥
रे मन, तूने जो पहले इकट्ठा किया है।
उसी के अनुसार भोग प्राप्त हुआ है॥ २॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मना, सज्जना भक्ति-पंथेंचि जावें।
तरी देव तो पाविजेतो स्वभावें॥
जनीं निंद्य तें सर्व सोडोनि द्यावें।
जनीं वंद्य तें सर्व-भावें करावें॥ ३॥
मना, वासना दुष्ट कामा नये रे।
मना, सर्वथा पाप-बुद्धी नको रे॥
मना, सर्वथा नीति सोडूं नको हो।
मना, अंतरीं सार-वीचार राहो॥ ४॥

हे मन, सज्जन को भक्तिमार्ग में जाना चाहिये।
तभी ईश्वर को वह पाता है सहज ही में॥
लोग जिसकी निंदा करते हैं वह सब छोड़ देना चाहिये।
लोगों को जो वंदनीय है वह सर्वतोभाव से करना चाहिये॥ ३॥
रे मन, बुरे काम की वासना नहीं करना चाहिए।
रे मन, सर्वथा पापबुद्धि नहीं चाहिये रे (नहीं होना चाहिये)॥
हे मन, हमेशा नीति मत छोड़ रे।
हे मन, हृदय में अच्छे विचार रहें॥ ४॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नव्य मराठी.

आई.

(अंजनी गीत.)

नीज न ये तर गीत म्हणावें,
अथवा झोके देत बसावें;
कोण करी हें जीवेंभावें ? ती माझी आई ॥ १ ॥

रडवें माझें वदन बघोनी,
भूक लागली हें जाणोनी;
कोण उगें करि मज पाजोनी ? ती माझी आई ॥ २ ॥

हसतां मजला पाहुनि हसते,
मुके मटामट किति तरि घेते;
परि अंतरिं जी तृप्त न होते, ती माझी आई ॥ ३ ॥

(लोरी)

नींद न आवे तो गीत कहे,
अथवा झुलाती है बैठकर,
कौन करती है यह दिलोजान से ? वह (है) मेरी माँ ॥ १ ॥

रोता मेरा मुख देख कर,
भूख लगी है यह जान कर,
कौन चुप करती है मुझे पिला कर (स्तन) ? वह (है) मेरी माँ ॥२॥

हँसते मुझे देखकर हँसती है,
चुम्बन जल्दी जल्दी कितने ही लेती है,
इतने पर भी (उसका) मन तृप्त नहीं होता, वह (है) मेरी माँ ॥ ३ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

येई दुखणें तेव्हां जपते,
सुखवाया मज अतिशय झटते;
परोपरी करि उपचारांतें, ती माझी आई ॥ ४ ॥

चालत असतां पडलों, पाहुनि,
उचलाया मज येई धावुनि,
गोंजारी पोटाशीं धरुनी, ती माझी आई ॥ ५ ॥

स्मरण तुझ्या ममतेचें होई,
तव उपकारां सीमा नाहीं,
कैसा होऊं मी उतराई, गे माझे आई ? ॥ ६ ॥

आती है बीमारी तब यत्न करती है,
सुखी करने के लिये मुझे अत्यन्त खटती है,
तर ऊपर करती है उपचारों को, वह (है) मेरी माँ ॥ ४ ॥

चलते हुए गिरा देख कर,
उठाने के लिये मुझे आती है दौड़ कर;
लगाती है पेट से पकड़ कर; वह (है) मेरी माँ ॥ ५ ॥

स्मरण तेरी ममता का होता है,
तेरे उपकारों की सीमा नहीं है;
कैसे होऊं मैं उऋण (तुझ से) अरी मेरी माँ ॥ ६ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बहिर्जी नाईक

(यह शिवाजी महाराज के जासूसों में मुख्य जासूस था)

कवि—श्री महादेव मो० कुंटे.

भुजंगप्रयात छंद.

दिसे ठेंगणी मूर्ति, ही बावळीशी;
वहू शक्ति पायांत, हिंडे स्वदेशीं;
असे रुंद छाती, खरे गोल दंड,
भरे जोर अंगांत; तकां उदंड.
जरी मानिती लोक हें रूप भोळें,
तरी न्याळिती शत्रुला तीव्र डोळे.
हुशारींत ऐसा नसे अन्य कोणी,
निघे, दौड चाले जसें काय पाणी !

(शब्दशः हिन्दी अनुवाद)

दीखती है ठिनगी मूर्ति वह पागल सी;
बहुत शक्ति (है) पैरों में; घूमता (है) देश में;
थी चौड़ी छाती, अच्छे गोल भुजदंड,
भरता था जोर अंग में बल स्थिर रखनेको बहुत.
यद्यपि मानते थे लोग यह रूप (है) भोला,
तब भी गौर से देखते थे शत्रुको (उसके) तेज नयन.
होशियारी में ऐसा नहीं था दूसरा कोई,
निकलते (ही) दौड़कर चलता था जैसे कि पानी !

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कळे सर्व त्याला कुठें काय चाले,
कुठें बैसला कोण, तो काय बोले.
घडे शत्रुलोकांत त्याचा प्रवेश;
करी रोज जो पाहिजे तोहि वेष.
कधीं लांब दाढी, सजे वृद्ध काजी,
कधीं घाण वस्त्रें, पुरा होय पाजी.
कधीं जानवें शुभ्र हा वीर घाली,
करीं दर्भ, पंचांग, स्वारी निघाली.
कळे वृत्त जें त्यास, तें सर्व आणी,
कथी थोर राजास तो सत्य-खाणी.
घडे वास त्या नारदा तीन लोकीं,
सदा स्वर्ग, पाताळ, मृत्यू विलोकी.

मालूम था सब उसको कहां क्या होरहा है,
कहां बैठा है कौन, और वह क्या कह रहा है.
था शत्रुओं में उसका प्रवेश,
करता था रोज जो चाहिये वही वेष;
कभी लंबी डाढ़ी लगाकर सजता था वृद्ध काजी,
कभी मैले वस्त्र (पहनकर) पूरा बनता बदमाश.
कभी यज्ञोपवीत सफेद यह वीर पहन कर,
हाथ में कुश(लेकर), पंचांग सवारी से निकलता.
मालूम होता था हाल जो वह सब लाकर,
कहता था महान् राजासे, वह, सच बोलने वाला.
होता था निवास उस नारद का तीनों लोकों में,
हमेशा स्वर्ग, पाताल, मृत्युलोक देखता था.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

विणा हातिं, गीतें अलापीत चाले;
करी, इंद्र शोभे, तिथें नृत्य तालें;
कधीं स्वर्ग सोडून पृथ्वीस येतो,
महाअंतराळांतुनी धाव घेतो;
तुटे जेविं तारा, नभीं चक्क होतें,
पडे तेज त्या नारदाचें तसें तें;
कधीं चालतां, पोंचतां सूर्य-लोकीं,
कधीं आडवाटे, फिरे स्वर्गलोकीं;
तसा हा वहिर्जी फिरे सर्व देशीं,
कशाचा पन्हाळा ! रिघे खानदेशीं.

वीणा हाथ में (लेकर) गीत अलापते हुए चलता था,
करता था इंद्र को लुभाने वाला वहां नाच ताल पर.
कभी स्वर्ग छोड़ कर पृथ्वी पर आता,
(कभी) आकाश के महा अन्तराल में दौड़ता.
टूटता है जब नक्षत्र, (तब) आकाश में जैसा, प्रकाश होता है,
पड़ता था तेज उस नारद का वैसा.
कभी चलते हुए पहुँचता था सूर्यलोक में,
कभी गुप्त मार्ग से फिरता था स्वर्ग लोक में.
ऐसा यह वहिर्जी फिरता था सब देशों में,
कहां तो पन्हालगढ़ ! (और) प्रवेश करता खानदेश में.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कृष्णाची वन-क्रीड़ा.

(कवि—वामन पंडित)

भुजंगप्रयात छंद.

वनीं खेळती बाळ ते वल्लवांचे;
तुरे खोंविती मस्तकीं पल्लवांचे,।
फुलांच गळां घालिती दिव्य हार,
स्व-नाथा-सवें ते करीती विहार. ॥ १ ॥
स्व-कौशल्य ज्या गुंज-माळांत नाना,
गळां घालिती, ते करीती तनाना, ।
शिरीं बांधिती मोर-पत्रें, विचित्रें,
शरीरावरी रेखिती दिव्य चित्रें. ॥ २ ॥

वन में खेलते हैं बालक वे ग्वालों के,
कलगी खोसते हैं मस्तक में पल्लवों की।
फूलों के गले में पहिनते हैं तेजस्वी हार,
अपने नाथ के साथ वे करते हैं विहार ॥ १ ॥
अपने कौशल से जो गुंजमालायें भांति भांतिके (बनाते),
गले में पहिनते हैं, वे करते हैं खेल।
सिर पर बांधते हैं मोरके पंख विचित्र रूप से,
शरीर पर खींचते हैं भड़कीले चित्रों को ॥ २ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुखें वासुनी, लोचन-भ्रूतटातें
उभारूनियां, वांकुल्या मर्कटांतें, ।
अहो ! दाविती. शब्द तैसे करीती.
असे खेळती बाळ निःशंक-रीती. ॥ ३ ॥

उपजाति छन्द.

खगांचिया साउलिच्याच संगें
ते धावती हास्यरसप्रसंगें. ।
हंसाचिया दाखविती गतीतें
टाकोनियां मंद पदें किती ते ! ॥ ४ ॥

मुख फैलाकर, आंखों की भौंहों के
किनारे चढ़ाकर, चिढ़ाकर बन्दरों को
अहो, दिखाते हैं (और) वैसाही शब्द करते हैं,
इस प्रकार खेलते हैं बालक निःशंक रीतिसे ।

पक्षियों की परछाईं के ही साथ,
वे दौड़ते हैं हास्यरस के प्रसंग में.
हंस की दिखाते चाल को,
रखकर धीमे धीमे कदम वे ॥ ४ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भुजंगप्रयात छंद.

वनीं देखतां मेघनीळास मोर,
प्रमोदें करी नृत्य-लीला समोर, ।
तयासारिखे नाचती तोक सारे
खुणावूनि अन्योन्य कीं, 'तो कसा रे !' ॥ ५ ॥
वदे कृष्ण गोपाळबाळां जनांतें,
'बसूनी करूं ये स्थळीं भोजनातें. ।
वनीं वत्स सोडा चरायासि, पाणी
तयां पाजुनीयां,' म्हणे चक्रपाणी. ॥ ६ ॥

जिस तरह वन में देखते ही मेघ-श्यामता को मयूर,
आनंद से करते नृत्य-लीला (उसके) सामने ।
उसी प्रकार नाचते लड़के सब,
इशारा करके एक दूसरे को कि 'वह कैसा है रे' ॥ ५ ॥
कहते कृष्ण ग्वालबालों से,
'बैठकर करें इस स्थान पर भोजन' ।
वन में बछड़ों को छोड़ कर के (और) पानी उन को पिला कर,
कहते चक्रपाणि (कृष्ण भगवान) ॥ ६ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हरि

असे

मुखं

अपना चेहरा
रच कर बैठा
हरि का मुख
इसलिये बहुत
होता है कमल
लड़

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi